

राज

**कॉमिक्स
विशेषांक**

मूल्य 20.00 संख्या 100

खूनी खानदान

सुपर कमांडो ध्रुव

आकर्षक स्टीकर मुफ्त



by अच्युतम
Vikro

एक
रोमांचक
विशेषांक

जब कभी अतीत की आंधी चलती है तो जिन्दगी की किताब के वे पन्ने भी खुल जाते हैं, जिनको इंसान ने शायद पहले न तो कभी पढ़ा होता है, और न ही पढ़ना चाहता है—

आज ध्रुव के सामने भी ऐसी ही एक स्थिति मुंह खोलकर खड़ी हो गई है। एक ऐसा रहस्य, ध्रुव के कानों में सीसा घोल रहा है, जो उसकी जिन्दगी को बदलकर रख देने वाला है—



यह बात एकदम सही है ध्रुव! तुम्हारे पिता इयाम का असली नाम रघुवंशी था। वह आज से लगभग पच्चीस साल पहले फ्रांस के एक शहर 'ल्योन' से फरार हो गया था...

... और इंटरपोल की फाइलों के अनुसार रघुवंशी की आज भी एक सनसनीखेज हत्या के जुर्म में अंतर्राष्ट्रीय पुलिस की तलाश है... और आज तुम पर भी एक हत्या का आरोप है। समझ में नहीं आता कि किसको सच मानू और किसको झूठ!

मुझ पर हत्या का आरोप लूका ने लगाया है पापा, जो कि खुद एक हत्यारा है। और डी.एन.ए. टेस्ट के जरिए मुझको अपना भाई बता रहा है। लेकिन न तो मेरे पिता हत्यारे हो सकते हैं...

... और न ही मैं कोई हत्या कर सकता हूं। क्योंकि और चाहे कुछ भी हो, पर मेरा खानदान नहीं हो सकता एक...

कथा एवं चित्र:

अनुपम सिन्हा

इंकिंग : विठ्ठल कांबले

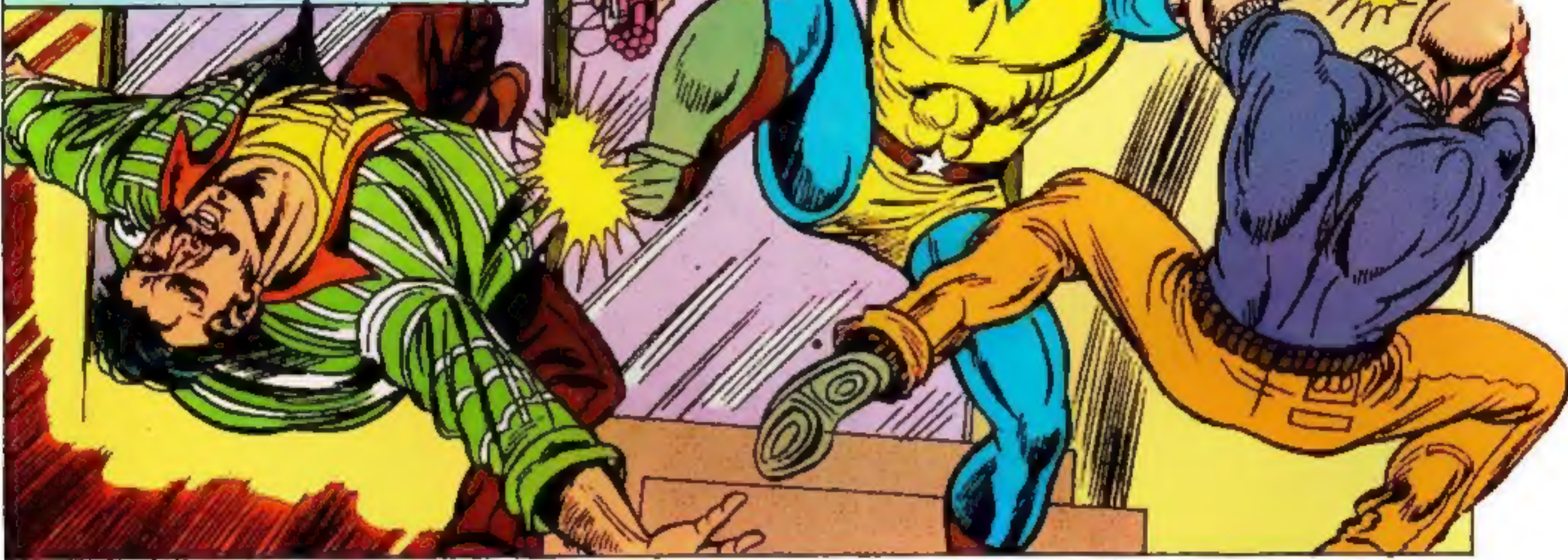
सुलेख वरंगा : सुनील पाण्डेय

सम्पादक : मनीष गुप्ता

खूनी खानदान

राजनगर- एक ऐसा महानगर, जिसकी जड़ों में अपना फन फैला रहा है अपराध का काला नागा! लेकिन यह नागा अपना फन बहुत सोच-समझकर उठाता है। क्योंकि सब जानते हैं कि यह फन उठाने ही कुचल दिया जाएगा। और उसको कुचलने वाला पैर होगा...

... सुपर कमांडो ध्रुव का! राजनगर के उस रस्ववाले का, जिसको आज तक अपराध का यह नागा लारव चाहने पर भी डस नहीं पाया-



इसीलिए राजनगर में जो भी अपराध का प्लान बनाया जाता है, वह सिर्फ एक ही झरब्स को ध्यान में रखकर बनाया जाता है...

... सुपर कमांडो ध्रुव की-

उस दुष्ट का ध्यान बंटाने का यह फर्स्ट क्लास रास्ता है।...



... हम टंकी में टाइम बम फिट कर देते हैं। बम फटेगा! पानी 'नियागा-फॉल' की स्पीड से नीचे भुबिगियों पर गिरेगा। इस तबाही की खबर पाकर सुपर कमांडो ध्रुव इधर भागेगा...



... और उधर हमारी टीम नंबर दो 'हजारालाल ज्वैलर्स' का स्टील शटर बम से उड़ाकर करोड़ों रुपय के गहने और रत्न उड़ा लाएंगे!



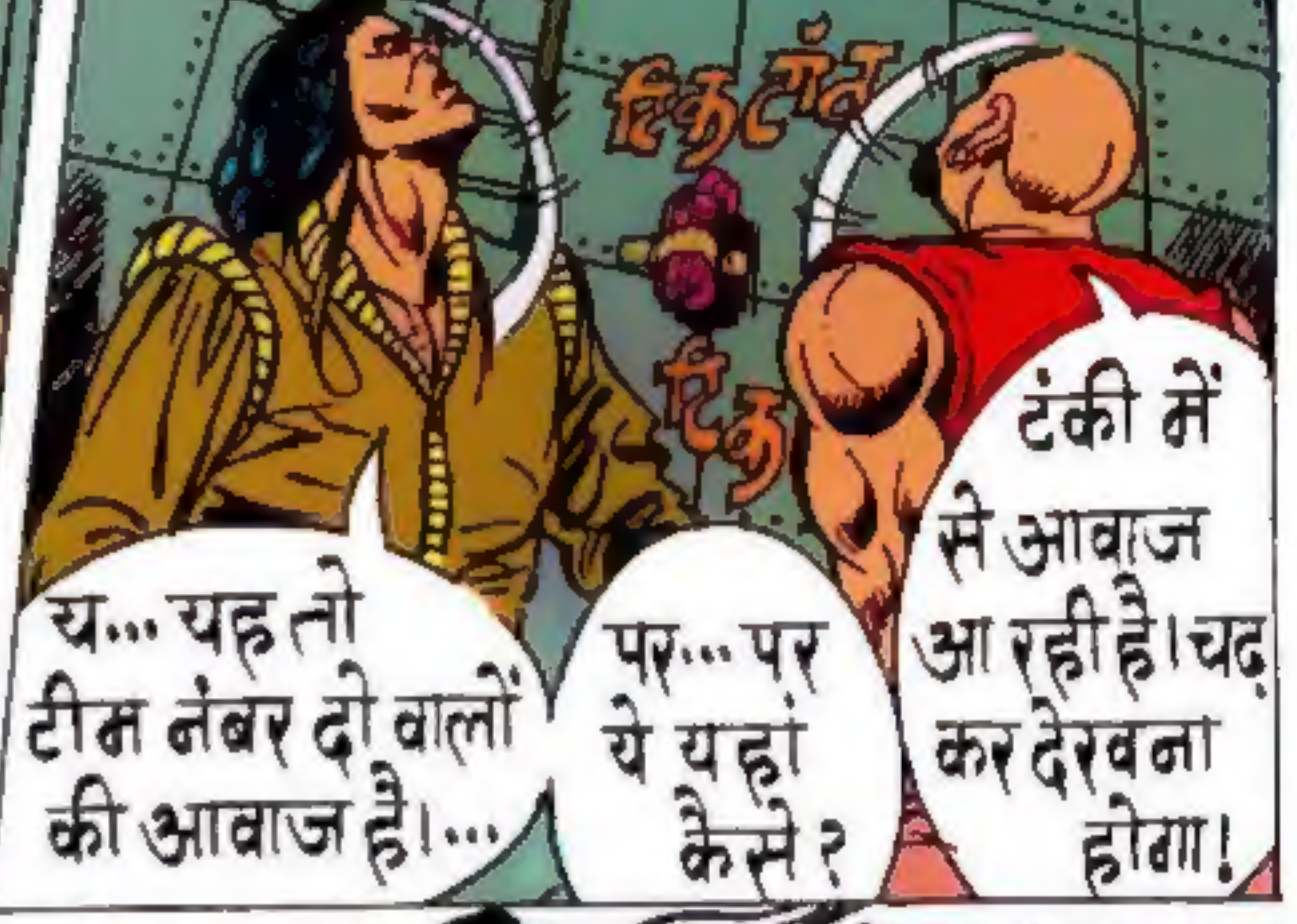
हफ! अबे ध्यान ही बंटाना था, हफ, तो टंकी में नीचे ही बम लगा देता। इतनी ऊपर चढ़ने की क्या जरूरत थी?

नीचे बम लगाने से पूरी टंकी ही गिर जाती टीकू! नीचे कई भुरगी वाले दबकर मर जाते। हम सिर्फ ध्यान बंटाना चाहते हैं, खामखवाह जाने लेकर मुसीबत में पड़ना नहीं!

तो ठीक है! काम हो गया न! अब जल्दी से नीचे उतर ले, बंसी...

... वर्ना बम पांच मिनट में फट...

अबे, टीकू! बंसी! बचा... बचा ले! हमें बचा ले!



य... यह तो टीम नंबर दो वालों की आवाज है।...

पर... पर ये यहां कैसे?

टंकी में से आवाज आ रही है। चढ़कर देखना होगा!

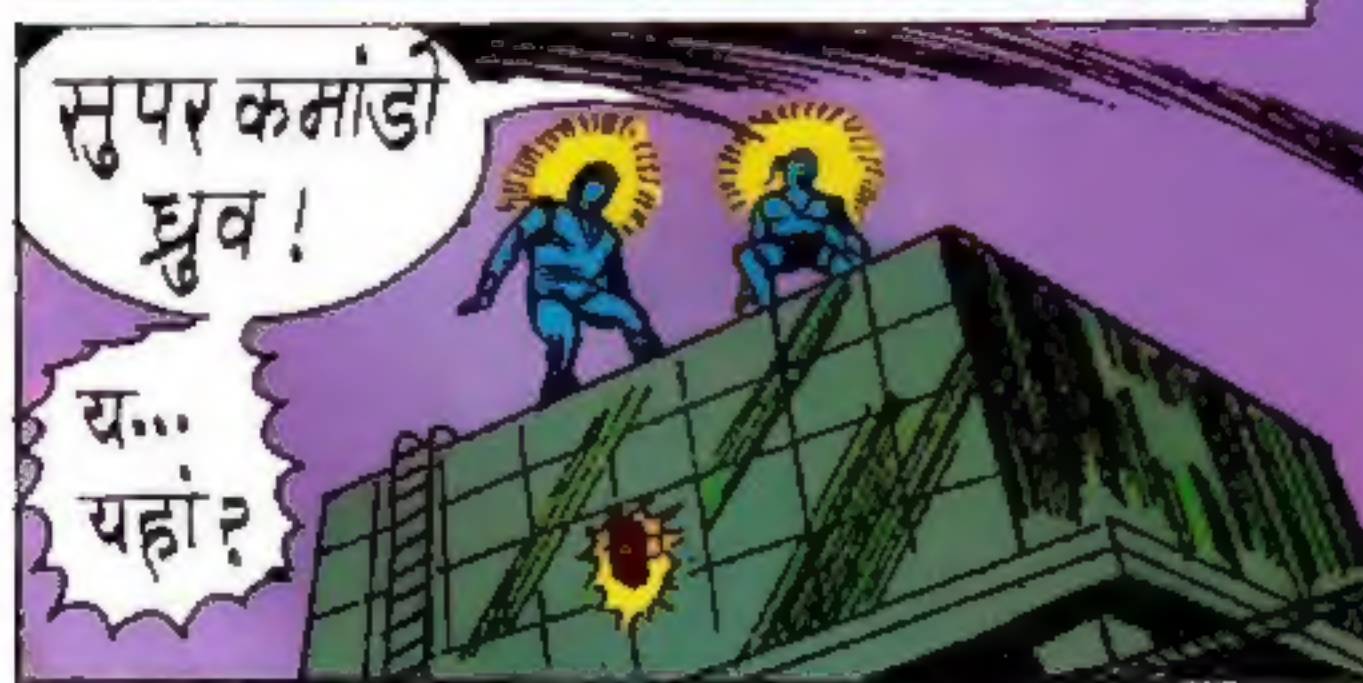


ऊपर चढ़कर झांकते ही दोनों के होश फारकता हो गए-

अरे! अरे! टीम नंबर दो वाले तो टंकी में गीला लगा रहे हैं। पर... पर ये यहां कैसे पहुंचे?



ये तो मना कर रहे थे। मैं जबरदस्ती उठाकर ले आया!



सुपर कमांडो ध्रुव!

य... यहां?

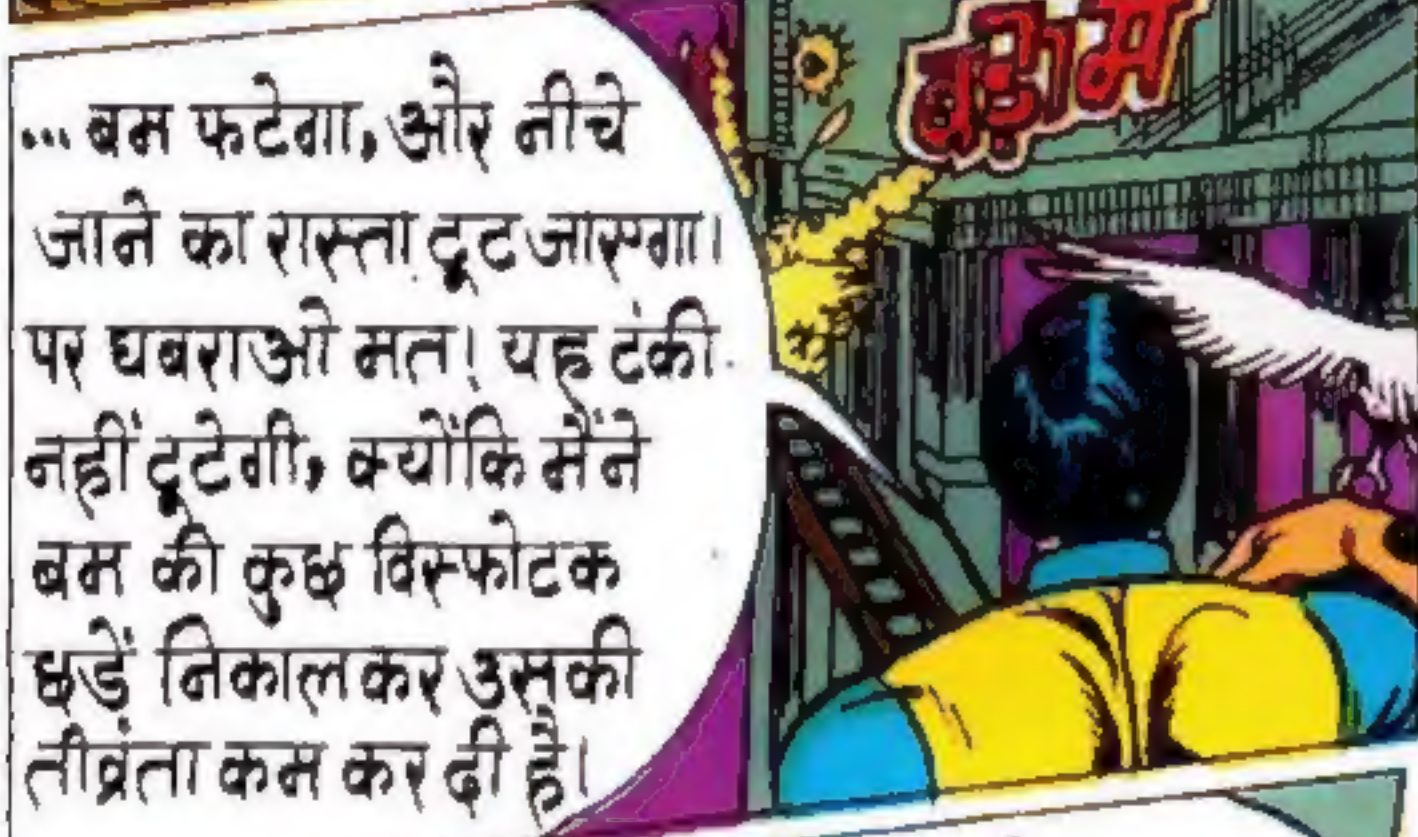
जब स्की में बनाया करो, तो ऊपर जरूर देख लिया करो कि कहीं कोई चिड़िया तो नहीं उड़ रही है! ☆



ले... लेकिन इनके पास वाला बम कहाँ है?

तुमने ऊपर आते वक़्त शायद ध्यान नहीं दिया...

... वह बम मैंने टंकी की सीढ़ियों पर लगा दिया है। अब कुछ ही सेकंडों बाद वह...



... बम फटेगा, और नीचे जाने का रास्ता टूट जाएगा। पर घबराओ मत! यह टंकी नहीं टूटेगी, क्योंकि मैंने बम की कुछ विस्फोटक छड़े निकालकर उसकी तीव्रता कम कर दी है।



पर... पर... ह... हमारे लगाए बम की फटने में सिर्फ डेढ़ मिनट ही बाकी हैं...

... नीचे उतर कर बम हटाना होगा!



तब तो मैं तुमकी यह बम फेंकने नहीं दूंगा।



जरा इस टंकी के साथ-साथ आज तुमकी भी पता चल जाए कि धमाके से जब चिथड़े उड़ते हैं तो कैसा लगता है।



ब... बम फेंक दो!
फ... फट जाएगा!
हम सब मर जाएंगे!

द
प
क

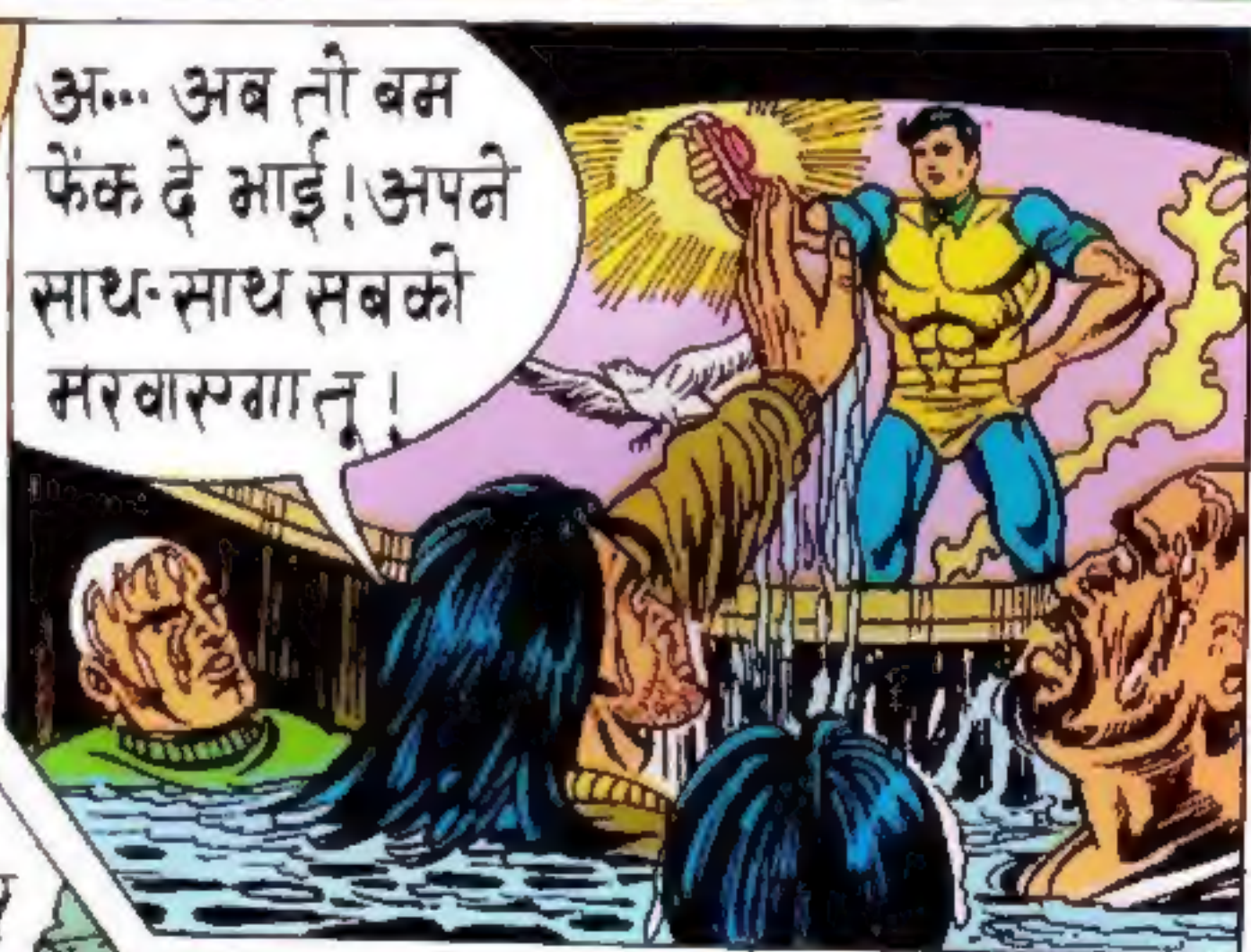


बहुत डर लगता है मरने से?
तब ये डर कहाँ था जब तूटकी
को उड़ाकर पानी से गरीबों
के घर तबाह करने जा रहा
था?

म... माफ कर दे
भाई? माफ कर दे!



ले, मैं खुद ही टंकी
में कूद गया!



अ... अब तो बम
फेंक दे भाई! अपने
साथ-साथ सबकी
मरवाएगा तू!



लो! मैं बम तुमकी
ही दे देता हूँ।

ई ई sssss
मार डाला रे! मार
डाला!



चिल्ला मत! अब ये
बम नहीं फटेगा। पानी
में भीगाकर इसके सर्किट
खराब होकर बन्द हो
जाएंगे...

...अब तुम लोग पानी में गोता खाओ,
जब तक पुलिस आकर तुमकी निकाल न ले!

जब ध्रुव, स्टारलाइन की मदद से नीचे उतरा तो नीचे घमाके की आवाज सुनकर भुवगी वालों की भीड़ पहले ही जमा हो चुकी थी-

ध्रुव भइया की जय होर!

आज तो ध्रुव भइया ने हम गरीबन की भोपड़ियों और बच्चन लोगों को बचाकर बड़ा उपकार किया है।

आप लोग सचमुच मुझे शर्मिन्दा कर रहे हैं। मैंने ऐसा कोई काम नहीं किया है...

... जो जय-जयकार के लायक हो!

ध... ध्रुव जी... आ... आपसे मुझे... मुझे...

सब बेकार बातें हैं। अपने-आप को कभी मामूली नहीं समझना चाहिए। आप कहिए! आपका काम मैं हर कीमत पर पूरा करूंगा!

हां, हां! कहिए! कौन हैं आप? मुझसे क्या चाहती हैं?

म... मैं कैसे कहूं? आप इतने बड़े आदमी हैं, और मैं भुवंगियों की एक मामूली...

सच! म... मैं वैशाली हूं। कुछ ही महीने हुए, गांव से राजनगर आई हूं। यहाँ मेरे रिश्तेदार रहते हैं। मैं पत्रकार बनना चाहती हूँ, ताकि मैं इन भुवंगी वालों के अधिकारों के लिए प्रशासन से लड़ सकूँ...

... मैंने अभी यहाँ हुई घटना को अपनी आँखों से देखा है। इस पर मैं रिपोर्ट लिखूंगी। लेकिन अगर आप मुझे इंटरव्यू दें तो...

मैं समझ गया, वैशाली! मेरे इंटरव्यू देने से तुम्हारे आर्टिकल की कीमत काफी बढ़ जायेगी। और कोई भी बड़ा समाचार पत्र तुम्हारे आर्टिकल को छापने की तैयार हो जायेगा।

हां, हां! अगर आप ऐसा कर सकें तो मुझे पत्रकारिता के क्षेत्र में जमाने में काफी आसानी हो सकती है!

ठीक है, वैशाली! मैं तुमको ऐसा इंटरव्यू दूंगा, जैसा मैंने आज तक शायद किसी को भी नहीं दिया होगा। तुम्हारे जरूर दुनिया को मैं ध्रुव की कहानी सुनाऊंगा... जो शुरू होगी मेरे जन्म स्थान 'जुपिटर सर्कस' से!



पर मेरी एक शर्त माननी होगी तुम्हें!

श... शर्त! कैसी शर्त?

वह ये कि तुम मुझे 'तुम' बुलाओगी। आप कह कर शर्मिन्दा नहीं करोगी।

...और वहां से दूर- बहुत दूर फ्रांस के एक शहर 'ल्योन' के एक पार्क में भी जुपिटर सर्कस का ही जिक्र छिड़ने जा रहा था-

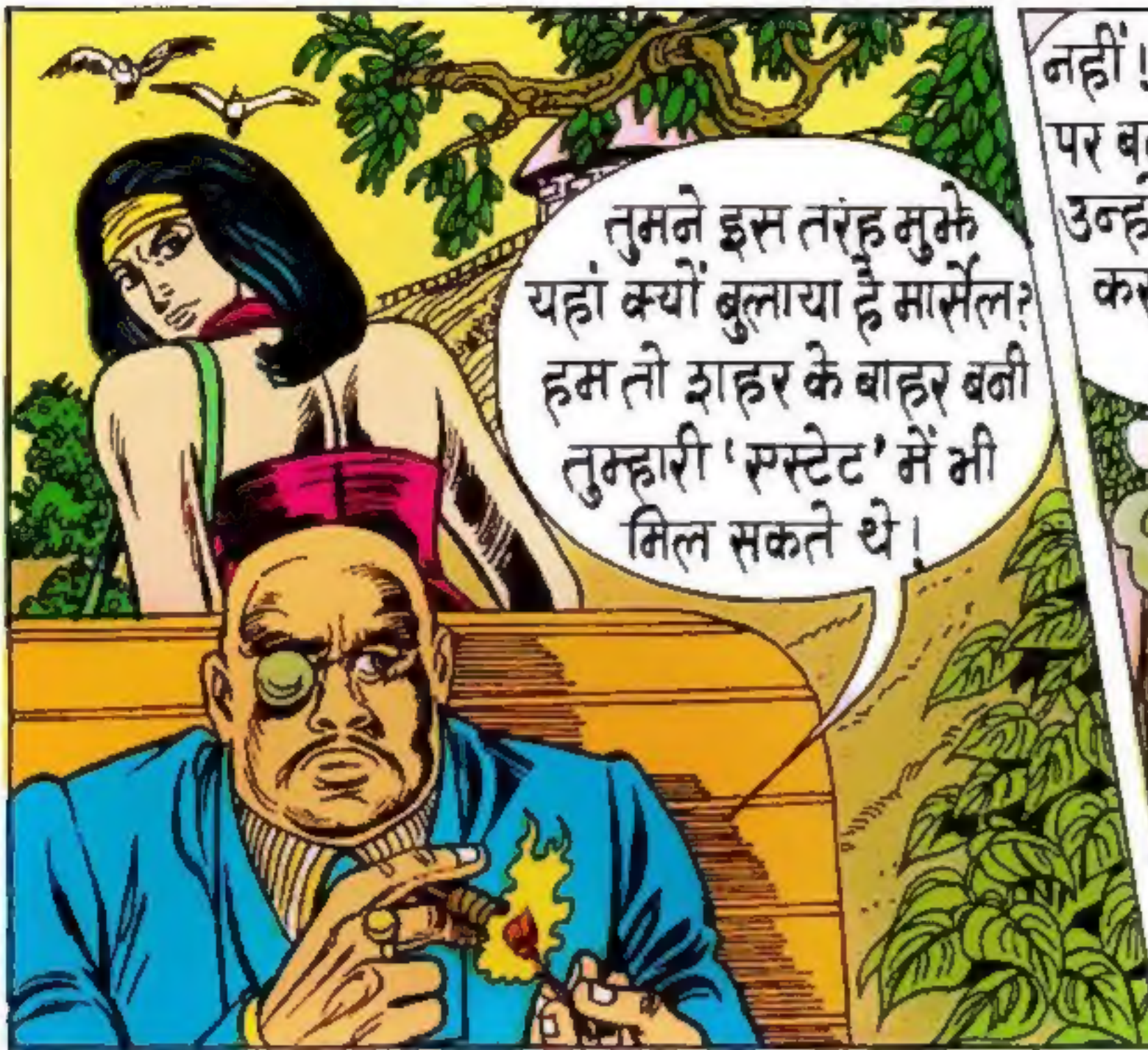
वह आ रही है, काकातुआ! और दूसरी तरफ से उसका पार्टनर भी आ रहा है।



हा हा हा! मुझे आपकी... ओ... तुम्हारी शर्त मंजूर है।

इधर ध्रुव जुपिटर सर्कस की यादों की कुरेदने जा रहा था...

अब इनके बीच में जो बातें होंगी, वह सुनने से हमारा कुछ भला जरूर होगा।



तुमने इस तरह मुझे
यहां क्यों बुलाया है मार्सेल?
हम तो शहर के बाहर बनी
तुम्हारी 'सस्टेट' में भी
मिल सकते थे!

नहीं! पुलिस का शक हम
पर बढ़ता ही जा रहा है। अब
उन्होंने सस्टेट की निगरानी
करनी भी शुरू कर दी
है सात्रे!...

... और हम
नहीं चाहते हैं
कि अभी यह
राज खोलने कि
हमारा- तुम्हारा
आपस में कोई
संबंध है।

संबंध तो है ही! आखिर
हम तुम बिजनेस पार्टनर हैं।

मार्सेल की पूरा यकीन था कि इस स्थान
पर पुलिस उन पर निगरानी नहीं रख
सकती है-

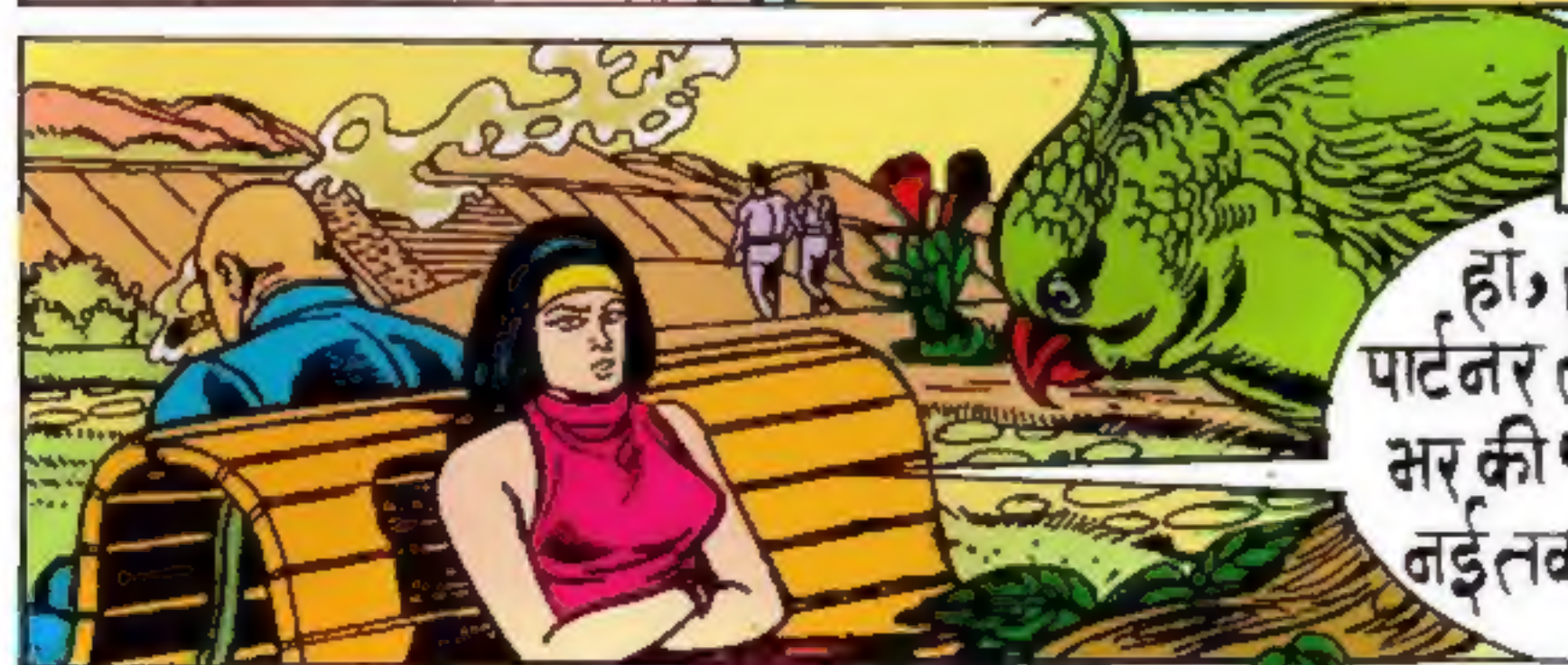


उसका ख्याल सही
भी था और बालत
भी-

बालत इसलिए क्योंकि उनकी
निगरानी तो हो रही थी-

और सही इसलिए क्योंकि उनकी निगरानी
करने वाला कोई पुलिस वाला नहीं था-

जा काका तुआ!
सुन कि ये क्या
बात कर रहे हैं,
और फिर आकर
मुझे बता!



हां, हमकी-तुमकी तो बिजनेस
पार्टनर तो होना ही था। हमारा काम दुनिया
भर की 'डिफेंस रिसर्च लैबों' से नई-
नई तकनीकों को चुराकर डेवलप करना है...

...और हमारा काम उस तकनीक से बने नर-नर विध्वंसात्मक हथियारों की चोरी-छिपे पूरी दुनिया में बेचना है। काम की बात करो मासैल! जो मैं जानता हूँ उसको दोहरा कर मेरा समय मत खराब करो!

तो सुनो! 'जिम्सा' ने तय किया है कि अब हम इस पूरी सम्पत्ति को बेच कर किसी और देश में अपना ऑपरेशन शुरू करेंगे। क्योंकि अब यहां पर पुलिस के दबाव की वजह से काम करना संभव नहीं रहा।

तो फिर बेच दो। तुम लोग जहां रहोगे, मैं वहीं से अपना भी बिजनेस चला लूंगा।



इतना आसान नहीं है। वह मेरा बूढ़ा ससुर, जो इस समय लकवे से अपाहिज पड़ा है, लकवा मारने से पहले वसीयत लिख चुका था।...

..और उसके अनुसार जब तक मेरा देवर रघुवंशी भी 'सेल-डीड' यानी बिक्री के काराज पर दस्तखत न कर दे तब तक ये प्रापर्टी बिक नहीं सकती।

लेकिन... लेकिन रघुवंशी तो पच्चीस साल पहले ही फरार हो चुका है। पुलिस की अभी भी उसकी तलाश है।

रवैर छोड़ो!

इतने सालों की मेहनत के बाद हमने उसको तलाश कर ही लिया है। वह अब से कुछ साल पहले तक जुपिटर सर्कस में श्याम नाम से काम कर रहा था।

कुछ साल पहले तक? तो अब वह कहां है?

तुम्हारी मूर्खता के कारण। तुम्हारे ही आदमी ने उस पर गोली चलाई थी। लेकिन वह सिर्फ घायल होकर रह गया।

गोली तो सिर में लगी थी उसके। लेकिन फिर भी न जाने कैसे वह गायब हो गया...

... वना पुलिस की उसकी लाश ही मिलती।

ऊपर! वहीं जहां पर हम उसे भोजना चाहते थे।

तो फिर अब समस्या क्या है?

समस्या बहुत टेढ़ी है सात्रे ! कोर्ट में यह साबित करने के लिए कि इयास मर चुका है, मुझे भारत से उसके मरने की पूरी रिपोर्ट मंगानी होगी। और उस रिपोर्ट में यह भी लिखा होगा कि इयास के एक बेटा है, जिसका नाम... ध्रुव है।



ओह! यानी अब जब तक वह 'ध्रुव' साइन नहीं करे, तब तक तुम्हारी जायदाद नहीं बिक सकती!

जल्दी समझ जाते हो सारी बात! अब सिर्फ वो ही रास्ते बचते हैं। या तो वह ध्रुव दो-चार लाख डॉलर लेकर दस्तखत कर दे... और या...



...और या फिर यह बात खुलने से पहले उसकी भी वहीं भेज दिया जाय जहां पर उसका बाप पहले ही पहुंच चुका है।

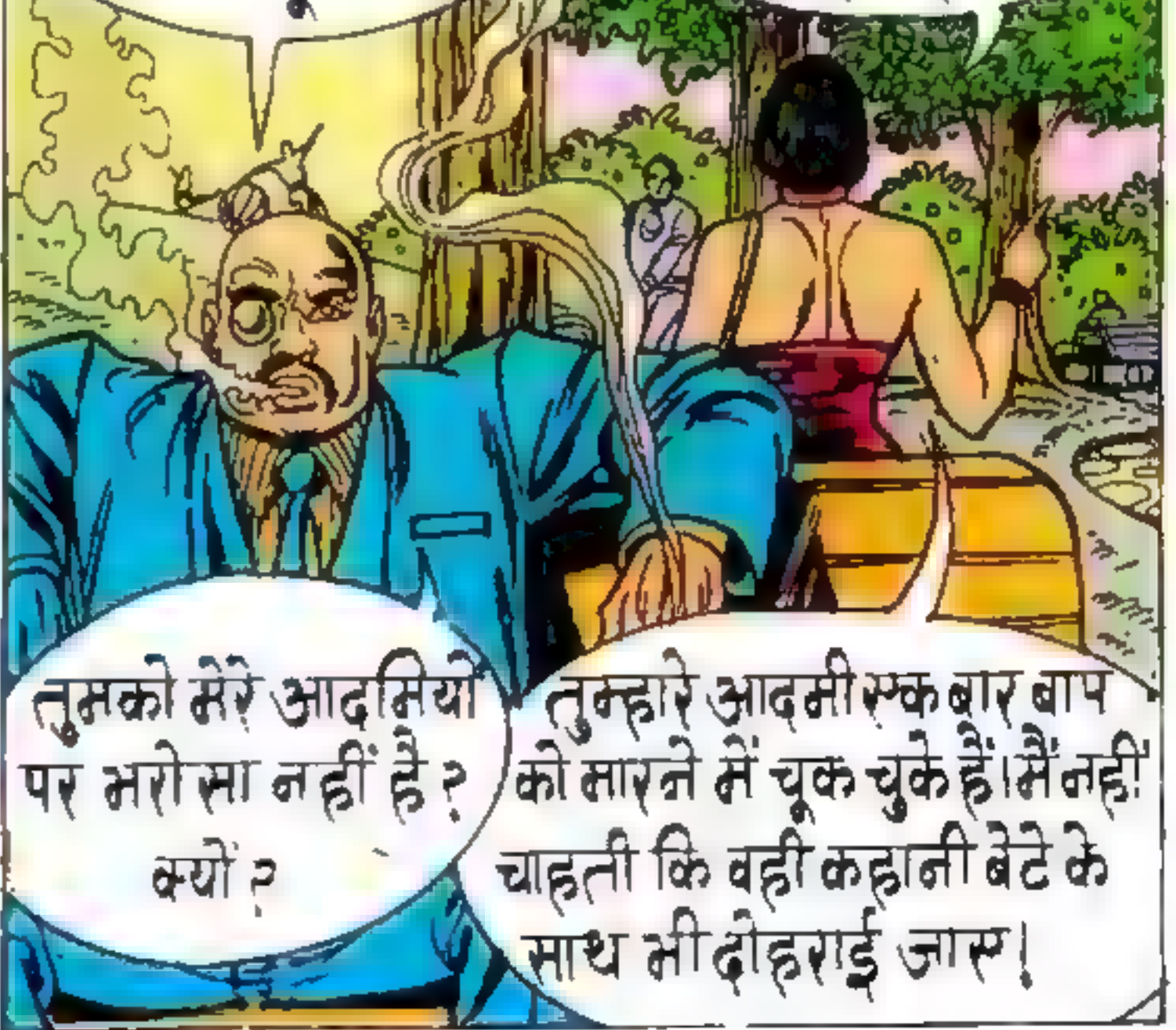
मैंने कहा न तुम बहुत जल्दी समझ जाते हो! तो पहले दूसरा रास्ता अपनाते हैं सात्रे! मुझे लीगों को रास्ते से पूरी तरह से हटाने में नहारत हासिल है...



वैसे तो एक घटिया इंडियन को मारने से ज्यादा मुश्किल एक फ्रांसीसी चूहे को पकड़ना है...

... लेकिन फिर भी काम पक्का करने के लिए मैं 'गुलर आई' और 'बी-यर्ड' को पेलन डूंगा।

मेरा बेटा लूका भी उनके साथ जायगा... और टीम का लीडर भी वही रहेगा।



तुमको मेरे आदमियों पर भरोसा नहीं है? क्यों?

तुम्हारे आदमी एक बार बाप को मारने में चूक चुके हैं। मैं नहीं चाहती कि वही कहानी बेटे के साथ भी दोहराई जाय!

ठीक है, जैसी तुम्हारी मर्जी! वैसे भी यह तुम्हारा काम है, मेरा नहीं। तुम लूका को भेजने की तैयारी करो, मैं अपने आदमियों को भेजने की तैयारी करता हूँ।

मार्सेल और सान्ते के अपने-अपने रास्तों पर जाते ही-

काकातुआ, अपने मालिक के पास जा पहुंचा-

टांर। जैकी! गड़बड़... गड़बड़!... चंय! ये लोग राजनगर जा रहे हैं। ध्रुव को मारने टांर!

ध्रुव को मारने? क्यों? पूरी बात बता, काका!...

काकातुआ, जैकी को पूरी बात बताता चला गया-

और जैकी के दिमाग में घमाके होने लगे-

चल! समय बिलकुल नहीं है काका! हमको तुरन्त राजनगर के लिए रवाना होना पड़ेगा।

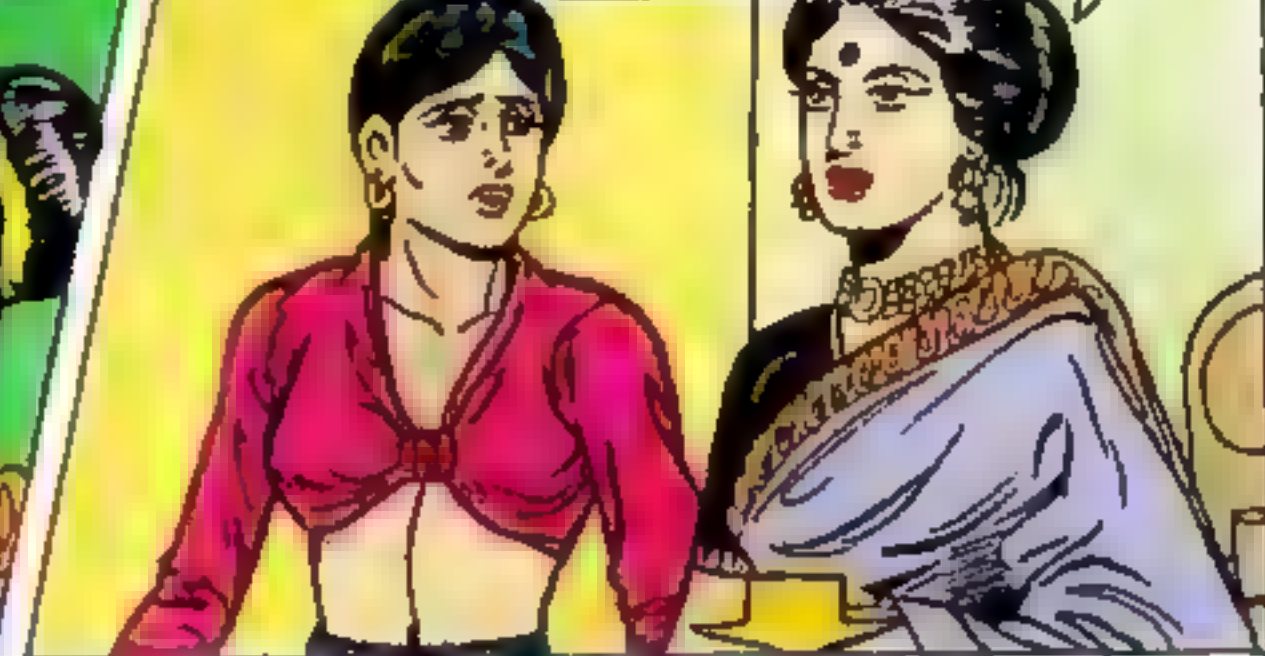
और वहां से बहुत दूर- जिसके लिए जाल बना जा रहा था, वह खुद अपनी अतीत की परछाइयों में घिरा हुआ था-

इधर एक कुटिल योजना के तानों-बानों की बड़ी चतुराई से बुना जा रहा था-

क्या बात है मम्मी? भइया आज इतना चुपचुप और उदास क्यों है? आज तो मेरी उसकी छेड़ने की हिम्मत भी नहीं पड़ रही है। ऐसा क्या हो गया आज?

आज का दिन तू नहीं जानती इवेता! क्योंकि आज से पहले हर साल इस समय तू स्कूल में होती थी। इसी लिए तूने ध्रुव का यह रूप कभी नहीं देखा।

आज ध्रुव के माता-पिता की बरसी है बेटा! आज के ही दिन जुपिटर सर्कस आग की लपटों में स्वाहा हो गया था। और साथ ही साथ भस्म हो गए थे ध्रुव के माता-पिता राधा और श्याम।



लेकिन आज है क्या?

ध्रुव तो अपने माता-पिता का क्रियाकर्म भी नहीं कर पाया था। क्योंकि वहां पर मरे हुएों की पहचान कर पाना असंभव था!

ओह! तो ये है भइया के दुःख का कारण!...

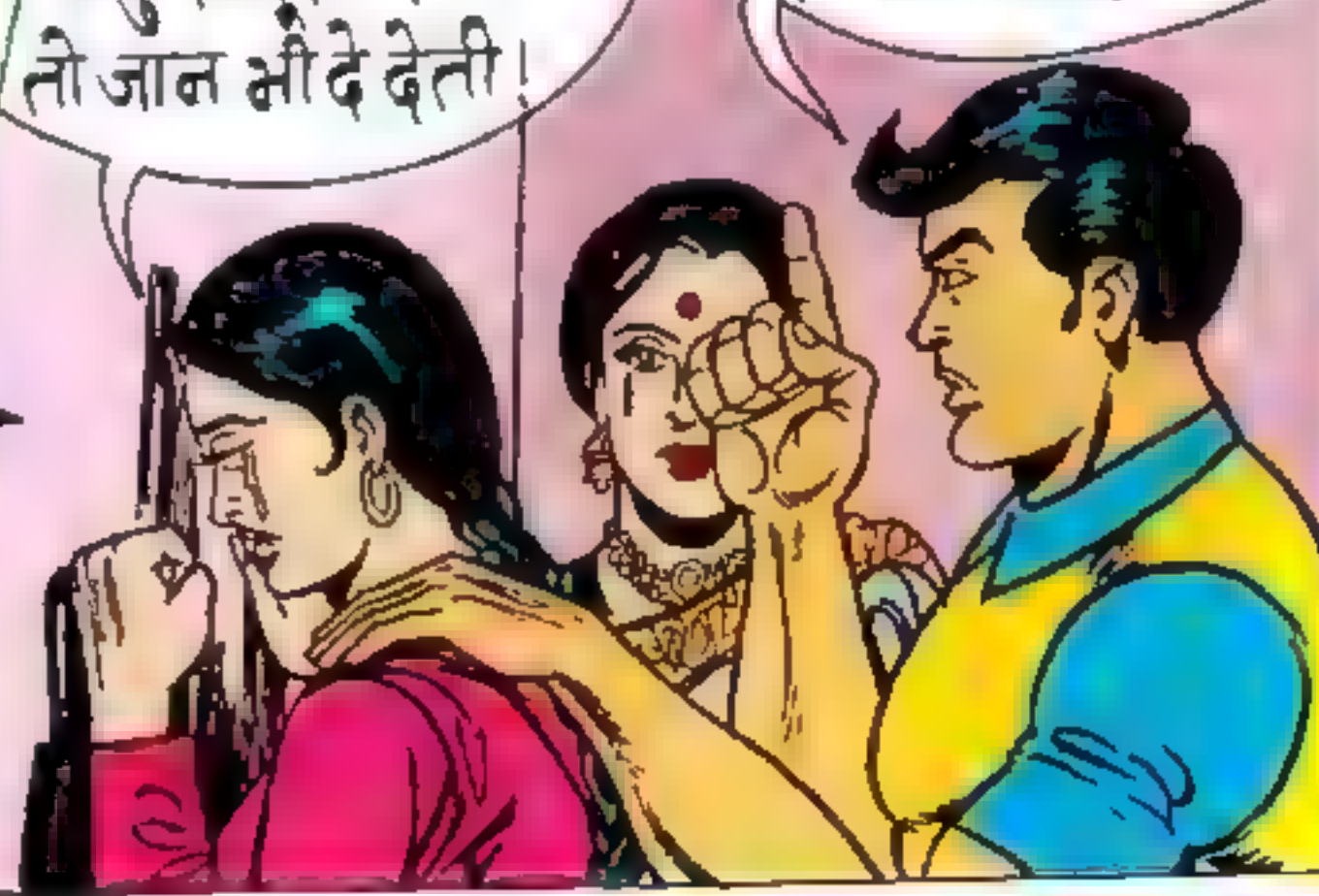
...तब तो मैं, तुम और पापा हम सब अपने काम में फेल हो गए मम्मी!...

...हमारा प्यार भइया की उसका दुःख मुला नहीं सका।



अगर मैं अपनी जान देकर भी भइया का दुःख दूर कर पाती तो जान भी दे देती!

इवेता! खबरदार जो तूने आइन्दा ऐसी बात कभी सोची भी तो!...



... भाई तो बहनों पर अपनी जान न्योछावर करते हैं। बहनों की आड़ में छुपकर अपनी जान बचाते नहीं।

तो फिर तुम ही बताओ कि मैं ऐसा क्या करूं जिससे कि तुम अपना वुरव भूल सकी। अगर तुम नहीं हंसोगी तो मैं कैसे हंस सकती हूं ?



तुम्हें कुछ करने की जरूरत नहीं पवली ! एक हाथ से मेरी ओर इस घर में जो मुझे खुशियां छीनीं, मिला है, वह तो इन्द्र की स्वर्ग में भी नहीं मिल सकता।...

... भगवान ने एक हाथ से मेरी तो दो हाथों से वापस कर दीं। पर इन यादों का क्या करूं ? जो अन्याये ही दिलो-दिमाग में घुसती चली आती है।



रुवेता तो बच्ची है, ध्रुव ! दिल का ज्यादा तुमको हमेशा यही सिरवाया है कि इस्तेमाल करती है, अपने माता-पिता को कभी मत भूलना। यही उनके प्रति तुम्हारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। पर जब भी उनकी याद करो तो गर्व के साथ उदास होकर नहीं।



... और बेटे होते ही हैं परेशान करने के लिए ! बोलो, सुबह से सबको परेशान क्यों कर रहे हो ?

आऊफ ! अच्छा बाबा, आज तू भी मुझको पीट लेना, पर बाद में। अभी किसी का फोन आ रहा है...

हां ! मम्मियां तो होती ही हैं माफी देने के लिए ...

इस घंटी से ध्रुव की जिन्दगी में एक तूफान सा उठने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी-

हेलो! ध्रुव हियर!

यह तो समझाने वाली बात है, जो फोन पर समझानी जरा मुश्किल है... फिलहाल तो मैं है, जो फोन पर समझानी पेरिस से आया हूँ। काफी रोज बीन के बाद तुम्हारा पता ढूँढा है।...

ओहो! ध्रुव! मुझे तुमसे ही बात करनी थी। और चांस की बात देखो फोन तुमने ही उठाया। तुम्हारी बहन, मां या पिता ने नहीं।

ओह! यानी आपको मेरे परिवार के बारे में पूरी जानकारी है। कौन हैं आप?

... मैं यहां पर तुम्हारे पिता रघुवंशी से मिलने आया था। हम दोनों पेरिस में साथ ही थे।...

... यहां आकर पता चला कि वह नहीं रहा।...

... इसीलिए तुमसे मिलकर उसकी मौत का अफसोस जाहिर करना चाहता हूँ।

आपने या तो गलत नम्बर मिलाया है और या फिर नशा किया हुआ है। क्योंकि मेरे पिता का नाम रघुवंशी नहीं था, और जहां तक मैं जानता हूँ वह भारत से बाहर कभी नहीं गए।

... और आज से पच्चीस साल पहले वह फ्रांस से फरार हो गया था!

प... पर क्यों?

तुम जो कुछ जानते हो वह तुम्हारे पैदा होने के बाद की बात है। मैं उससे पहले की बात कर रहा हूँ... तुम जिसको श्याम नाम से जानते हो उसका नाम रघुवंशी था...

तुम जो कुछ जानते हो वह तुम्हारे पैदा होने के बाद की बात है। मैं उससे पहले की बात कर रहा हूँ... तुम जिसको श्याम नाम से जानते हो उसका नाम रघुवंशी था...

सारी बातें फोन पर नहीं हो सकती बच्चे! चाहता कि तुम्हारे आकर मिलो तो आराम बाप के बारे में कोई से बातें होगी। मैं बताता और भी जाने और हूँ कि तुमको कहां आना तुम्हारा सिर शर्म से है। पर अकेले आना!... नीचा हो जाऊँ!

... क्योंकि मैं नहीं चाहता कि तुम्हारे आकर मिलो तो आराम बाप के बारे में कोई से बातें होगी। मैं बताता और भी जाने और हूँ कि तुमको कहां आना तुम्हारा सिर शर्म से है। पर अकेले आना!... नीचा हो जाऊँ!

अब सुनो कि तुमकी कब और कहाँ पर आना है।

इधर शिकारी शिकार करने के लिए तैयार हो रहा था...

...और पास में ही शिकारी का शिकार करने की तैयारी हो रही थी-

शाबाश काका! हम सही समय पर राजनगर पहुंच भी गए और तेरी इन षड्यंत्रकारियों को दूढ़ने की मेहनत भी सफल हो गई।

लेकिन अब मामला जरा टेढ़ा हो रहा है।...

... यह गांजा जो फोन कर रहा है जरूर लूका ही होगा। क्योंकि बाकी दोनों को हम ल्यून में देख ही चुके हैं...

...और यह फोन भी ध्रुव को ही कर रहा है। क्योंकि यहां पर यह किसको फोन करेगा? मेरी छठी इन्द्रिय कह रही है कि हमकी किंग की जरूरत पड़ सकती है...

... तुम इन पर नजर रखो। मैं किंग को लेकर आता हूँ।

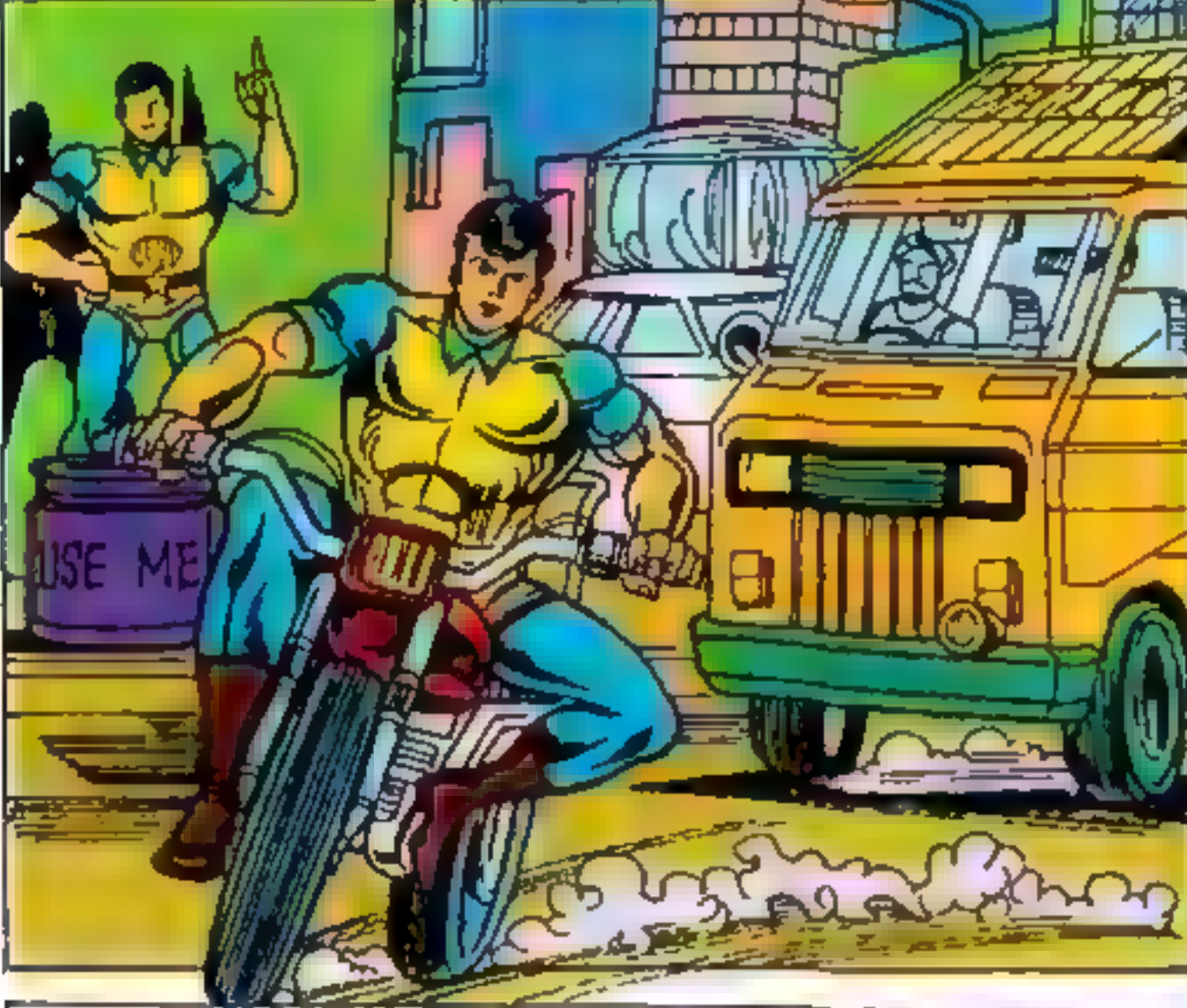
उधर- ध्रुव के दिमाग में विचारों की आंधियां चल रही थीं-

क्या हुआ ध्रुव? किसका फोन था? कौन था जो तुम्हारे पिता का नाम रघुवंशी बता रहा था?

यह तो मुझे भी पता करना है मम्मी! मुझे आभास हो रहा है कि मुझे बदनाम करने के लिए षड्यंत्र रचाया जा रहा है...

... लेकिन मैं कुछ होने से पहले ही इनको बेनकाब कर दूंगा।

ध्रुव के लिस अवला स्टॉप था
कमांडो फोर्स का हेडक्वार्टर-



बेलकम कैप्टेन! भई मान
बास! तुममें तो है ही, आज
पता चला कि तुम्हारे पुतले
में भी काफी दम है!

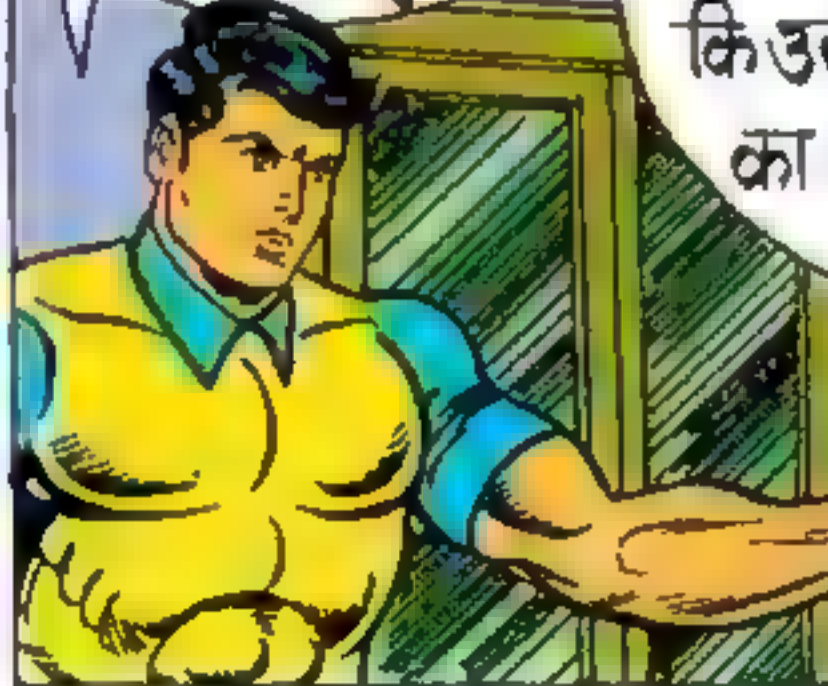
धानी?



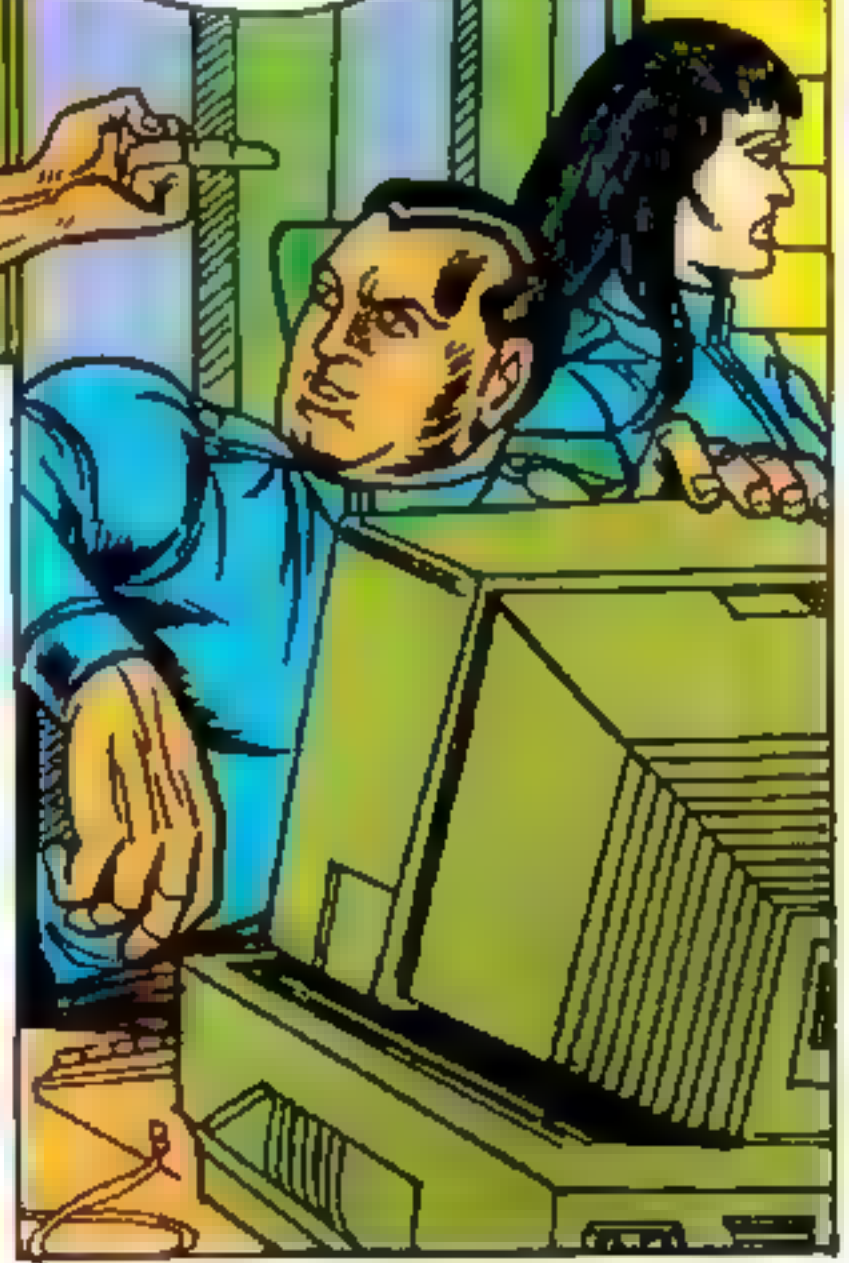
सारे शहर में तुम्हारे आदमकद
कट आऊट लगे हुए हैं। मगर...
चूचू, कूड़ों के डिब्बों के साथ।
पर बान्दवी न फैलाने की तुम्हारी
अपील को राजनगर वालों ने काफी
सीरियसली लिया है। चाहे कितनी
दूर चलना पड़े, पर सभी लोग कूड़ा
डिब्बे में ही डाल रहे हैं...



चलो! कम से कम राज... अच्छा करीम!
नगर वालों ने मेरी इतनी तुम्हारे लिस रुक काम
इज्जत तो रख ली है, जरा अपने 'क्रिमिनल
रेणु!... रिकार्ड' में चेक करना
कि उसमें रघुवंशी नाम से कम पंद्रह
का कोई अपराधी है या नहीं!...



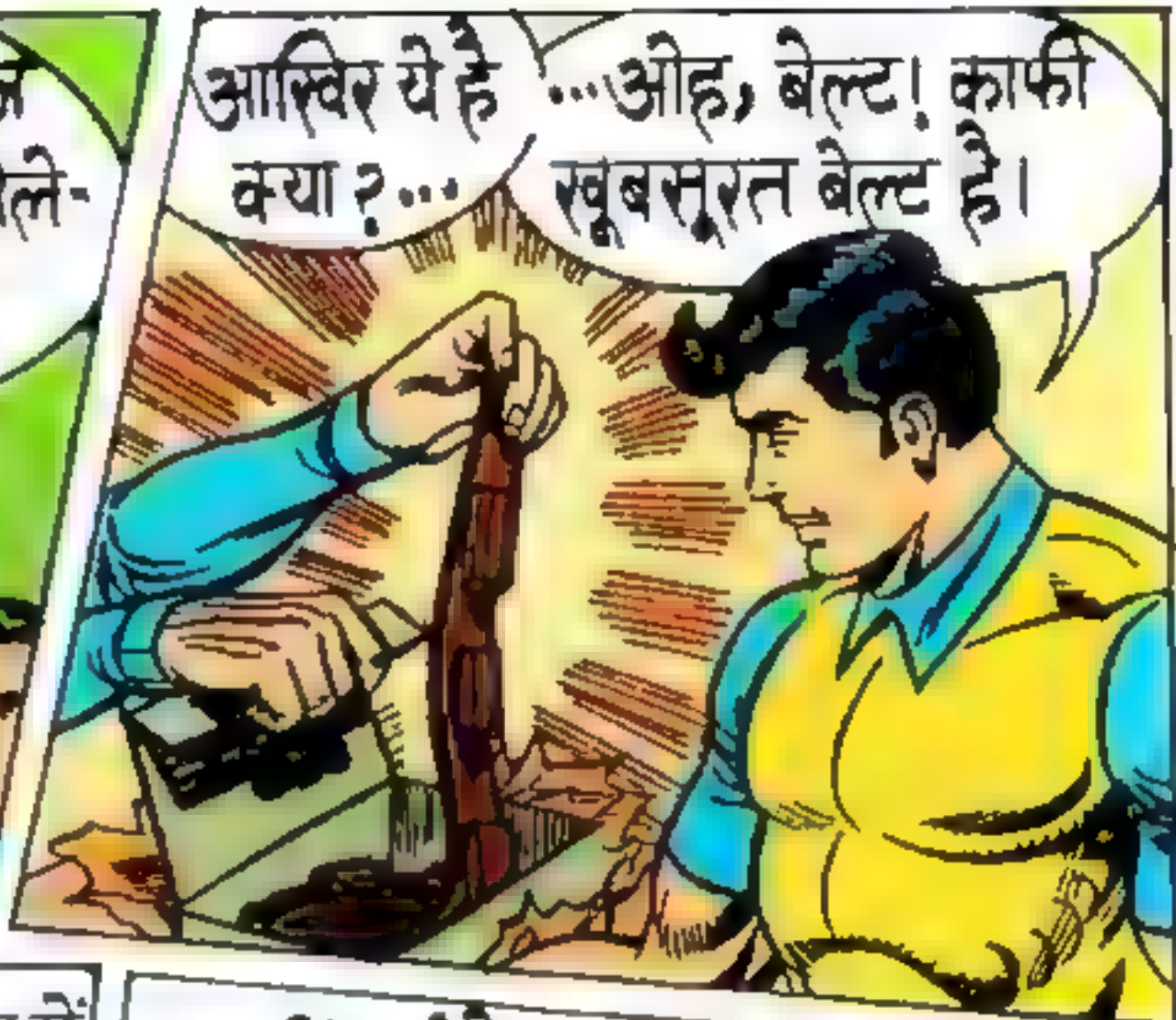
और अगर अपने रिकार्ड में
न मिले तो अंतर्राष्ट्रीय-
अपराधियों की फाइल चेक
करना।





पीटर, तुम यह क्या ले आस ?

तुम्हारे लिए एक 'सरप्राइज गिफ्ट' है। कमांडो फोर्स के मिले-जुले प्रयासों का नतीजा !



आखिर ये है क्या ?...

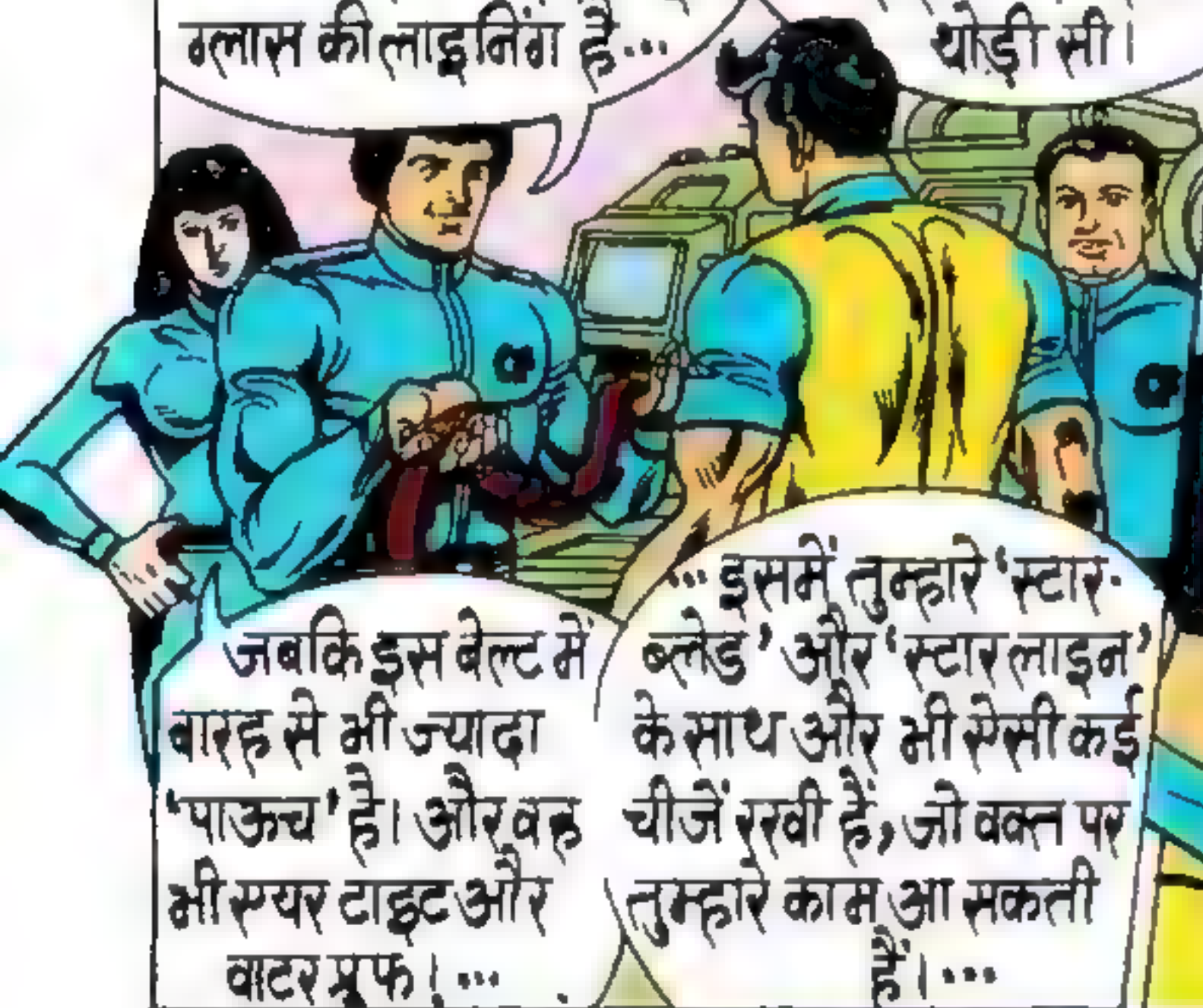
...ओह, बेल्ट ! काफी खूबसूरत बेल्ट है।

सिर्फ खूबसूरत ही नहीं, काफी काम की भी है यह बेल्ट ! इसकी चमड़ों की तह के बीच में लचकदार फाइबर ग्लास की लाइनिंग है...

... तुम्हारी पुरानी बेल्ट में सिर्फ 'स्टारब्लेड' और 'स्टारलाइन' रस्वने की जगह है। और वह भी थोड़ी सी।

... इसमें 'नर्व-केप्सूलों' के साथ-साथ डॉर्ट 'सिबनल फ्लेयर' फ्लैश बम और कुछ जीवनदायी दवाइयां भी हैं। यहां तक कि इसमें 'फर्स्ट-रिड' का सामान भी है।

बंडरफूल ! तुम लोगों की इस 'गिफ्ट' ने मेरी ताकत और उत्साह को सौ गुना बढ़ा दिया है...



जबकि इस बेल्ट में बारह से भी ज्यादा 'पाऊच' है। और वह भी स्पर टाइट और वाटर प्रूफ !...

... इसमें तुम्हारे 'स्टार-ब्लेड' और 'स्टारलाइन' के साथ और भी ऐसी कई चीजें रखी हैं, जो वक्त पर तुम्हारे काम आ सकती हैं।...

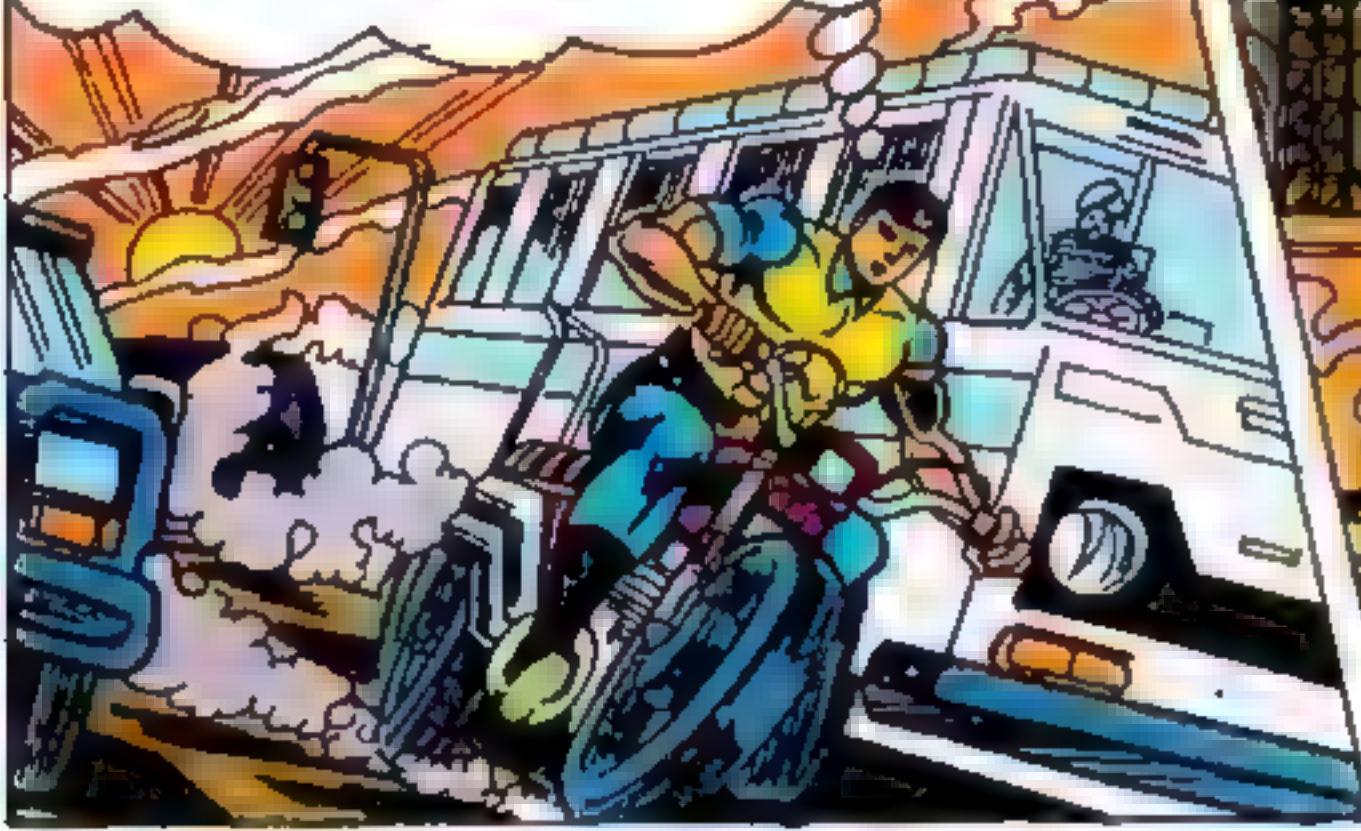


... और मुझे आभास हो रहा है कि यह बेल्ट जल्दी ही मेरे काम आने वाली है।

अब समय नहीं है। मुझे जल्दी से जल्दी वहां पहुंचना होगा।

जहां पर उस रहस्यमय फोन करने वाले ने मुझे बुलाया था। राजनगर के नवीनतम दूरिस्ट आकर्षण 'आर्टिफिशियल वॉटर फॉल' पर। बुलाने वाले ने ऐसी जगह क्यों चुनी है? ...

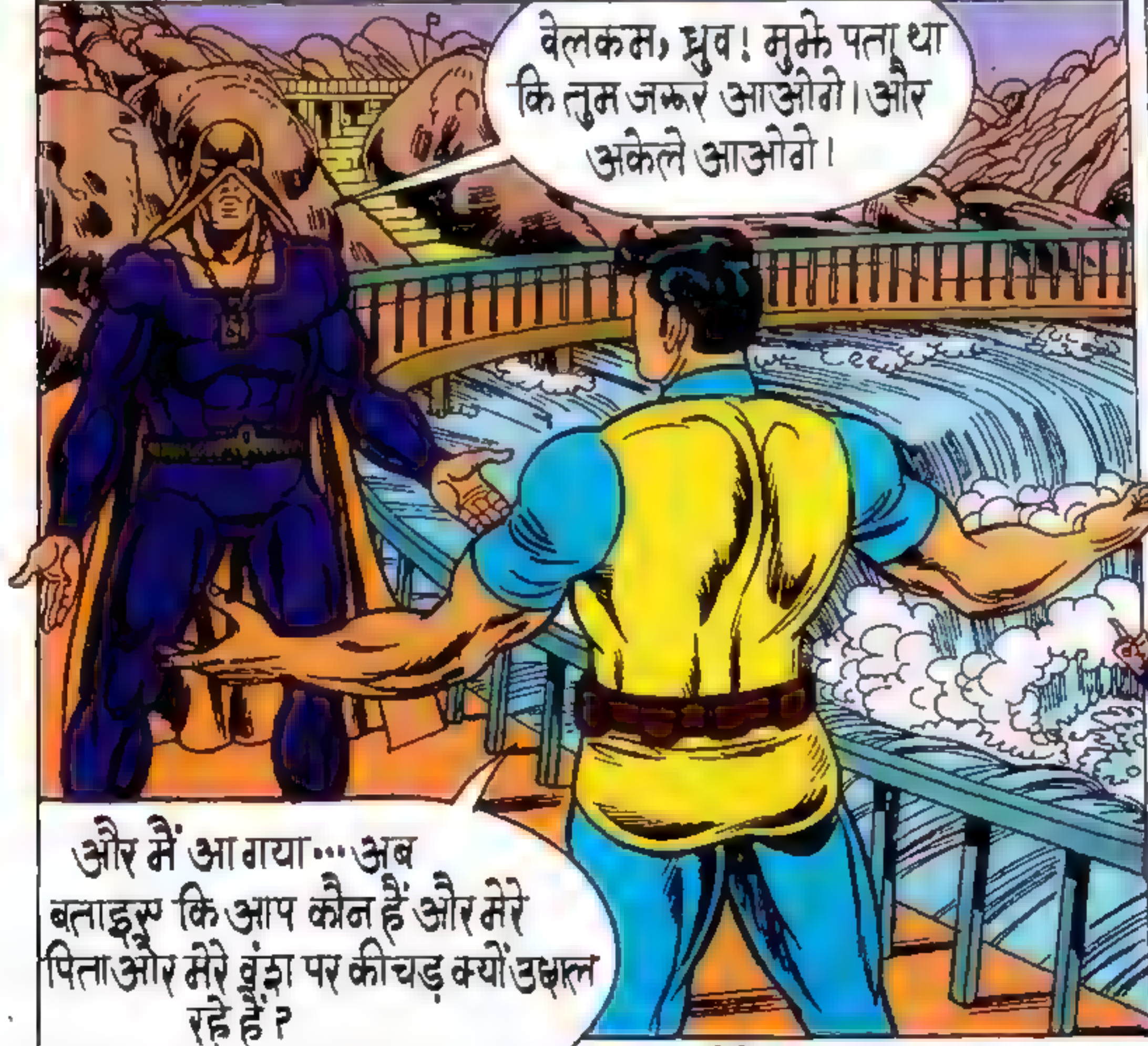
... इस वक्त तो यह जगह एकदम सुनसान होगी। क्योंकि भी है मुझसे एकदम शाम पांच बजे के बाद इस 'वॉटर फॉल' की दर्शकों के लिए चाहता है। पता नहीं मेरी बन्द कर दिया जाता है।... मलाई के लिए या मेरी बुराई के लिए।



वेलकम, ध्रुव! मुझे पता था कि तुम जरूर आओगे। और अकेले आओगे।

तुम्हारे वंश पर कीचड़ उछालना तो अपने-आप पर कीचड़ उछालने जैसा है। पर क्या करूं। सचचाई तो सचचाई है। और सचचाई जानना चाहते हो तो सुनो...

और मैं आ गया... अब बताइए कि आप कौन हैं और मेरे पिता और मेरे वंश पर कीचड़ क्यों उछाल रहे हैं?



लेकिन कोई यह नहीं चाहता था कि ध्रुव कोई भी बात सुने-

लूका, नकाब पहनकर ध्रुव की बातों में उलझा रहा है ताकि उस पर पीछे से वार किया जा सके।

और अबाले ही पल-

अरे! ऊपर से ... यानी ऊपर चढ़ाने लुढ़क रही है ... कोई और भी है।

शायद वह भी जानता है कि ध्रुव पर वार कर पाना बच्चों का खेल नहीं है। ... अपना काम शुरू कर दो।

... लेकिन मैं इसके प्लान को सफल नहीं होने दूंगा। किंवा

मतलब धीरवा! ध्रुव किसी और को साथ लेकर आया है। इसकी शायद हमारे इरादों का आभास हो गया था। ...

... बुल्स आर्ड! आजाओ!

ओह! यानी इतनी मेहनत मुझे मारने के लिए की गई थी? लेकिन मुझे मार पाना तुम जैसों के बस की बात नहीं है, मिस्टर नकाबपोश!

लेकिन ऊपर से पत्थर कौन लुढ़का रहा है। मेरे साथ तो कोई भी नहीं आया।

यह 'बुल्स आर्ड' है ध्रुव! ... इसकी एक मामूली भाड़े का हत्यारा नहीं आंख की जगह है। इसमें एक पूरी बटालियन 'इन्फ्रा रेड' से मुकाबला कर सकने की शक्ति है। ...

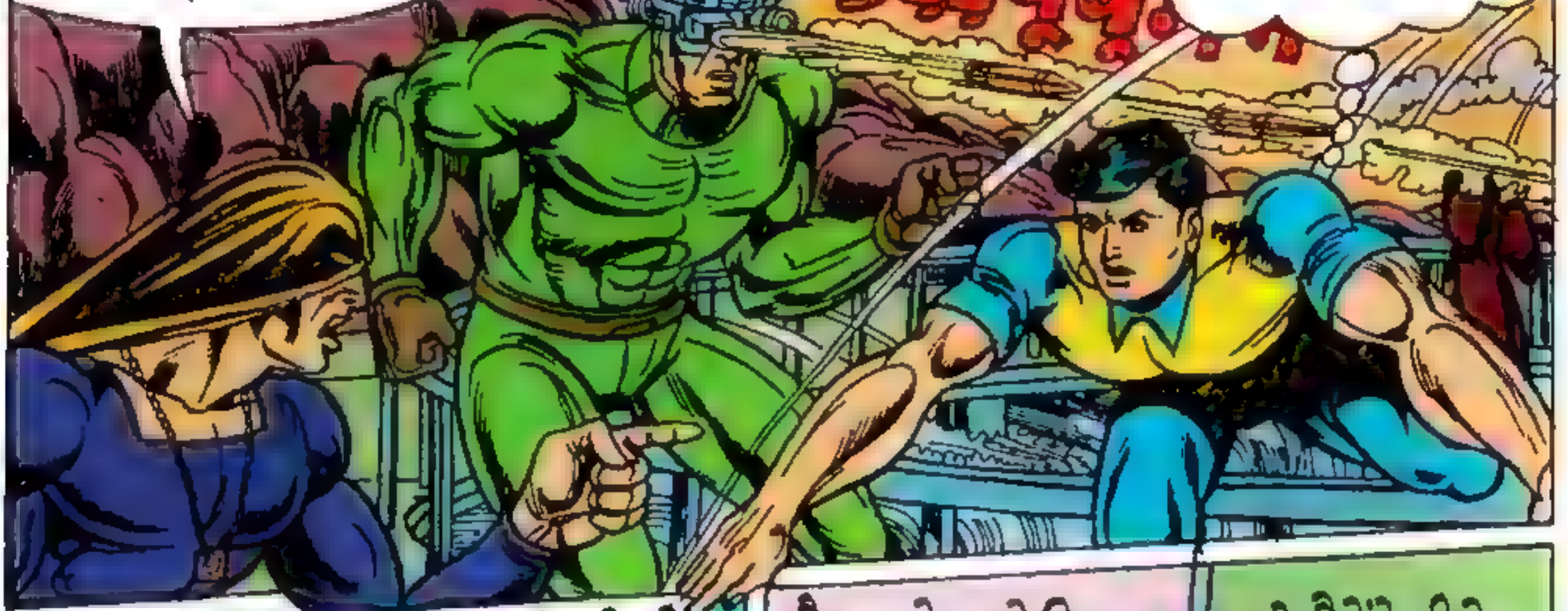
टेलिस्कोप फिट है। और दूसरी आंख की जगह मिनी रायफल।

और एक 'टेलिस्कोपिक आर्ड' इसके पीछे भी लगी है। ताकि यह एक ही समय में हर तरफ नजर रख सके ...

और इतना तो तुम भी समझते ही होगे कि हाथ का निशाना तो एक बार चूक सकता है...

... पर आंख का निशाना कभी नहीं चूकता!

हे भगवान! यह तो सचमुच बहुत खतरनाक हथियार से लैस है...

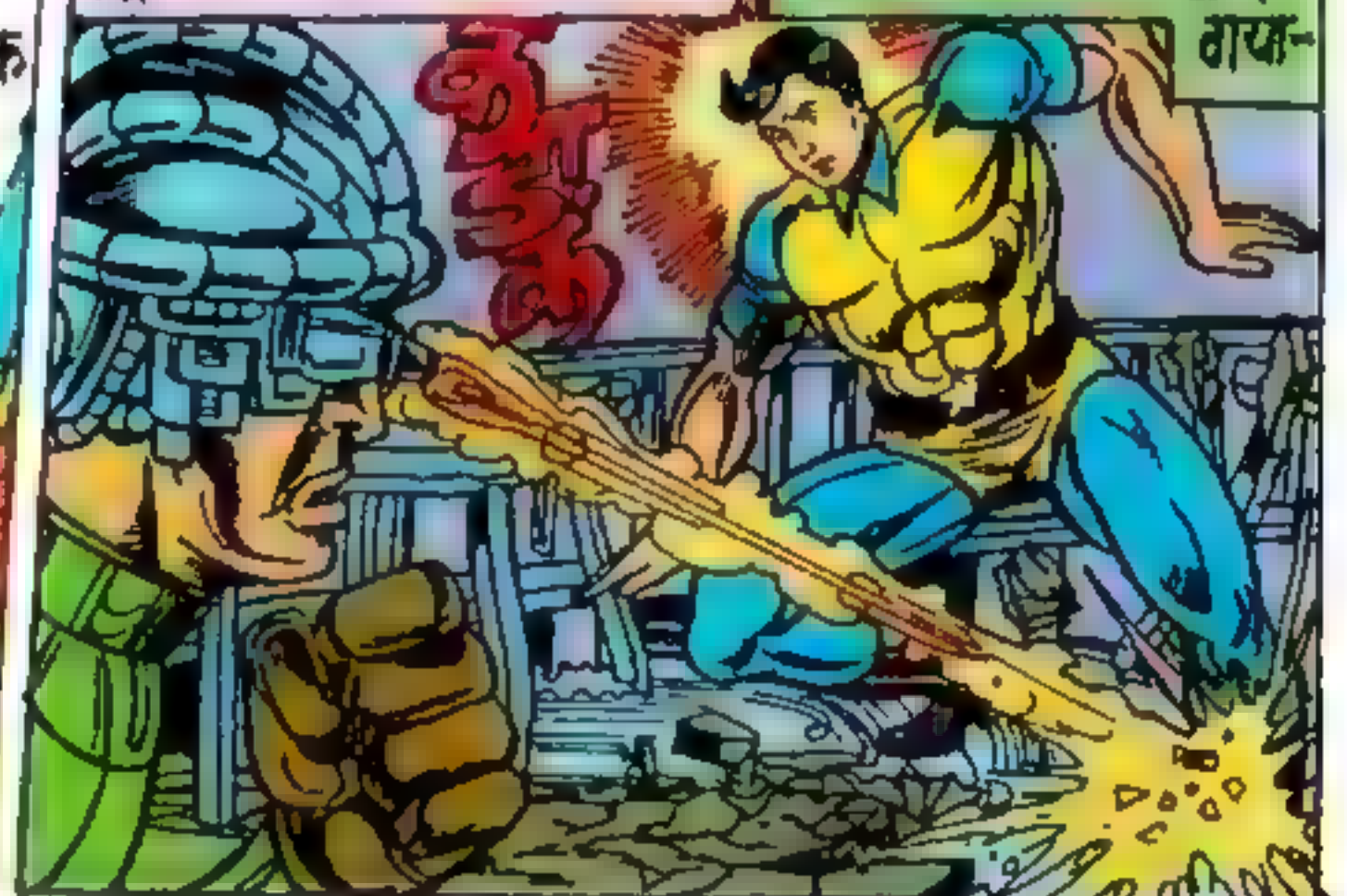


मेरा आदेश याद रखना बुल! निशाना इस पर नहीं, इसके आस-पास लगाओ। इसकी जलप्रपात में धकेलने की कोशिश करो!...

... हमारी स्कीम के लिए यह बहुत जरूरी है कि इसकी मौत एक हादसा लगे, हत्या नहीं।

और इससे पहले कि ध्रुव लूकर की चाल को भांप पाता-

उसके पैरों के नीचे का प्लेटफार्म चकनाचूर हो गया-



लेकिन गिरते ही ध्रुव के दिमाग ने काम करना शुरू कर दिया था-

स्टारलाइन बेल्ट से निकलकर उसके हाथ में आ चुकी थी-

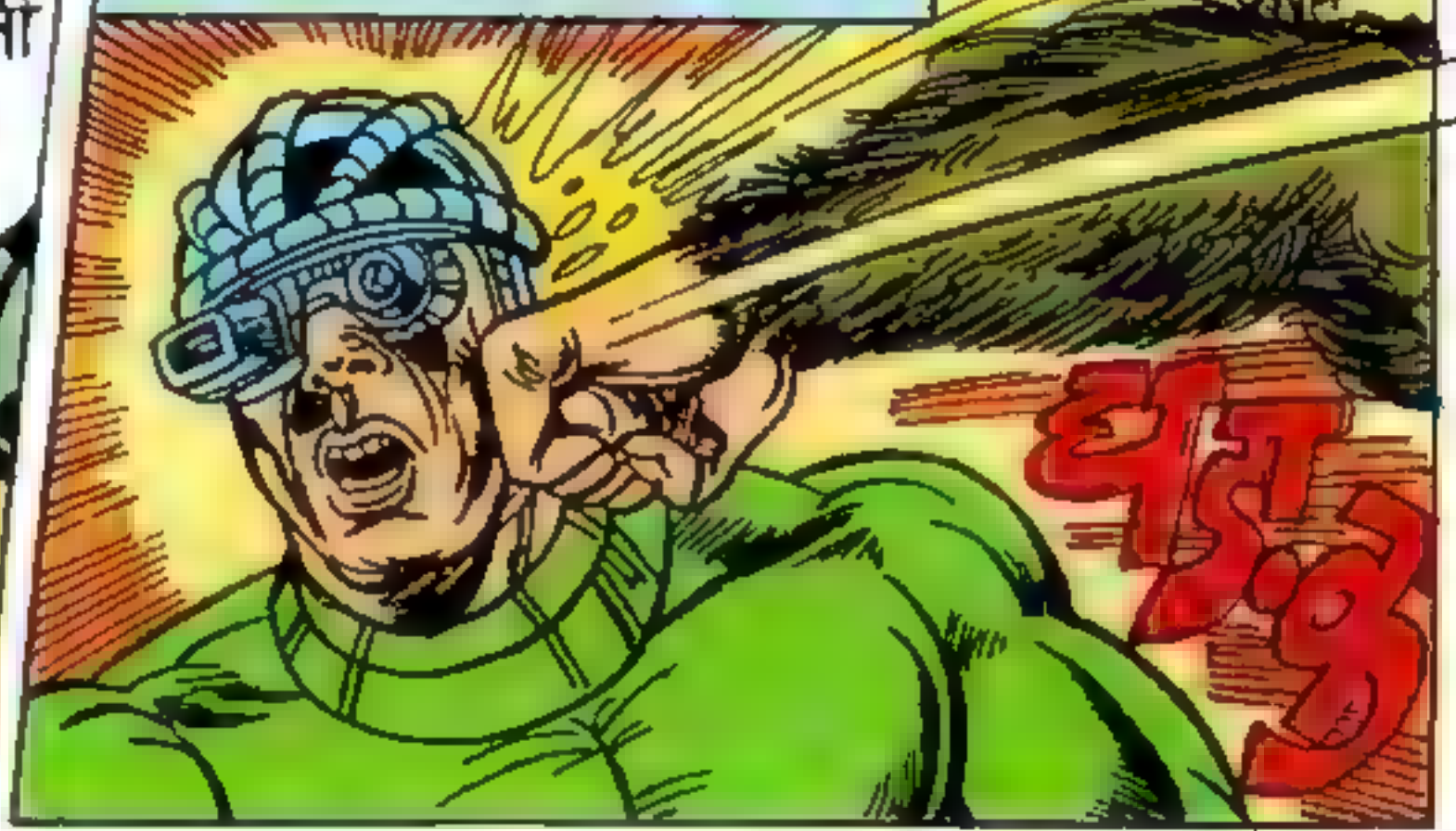
और एक जोरदार कटके से 'स्टारलाइन' चट्टानों की तरफ उड़ल गई-



अगले ही पल ध्रुव का नीचे गिरता हुआ बदन हवा में ही रुक गया-

कमाल का लड़का है। सामने दिव्यती मौत की भी टाल दिया।

उसके होशो-हवास गुम हो गए-



धड़क

और साथ ही साथ लूका के भी-

य... यह गुरिल्ला कहां से आ गया?...

...क... क्या ध्रुव इसी को लेकर आया था?

लेकिन सिर्फ कुछ पलों के लिए। मेरी अगली गोली इस रस्सी के ही चिथड़े उड़ा देगी।



लेकिन इससे पहले कि 'बुलस आई' अपनी 'आंख दबा पाता-

नहीं लूका! इसको मैं लेकर आया हूं। तुम्हारा खेल खत्म करने के लिए।



लूका? तुम मुझे कैसे जानते हो? ओह! याद आया। मैंने तो तुमको फ़ौस में देखा था...

... अपनी स्फ़टेट के आस-पास चक्कर काटते हुए।

तुम यहां तक भी पहुंच
गए ? यानी तुम मेरा पीछा
कर रहे हो ! पर क्यों ? मेरी
तुमसे क्या दुश्मनी है ? मैं
तो तुम्हें जानता तक नहीं !

लेकिन तुम ध्रुव को नुकसान
पहुंचाना तो चाहते हो न ?
तुम ध्रुव को खत्म करने का
इरादा छोड़ दो, मैं तुम्हारा
पीछा करना छोड़ दूंगा लूका !

ओह ! यानी तुम हमारे बारे में
काफी कुछ जानते हो ! और यह
हमारे लिए काफी खतरनाक हो
सकता है ! और अगर तुम समझते
हो कि यह गुरिल्ला मुझे रोक सकता
है तो यह तुम्हारी भूल है ! देरवो !
यह कैप्सूल !

इसमें भरा ' हाई पावर स्टेरायड '
मुझे तुरन्त ' सुपर पावर ' दे सकता है !
और तब मेरी शक्ति इस गुरिल्ला
के बराबर ही हो जायेगी !

तब तो मुझे भी इस
लड़ाई में कूदना...

टांर...टांर...(जैकी,
ध्रुव लगभग ऊपर तक
आ चुका है !)

ओह ! तब तो यहां रुकना
ठीक नहीं है ! अभी मैं उसके
सामने आना नहीं चाहता...

... क्योंकि अगर मैं उसके
सामने पड़ गया तो मुझे
अपना रहस्य खोलना
पड़ सकता है ! और यह
मैं बिल्कुल नहीं चाहता !

ध्रुव के ऊपर पहुंचने तक
'जैकी' चट्टानों में
गायब हो चुका था-

य... यह क्या? यह गुरिल्ला
कहां से आ गया? खैर, जो
भी हो। यह मेरी मदद ही कर
रहा है!

लेकिन वह 'बुल्सआई'
कहां चला गया?

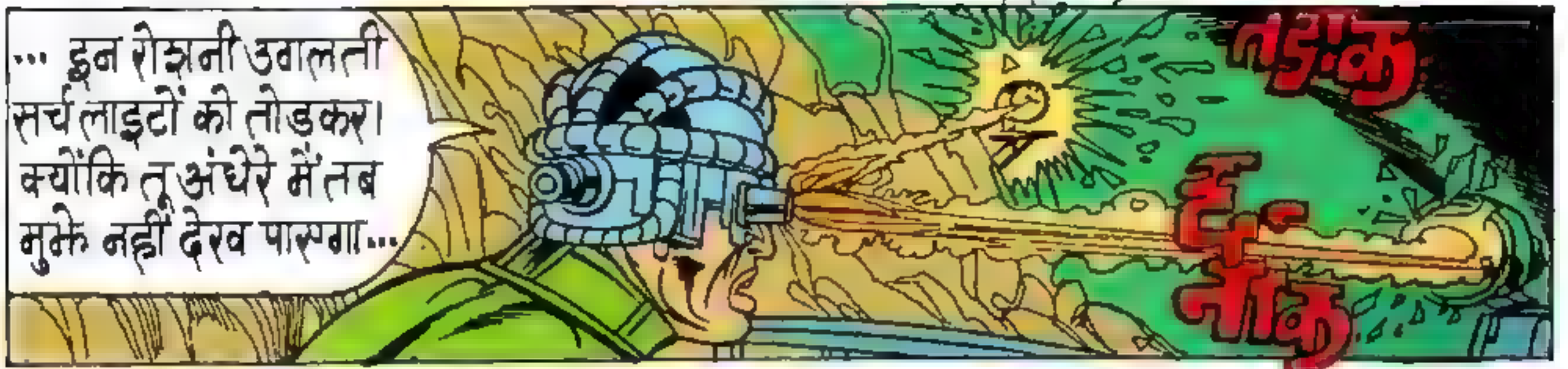
मैं इधर हूं बच्चे! इस गुरिल्ले ने मुझ
पर अचानक हमला करके मुझे कुछ देर
के लिए बेहोश कर दिया था। लेकिन
अब मैं तुम्हें परलोक पहुंचाने के लिए
होश में आ गया हूं।

ओह! इस गुरिल्ले की नकाबपोश
के बजाए इस 'बुल्सआई' पर
हमला करना चाहिए था। क्योंकि यह
ज्यादा रवतरेनाक है।...

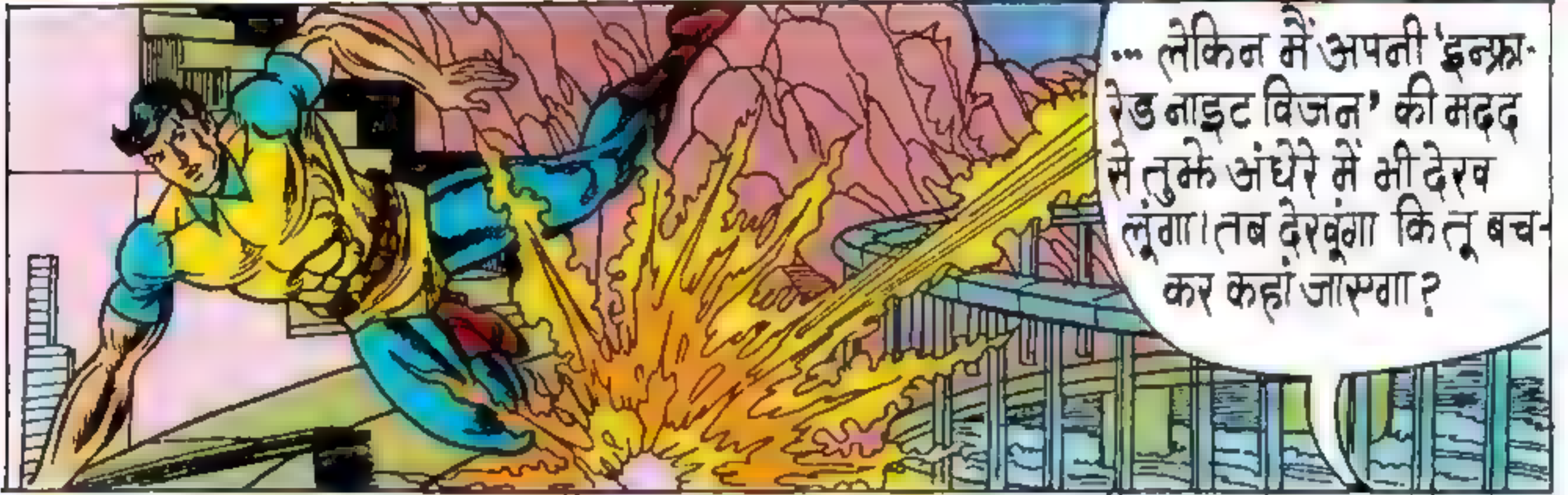
... खैर! अब मुझे ही इस पर काबू
पाने का कोई तरीका सोचना होगा!

ओह! तू उछल-उछलकर
मेरी कीमती गोलियों को बरबाद
कर रहा है। अब मुझे परिस्थिति को
अपनी शक्तियों के अनुसार बदलना होगा...

... इन रोशनी उगालती
सर्च लाइटों की तोड़कर।
क्योंकि तू अंधेरे में तब
मुझे नहीं देख पाएगा...

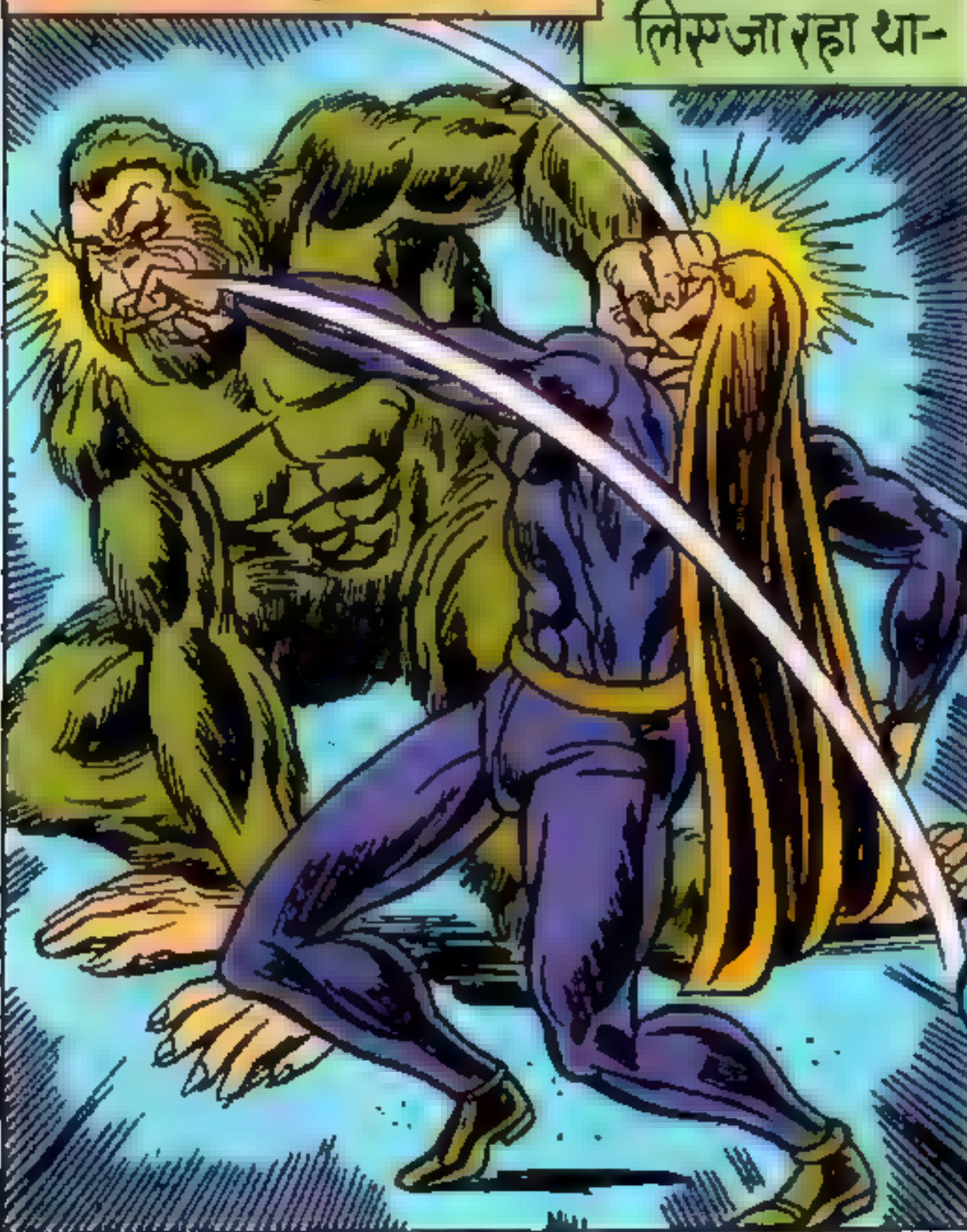


... लेकिन मैं अपनी 'इन्फ्रारेड नाइट विजन' की मदद से तुझे अंधेरे में भी देख लूंगा। तब देखूंगा कि तू बचकर कहाँ जाएगा?



इधर लूका और किंग में अंधेरे में ही घमासान युद्ध चल रहा था-

जो दोनों की ही थकान के कगार पर लिस जा रहा था-



और दूसरी तरफ ध्रुव अपनी उस जान की बचाने की कोशिश कर रहा था जो किसी भी वक्त परलोक के लिसवाना हो सकती थी-

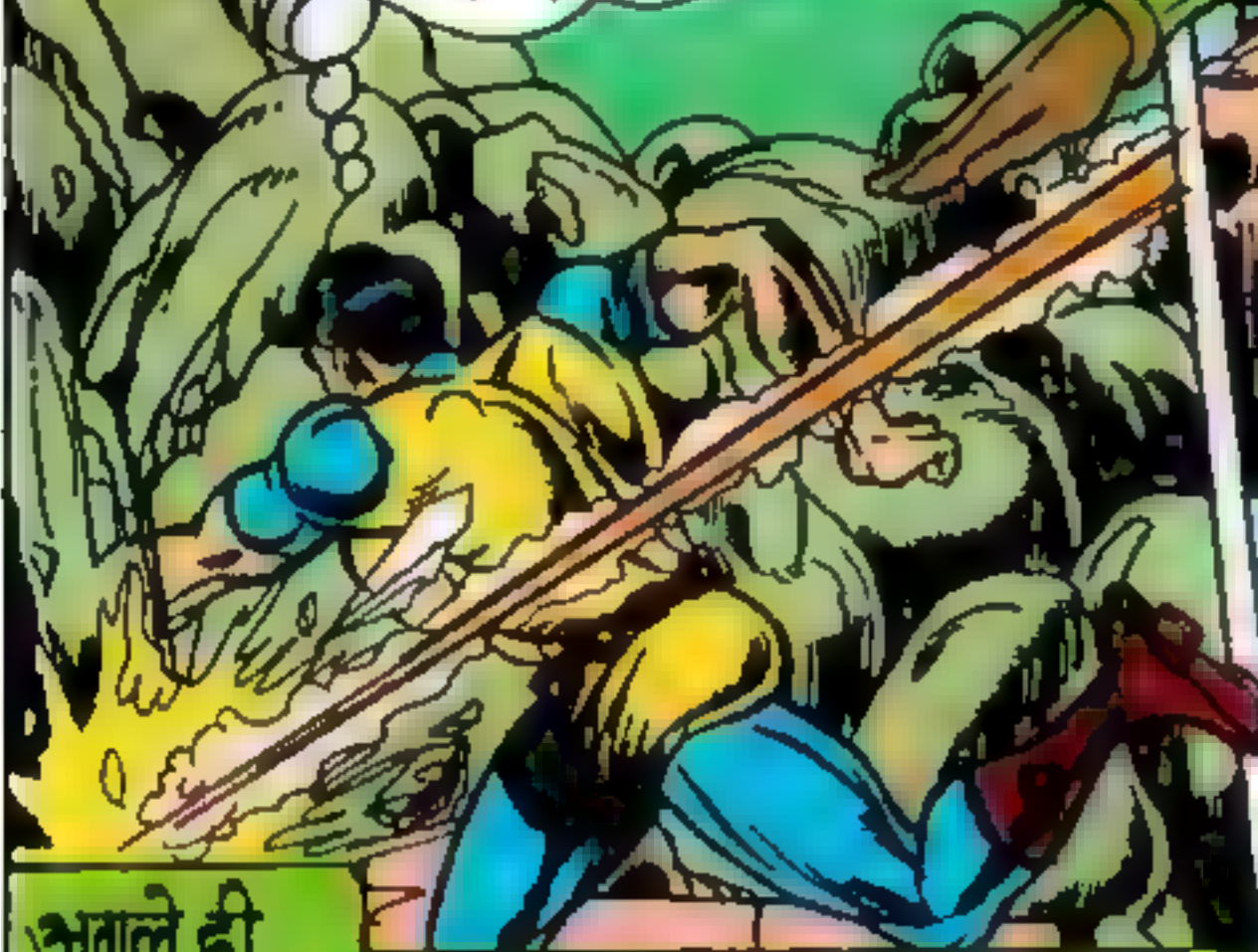


ओह! अब दिक्कत यह है कि इसकी पोजीशन मुझे अभी मालूम ही पारही है, जब यह मुझ पर बार करता है। और उस वक्त मैं बचने में व्यस्त रहता हूँ।...

... लेकिन यह मुझकी 'नाइट विजन'
की मदद से लगातार देख सकता है। मुझे
इसका ध्यान बंटाना होगा... ताकि मुझे
इस पर बार करने का मौका मिल सके!...
... और इसका ध्यान बंटाने का रस्क
इयोर झॉट आइडिया मेरे दिमाग में आ
रहा है...

... अंधेरे में गायब
हो गया-

अरे! कहाँ गया
वह लड़का? भाग
गया क्या? पर मुझे
तो बताया गया था
कि ध्रुव कभी पीठ
दिरवाकर नहीं
भागता... नहीं...
वह भागा नहीं है।
वह यहीं कहीं
छिपा है।



अगले ही
पल- ध्रुव का शरीर रस्क तरफ लपककर...

'बुल्स आई' की नाइट विजन अगले रस्क
मिनट तक ध्रुव को अंधेरे में तलाश करती रही-

और उसका जुटे रहना
आखिरकार सफल हो ही
गया-



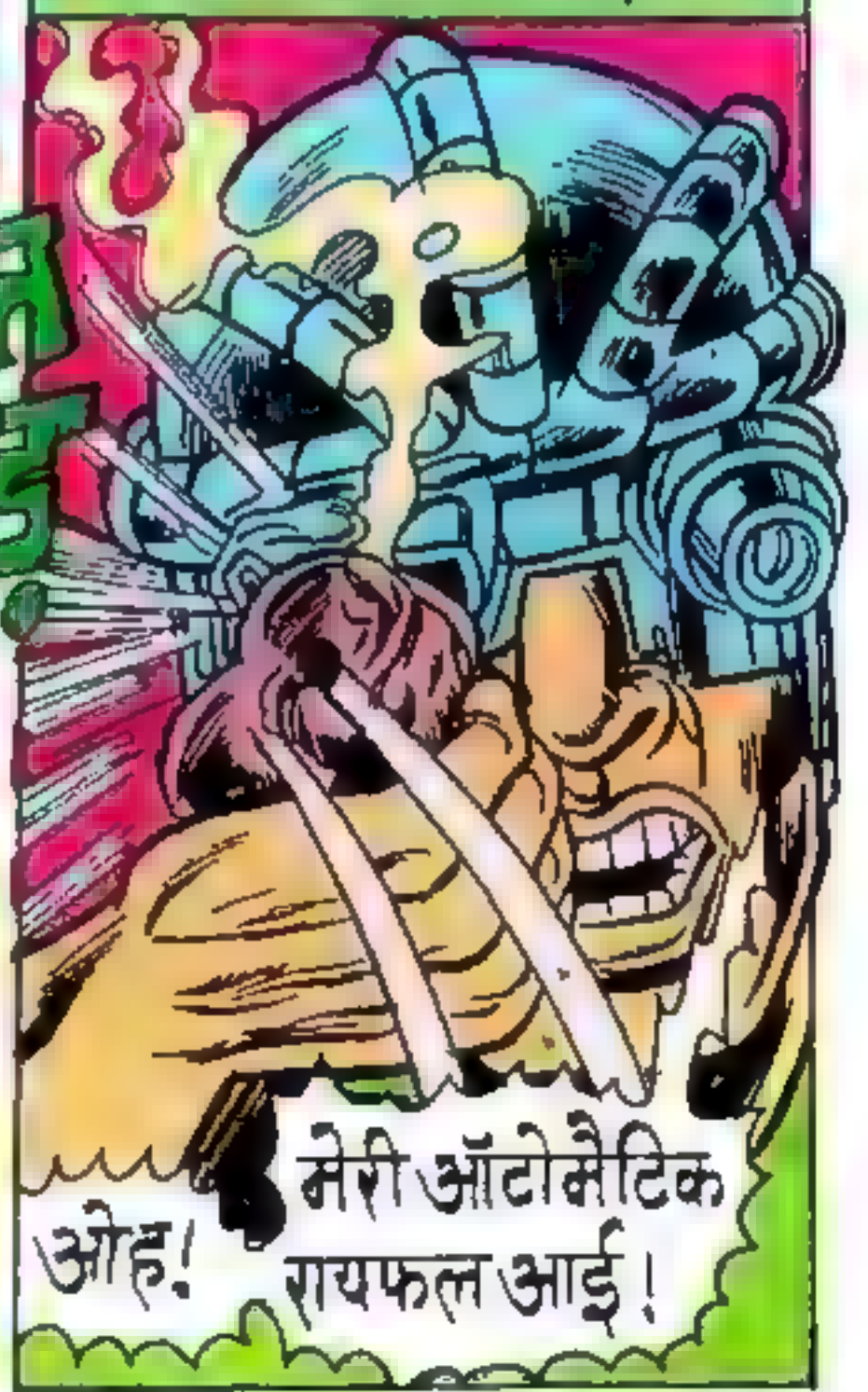
मैं इधर हं,
'सांड की आंख'।

वो
रहा!

अगले ही पल रस्क
गोली ने ध्रुव के
'शरीर' के चिथड़े
उड़ा दिए-

अब इसकी
मौत हादसा लगे
या न लगे, मैं तो
इसे मार ही दूंगा

और उससे अगले पल में-
'बुल्स आई' की रस्क 'आंख'
पत्थर की बलि चढ़ गई-



ओह! मेरी ऑटोमैटिक
रायफल आई!

किसने की मुझ पर
वार करने की जुरत?
...तुम? ध्रुव!...
पर मैंने तो अभी-
अभी...

मेरे आदमकद 'कटआऊट'
को तोड़ा है, जो तुमको सिर्फ
एक आंख से देखने की वजह
से दो आयामी के बजाय तीन
आयामी लग रहा था।... और जिसे
मैं अभी-अभी नीचे से उठाकर
लाया था।

तो तू समझ रहा है कि... लेकिन ये तेरी
तुने मेरी रायफल आई भूल है। क्योंकि मेरी
को तोड़कर मुझे बेबस 'टेलिस्कोपिक आई'
कर दिया है?... अंधेरे में देखने के
साथ-साथ तीव्र विकिरण
भी छोड़ सकती है।...

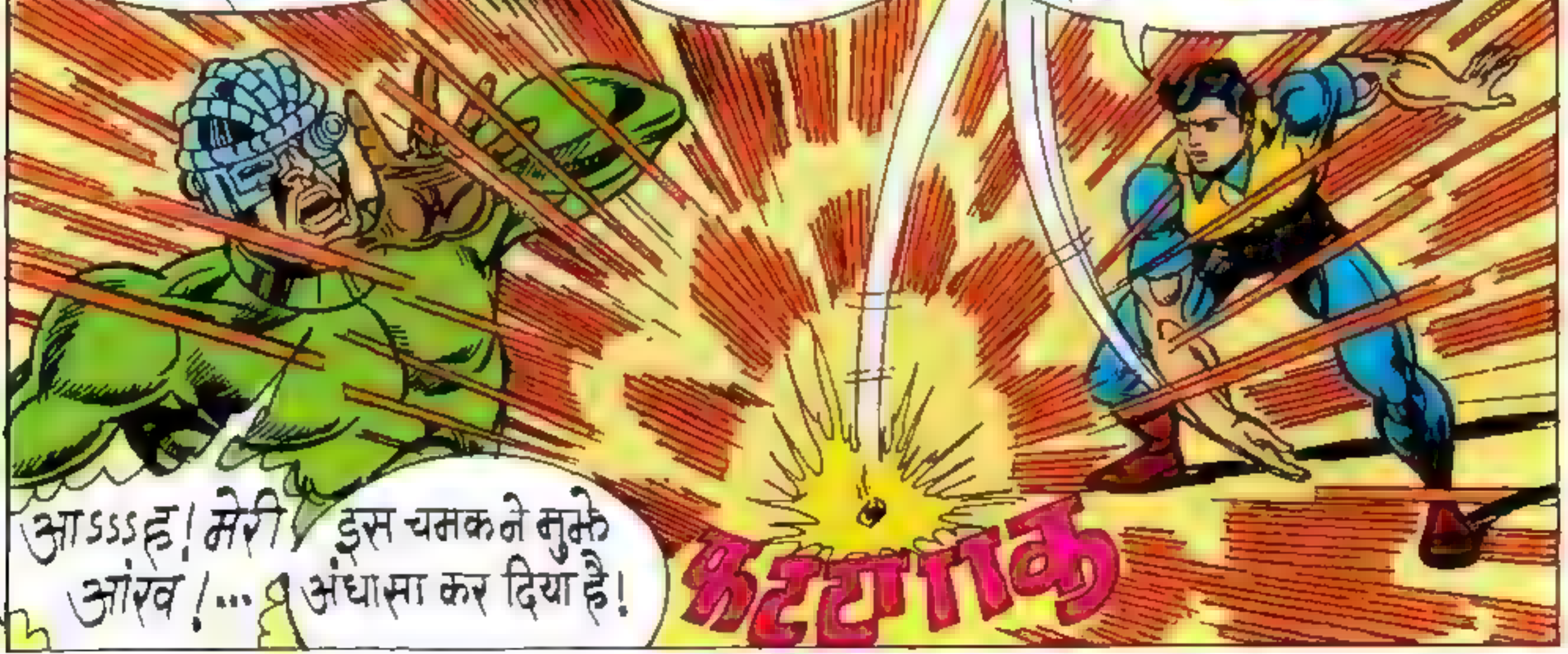


...और यह विकिरण तुम्हें तीस
सेकंड के अंदर-अंदर मार सकता है।

मैं जानता हूं कि तुम अभी आधे
बेबस हूँ। इसीलिए मेरा तुमको
अब पूर्ण बेबस करने का इरादा
है।...

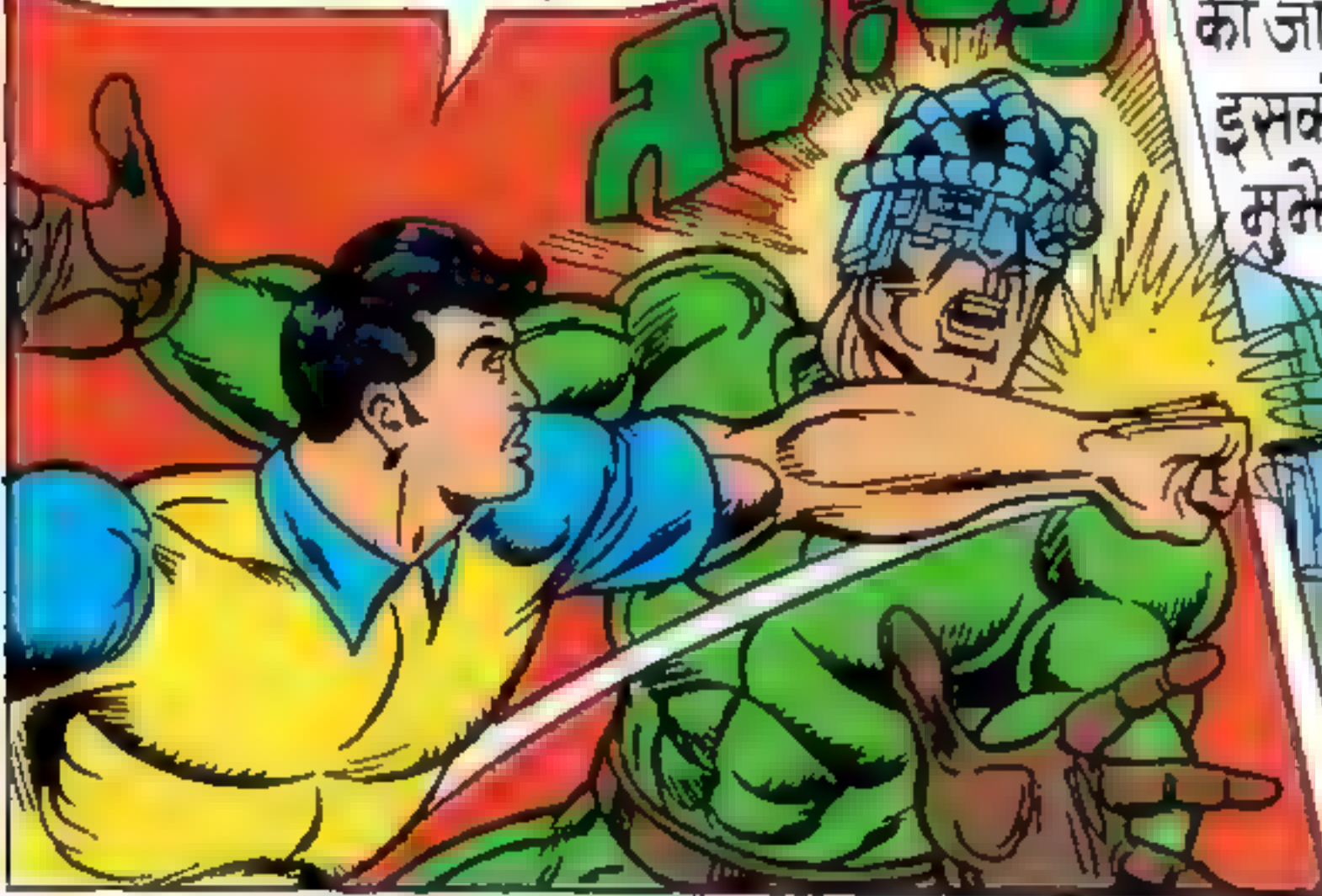
... अब जिस 'नाइट विजन'
को तुम अपनी ताकत समझ
रहे हो वही तुम्हारी दुश्मन
बन जाएगी!...

... क्योंकि जब ये 'फ्लैश बम'
फटेगा तो हल्की रोशनी में देख
रही तुम्हारी आंख पर सामान्य से
कई गुना ज्यादा असर करेगा।



आह! मेरी इस चमकने मुझे
आंख!... अंधासा कर दिया है!

और अब मैं तुमको अंधे के साथ-साथ बेहोश भी कर दूंगा।...



... अब इसको अपने साथ ले जाकर आराम से पूछताछ की जा सकती है... लेकिन इसको ले जाने के लिए मुझे मदद चाहिए।...

... मुझे 'सिबनल-फ्लेयर' की मदद लेनी होगी। क्योंकि मेरी इस नई बेल्ट में ट्रांसमीटर फिट नहीं हुआ है।



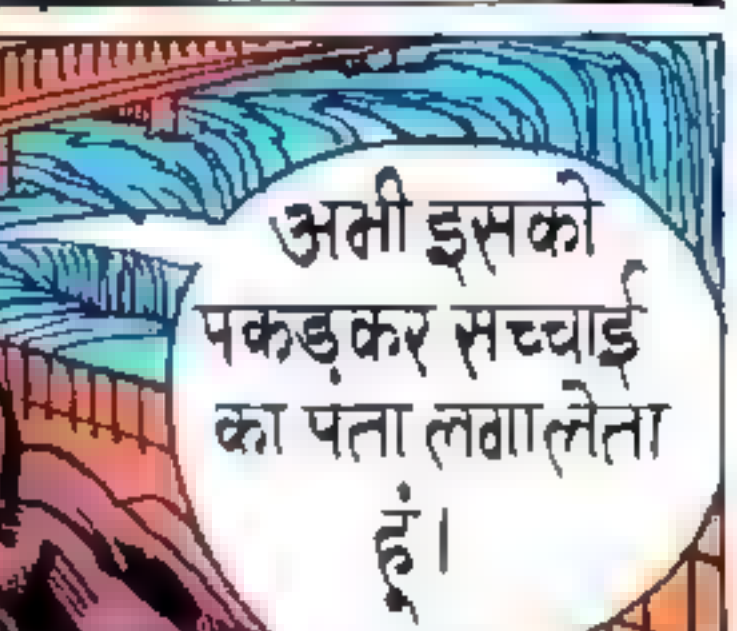
इसकी देरवकर कोई न कोई तो यहाँ तक पहुंच ही जाएगा!



'सिबनल-फ्लेयर' ने अंधे को फिर से रोशनी से भर दिया- और ध्रुव की नजर आ गया नीचे कांकता हुआ जैकी-



अरे! ऊपर कोई खड़ा हुआ है। यह कहीं इनका ही साथी तो नहीं है जो इन पर नजर रखने को आया हो?



वैसे भी गुरिल्ला और नकाबपोश अभी तक आपस में उलझे हुए हैं।

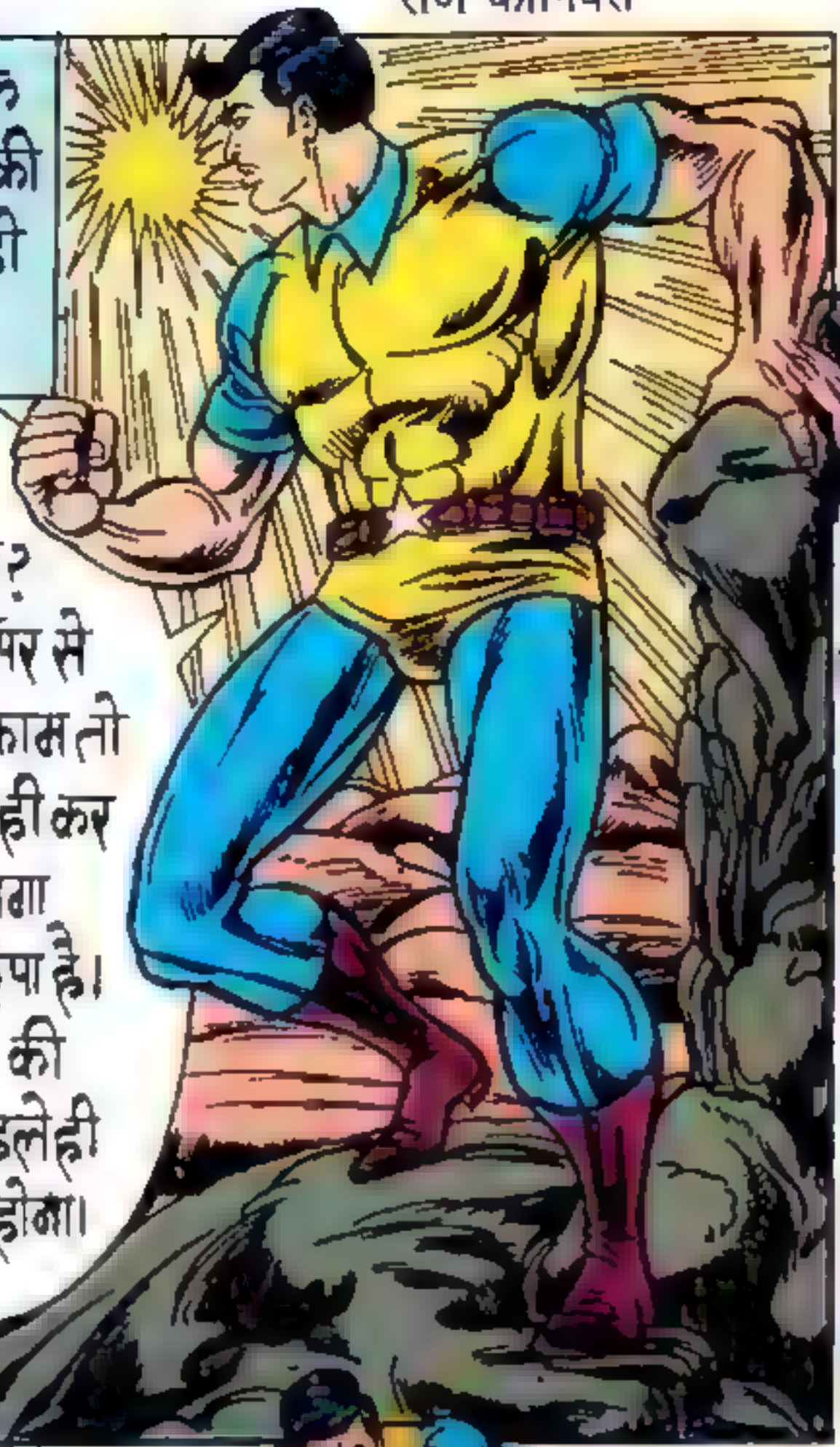
इस लड़ाई का फैसला होने तक तो मुझे रुकना ही होगा!

अभी इसको पकड़कर सच्चाई का पता लगा लेता हूँ।

ध्रुव, ऊपर की तरफ लपका-

लेकिन उसके ऊपर तक पहुंचने से पहले ही जैकी और काकातुआ, दोनों ही गायब हो चुके थे-

अरे! वह हैट कीट धारी कहाँ गायब हो गया? इतनी जल्दी चट्टानों पर से कूदकर भाग जाने का काम तो कोई कुशल कलाबाज ही कर सकता है। शायद वह भागा नहीं है। यहीं कहीं पर छिपा है। मुझे 'सिबनल फ्लेयर' की चमक रवत्म होने से पहले ही उसको ढूँढ़ निकालना होगा।



ध्रुव, कुछ देर तक चट्टानों के बीच में जैकी की तलाश करता रहा, लेकिन-

वह यहाँ पर नहीं है। समय नष्ट करने से कोई फायदा नहीं है। मुझे नीचे जाकर गुरिल्ले की मदद करनी चाहिए।

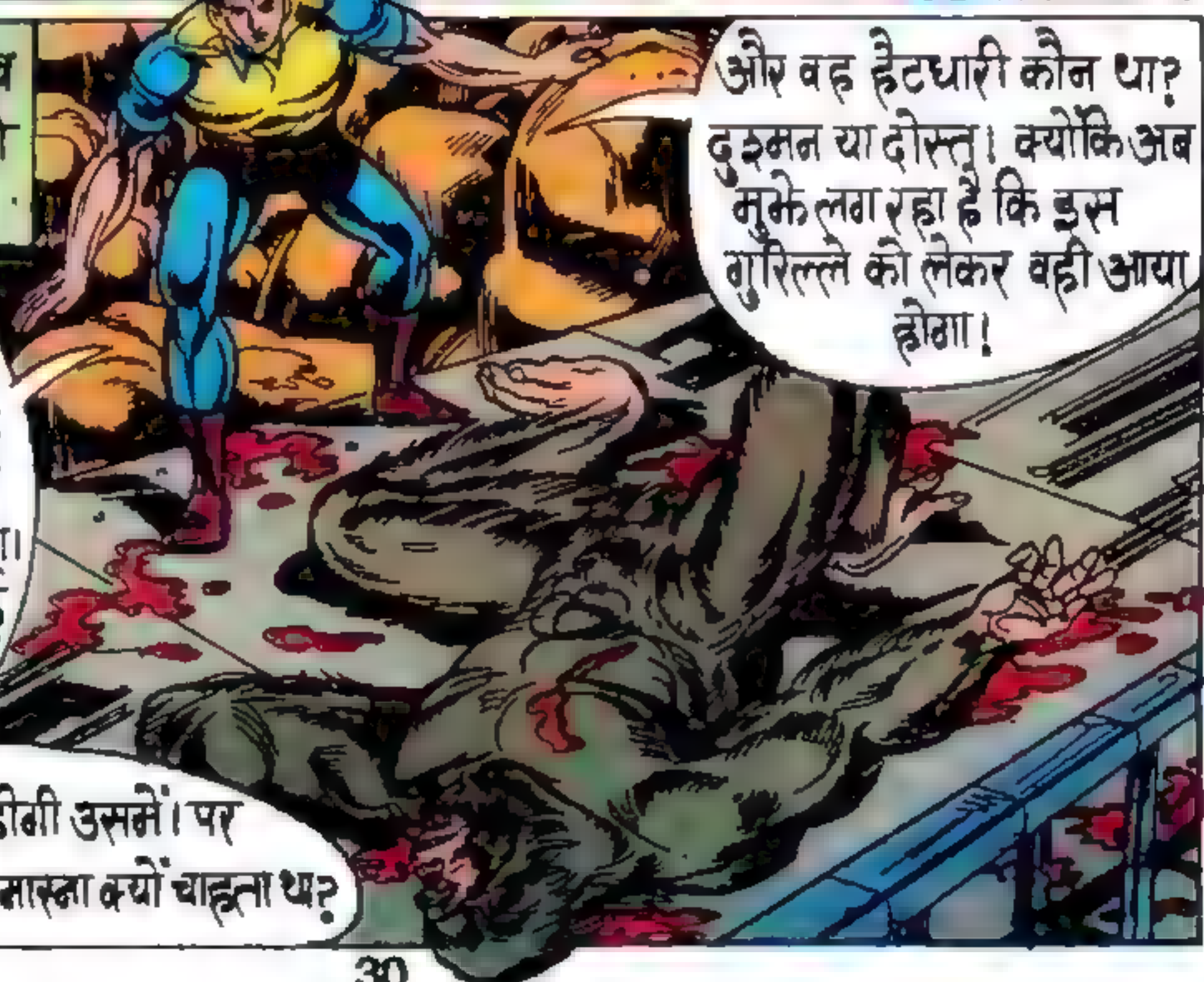


लेकिन नीचे पहुंचकर ध्रुव को एक बार फिर चकित हो जाना पड़ा-

अरे! यहाँ... यहाँ पर तो घायल गुरिल्ले के अलावा और कोई नहीं है। यानी... उस नक्रबपोड़ा ने गुरिल्ले को भी पछाड़ दिया। और उसके बाद बुल्स आर्ड को भी लाद ले गया।...

... कमाल की शक्ति रही होगी उसमें। पर वह था कौन? और मुझे साबना क्यों चाहता था?

और वह हैट धारी कौन था? दुश्मन या दोस्त? क्योंकि अब मुझे लग रहा है कि इस गुरिल्ले को लेकर वही आया होगा!



और न जाने क्यों यह
गुरिल्ला भी मुझे कुछ
पहचाना हुआ सा लग रहा
है... कहानी कुछ उलझती
हुई भी लग रही है...

... एक तरफ मारने वाले
हैं और एक तरफ शायद
बचाने वाला। और दोनों
के ही बारे में मैं कुछ
नहीं जानता!

थोड़ी ही देर बाद उस
सुनसान जगह पर भीड़
सी जमा हो गई थी-

लगाता है जैसे इसकी
किसी ट्रक से टक्कर
हुई हो ध्रुव... इसकी तो
जानवरों के नहीं आदमियों के
अस्पताल में भेजना
होगा।

किंग के जाने
के बाद-

यहां के दोनों चौकीदारों की
हमने दंड निकाला है ध्रुव। दोनों
ही नीचे बने गार्ड्स रूम में बंधे
पड़े थे।

रवैर! रिपोर्ट तो मैं दर्ज कर
लूंगा। तुम कभी भी आकर
आवश्यक रवाना पूरी कर
देना!

ठीक है
इंस्पेक्टर! सैंड
थैंक्यू!

लेकिन ये दोनों थे
कौन? तुमको यहां बुलाकर
मारना क्यों चाहते थे?

कुछ पता नहीं
इंस्पेक्टर! क्योंकि न तो
मैं उनको पकड़ पाया और
न ही उनकी सुरतें देख
पाया।

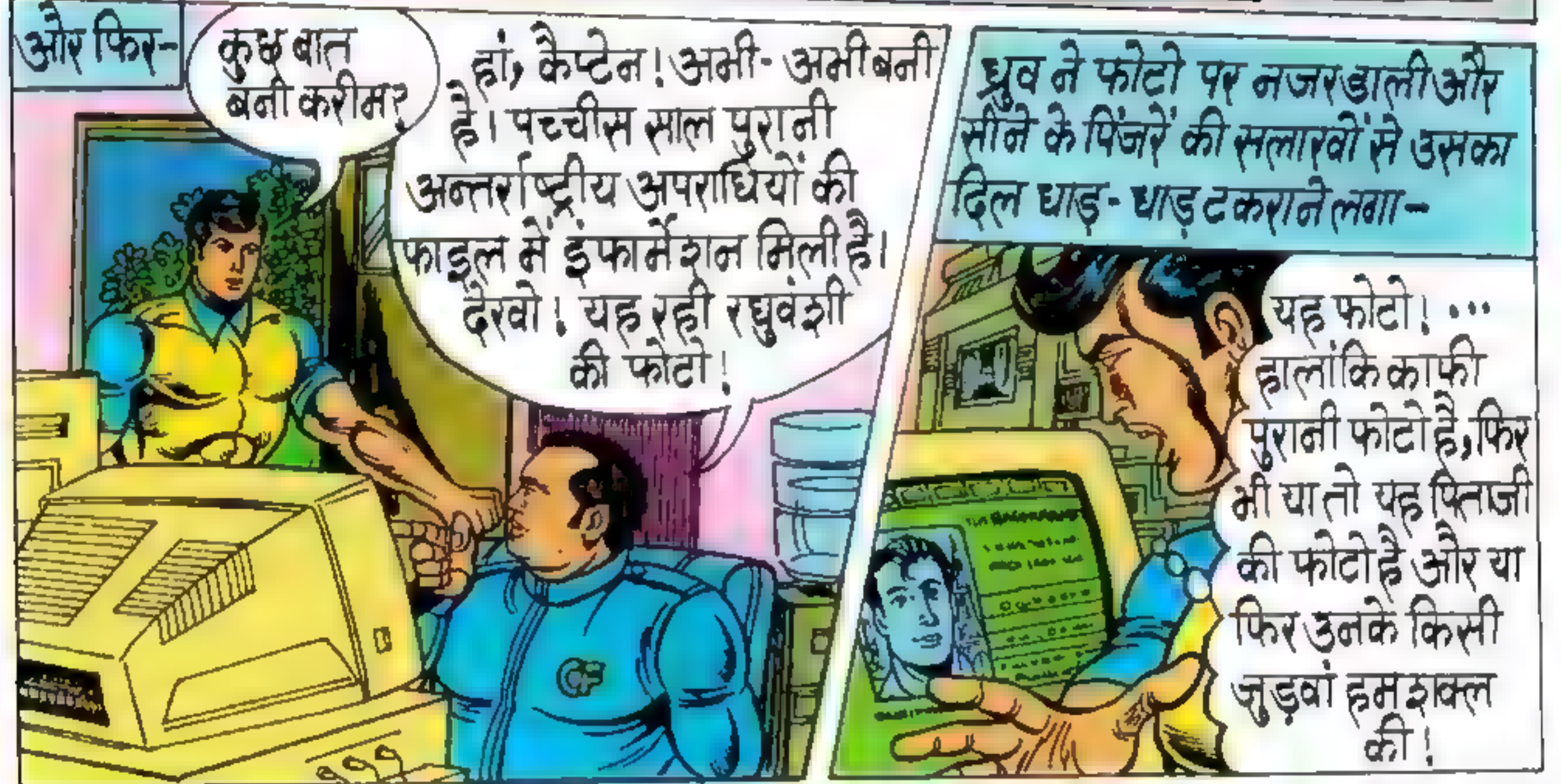
वापस लौटते समय ध्रुव
के दिमाग में विचारों की
आंधियां चल रही थीं-

वे दोनों शक्ति और
बोली के लहजे से
विदेशी लग रहे थे...
क्या सचमुच उनकी बात
में कोई सच्चाई है?



मेरे स्वर्गीय पिता इयाम ने कभी भी मुझसे अपनी पिछली जिन्दगी का जिक्र नहीं किया और न ही मैंने कभी इस बात पर गौर किया। अब जुपिटर सर्विस का कोई कलाकार जीवित भी तो नहीं बचा है, जिससे मैं इस बात को पूछ सकूँ।...

...अब मेरी स्कमात्र उम्मीद करीम बचा है! शायद वही इस गुल्थी को सुलका सके... कमांडो हेडक्वार्टर जाकर देखता हूँ।



और फिर- कुछ बात बनी करीम? हां, कैप्टेन! अभी- अभी बनी है। पच्चीस साल पुरानी अन्तर्राष्ट्रीय अपराधियों की फाइल में इंफार्मेशन मिली है। देखो! यह रही रघुवंशी की फोटो!

ध्रुव ने फोटो पर नजर डाली और सीने के पिंजरे की सलारवों से उसका दिल धड़- धड़ टकराने लगा- यह फोटो! ... हालांकि काफी पुरानी फोटो है, फिर भी या तो यह पिताजी की फोटो है और या फिर उनके किसी जुड़वां हमशक्ल की!

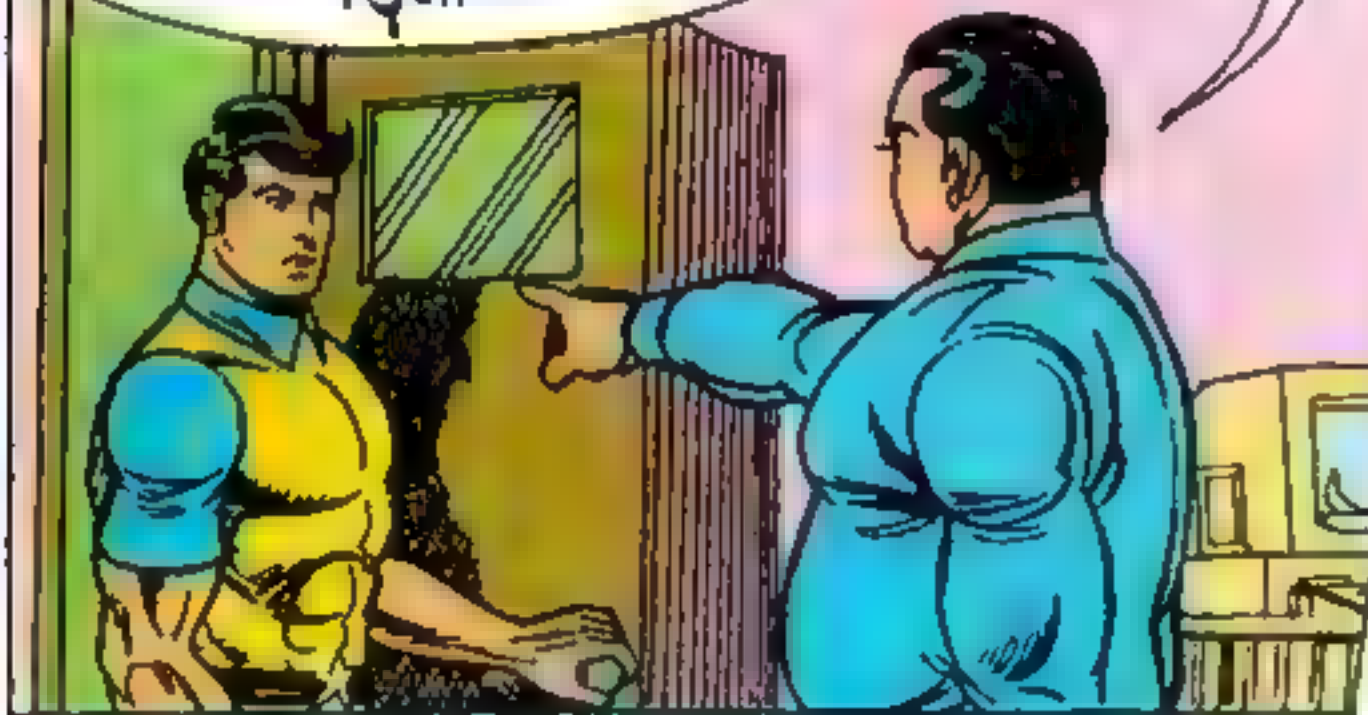


बैकग्राउंड में दिख रही स्फिल टॉवर से यह भी साफ जाहिर है कि फोटो पेरिस में ही खींची गई थी।... लेकिन यह कैसे साबित होगा कि यह फोटो मेरे पिता इयाम की ही है? उनके किसी हमशक्ल की नहीं!

किस सोच में पड़ गए कैप्टेन? किसकी फोटो है ये? हुम! कोई स्वास नहीं! इसकी 'क्राइम फाइल' कहां है? इसके साथ सिर्फ कुछ 'पहचान चिन्ह' हैं। और कुछ नहीं! नो फाइल कैप्टेन! यह इंटरपोल की सूचना है।

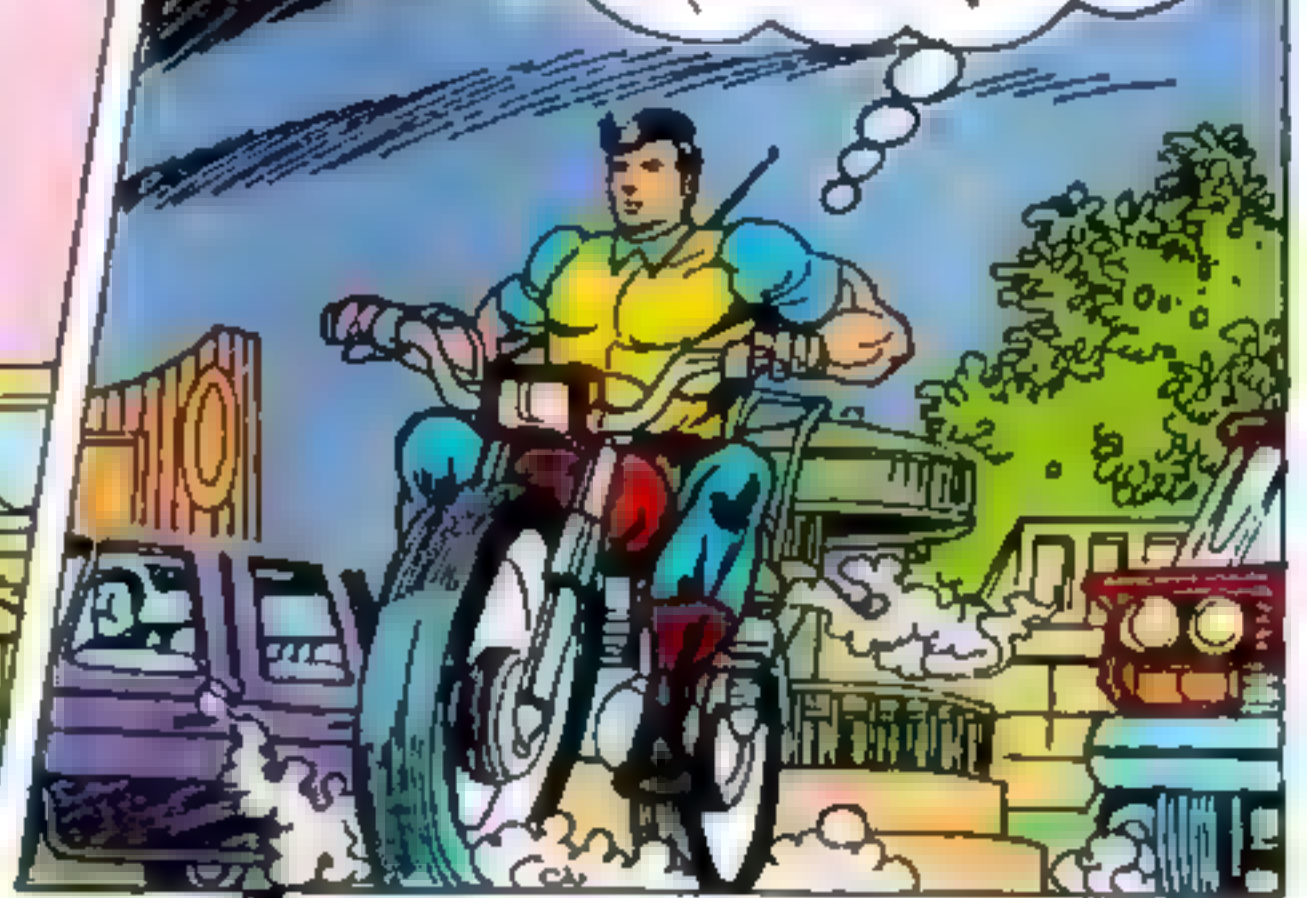
हां! इतना जरूर पता है कि रघुवंशी पर एक नृशंस हत्या का आरोप है। विस्तृत जानकारी मंगाने के लिए तुमको अपने पापा कमिशनर राजन के पास जाना पड़ेगा...

... उनके लिखित अनुरोध के बगैर इंटरपोल और कोई जानकारी नहीं देगा।

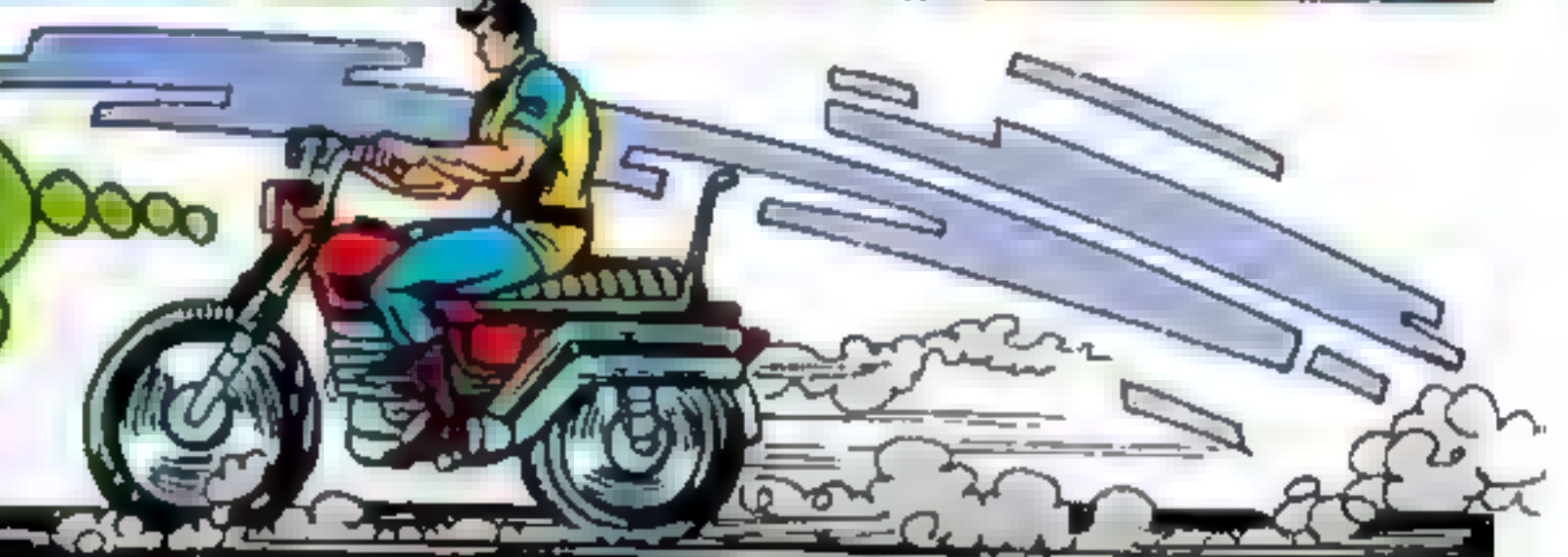


ध्रुव के लिए यह बड़ी मुसीबत खड़ी हो रही थी-

क्योंकि- पापा से जानकारी मंगाने के लिए कहें तो कैसे? क्योंकि पापा यह जरूर पूछेंगे कि मुझे यह जानकारी क्यों चाहिए? कौन है रघुवंशी? और फिर मैं कूठ नहीं बोल पाऊंगा!



यह जानने के लिए कोई और रास्ता निकालना पड़ेगा कि क्या अम और रघुवंशी दो अलग-अलग व्यक्ति हैं या एक ही व्यक्ति के दो अलग-अलग नाम!



ध्रुव न चाहते हुए भी एक जाल में जकड़ा जा रहा था-

ध्रुव!

पापा! आप अभी तक जाग रहे हैं?



हां! मैं तुम्हारा ही इन्तजार कर रहा था। लाल चौक थाने के इंस्पेक्टर ने बताया कि उसने तुम्हारी तरफ से एक रिपोर्ट दर्ज की है!...

... 'आर्टिफीशियल वॉटर-फाल' पर कुछ लोगों ने तुम्हारी जान लेने की कोशिश की...

और तुम्हारी मम्मी मुझे बता रही थी कि सुबह किरा का फोन आया था... तुम्हारे पिता का नाम इयाम नहीं, कुछ और बता रहा था। शायद उसी ने तुमको जलप्रपात पर बुलाया था।

हां, पापा! लेकिन मामला सुलझने के बजाय और उलझ ही गया। पता नहीं क्या सच है और क्या झूठ?

कुछ नहीं पापा! यूं ही!
गुडनाइट पापा!



किस सच और झूठ की बात कर रहे हो तुम?

लेकिन राजनगर में ही किसी और स्थान पर कई और आंखें भी जाग रही थीं—



आज रात को ध्रुव खत्म हो जाता और हमारा काम पूरा हो जाता! लेकिन उस जले चेहरे वाले ने हमारा काम बिगाड़ दिया!

उस रात ध्रुव की आंखों में तो नींद नहीं थी—



लेकिन वह था कौन लूका? गुरिल्ला साथ में लेकर कम से कम आम आदमी तो नहीं घूमते।...

... और फिर उसका इस मामले से क्या संबंध है?

यह तो मुझे भी नहीं पता, बी-यर्ड ! लेकिन इतना जरूर जानता हूं कि उस आदमी की वजह से मैं ध्रुव को नहीं मार सका ! ...

... उस गुरिल्ले से हुई लड़ाई से अगर मैं बुरी तरह से थक गया होता तो 'बुल्स आर्ड' को लादकर लाने के बजाय मैं ध्रुव को दो टुकड़ों में चीर रहा होता।

तब तो वह आदमी शायद हमारे बारे में काफी-कुछ जानकारी रखता है। इसीलिए मेरा सुझाव तो यह है कि पहले उस जले चहरे वाले को खत्म किया जाए। कहीं वह ध्रुव को सब-कुछ बता न दे !



इस ख्याल से तो पहले मुझे भी डर लगा था...

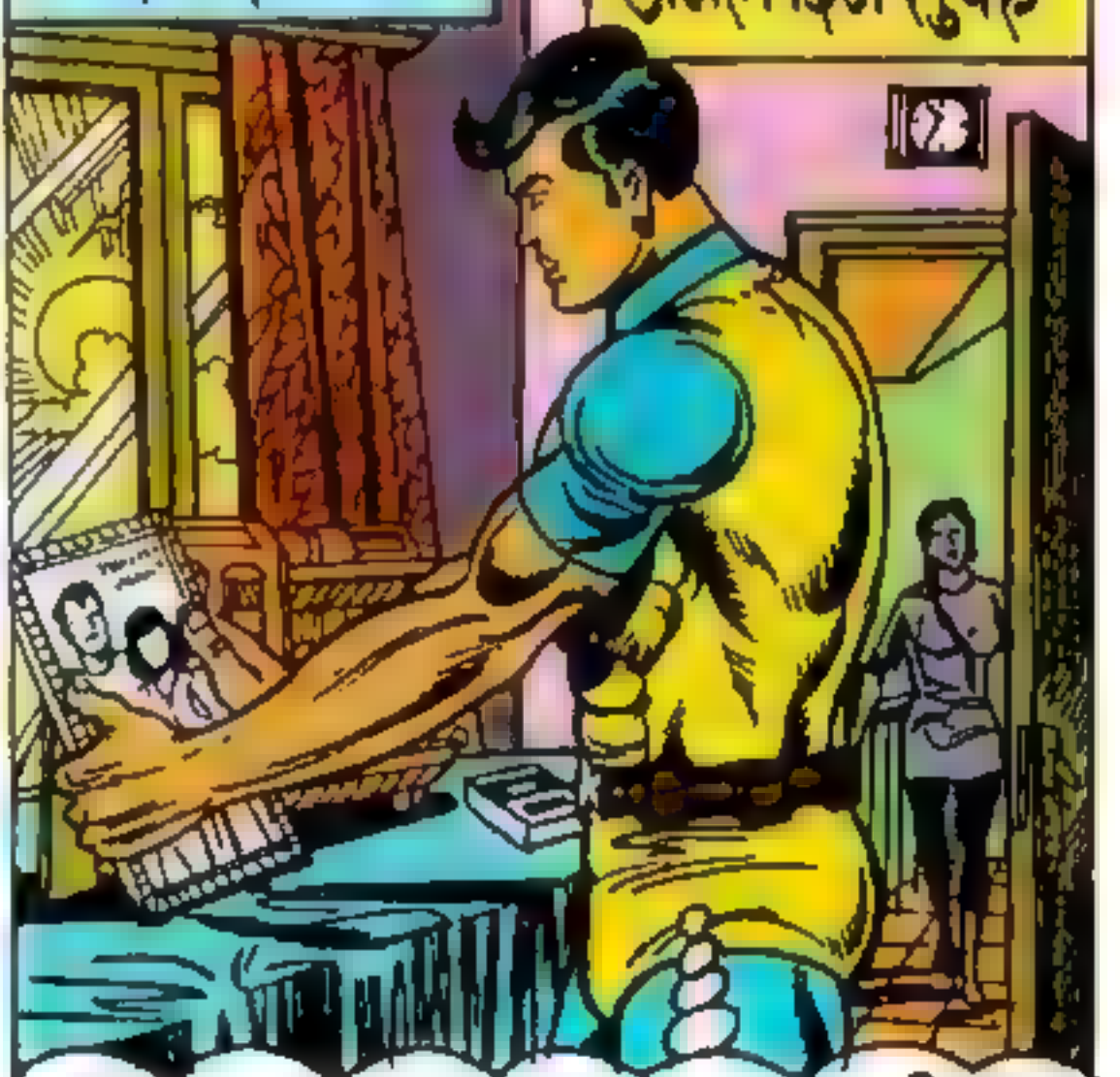
... लेकिन बाद में मुझे पता चला कि न जाने क्यों वह आदमी खुद भी ध्रुव के सामने आना नहीं चाहता !

तब तो काम बन गया ! उसका गुरिल्ला 'सिटी-हॉस्पिटल' में भर्ती है। वह उस गुरिल्ले को देखने वहां पर जरूर जाएगा। और वहीं पर हम उसका काम तमाम कर देंगे !



ठीक है ! जब तक यह काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक हम ध्रुव की मारने का कार्यक्रम स्थगित कर देते हैं !

खतरा ध्रुव के सिर से हटकर कहीं और मंडराने लगा था-
अगले दिन सुबह-



मेरे सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि मेरे पास मेरे पिता इर्याम के न तो उंगलियों के निशान हैं और न ही कोई और पहचान चिह्न, जिसकी मदद से मैं 'रघुवंशी' के पहचान चिह्नों से उनका मिलान कर सकूँ !



भइया! तुमसे कोई वैशाली नाम की लड़की मिलने आई है।

वैशाली! वह रिपोर्टर! बैठाओ उसको, इवेता! मैं अभी आता हूं।

कुछ ही देर बाद-

कहो वैशाली! कैसे आना हुआ?

आप... मेरा मतलब... तुम्हारा धन्यवाद अदा करना था ध्रुव! मेरा पानी की टंकी वाला आर्टिकल छप गया!

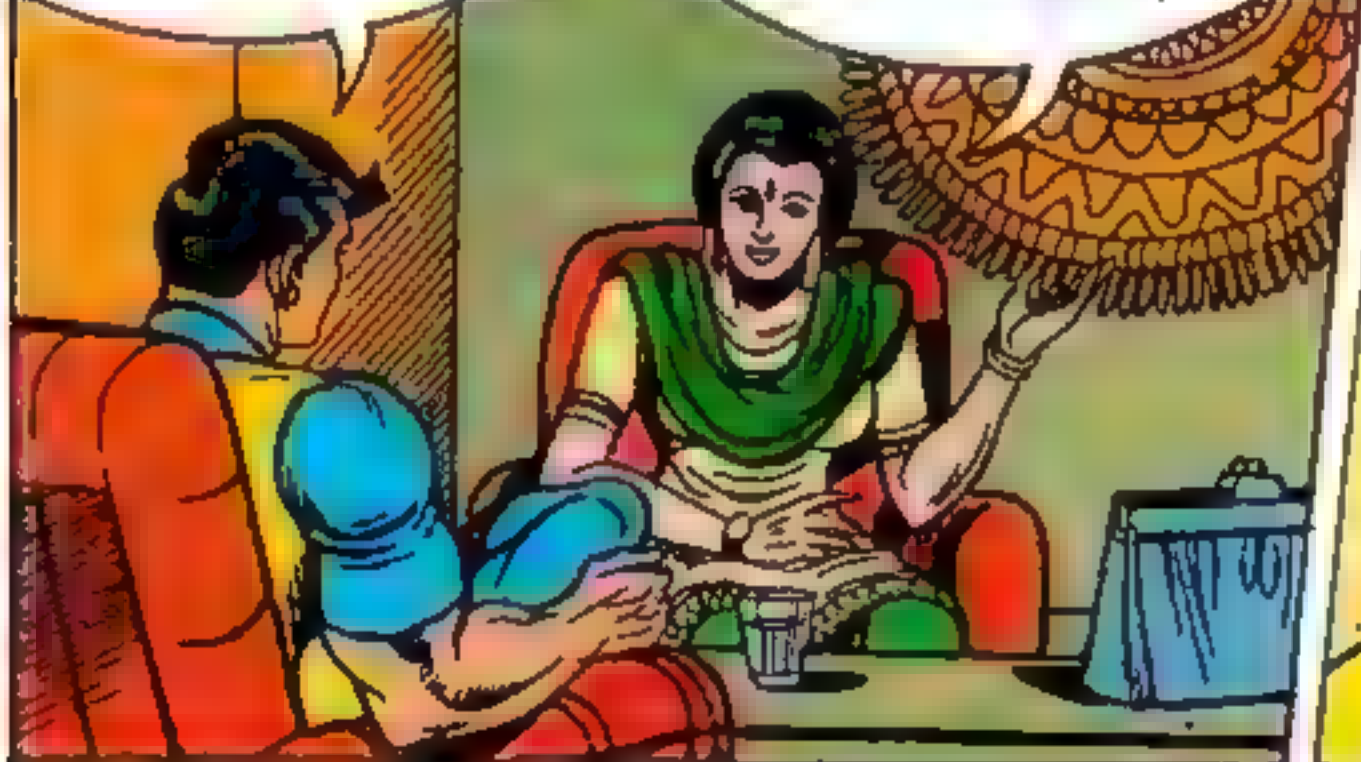
वैरी गुड!

अब तो तुम्हारा रिपोर्टर बनने का रास्ता खुल गया।

हां! तुमको याद है मैं तुम पर भी एक आर्टिकल लिख रही थी!

हां! ताकि समाज का हर वर्ग मेरी जिन्दगी से कुछ प्रेरणा ले सके! पता नहीं लेगा या नहीं?

जरूर लेगा! शुरुआत मैंने जुपिटर सर्कस से की है। बड़ी मुश्किल से टुंड-टुंड कर कुछ जानकारी जुटाई है...



... पता है? इस चक्कर में मैं कहां-कहां घूमी? मैंने सोचा कि जुपिटर सर्कस के कलाकारों को अगर मेडिकल प्रॉब्लम होती होगी तो वे उस सरिया के डॉक्टर के पास जरूर जाते होंगे...

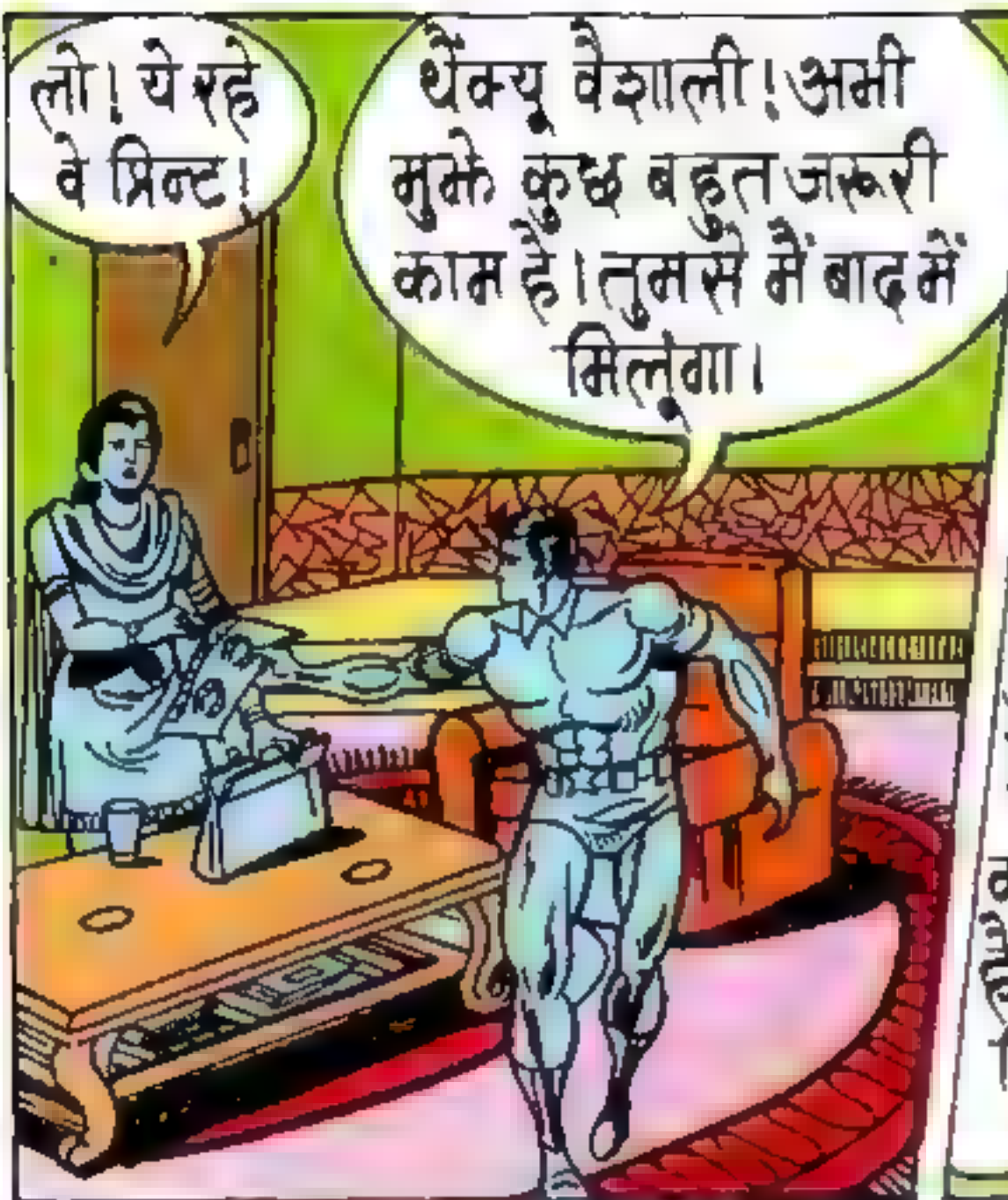
... बस! मैंने डॉक्टरों के चक्कर काटने शुरू कर दिए। एक दांतों के डॉक्टर से पता चला कि एक बार इयाम नाम का कलाबाज अपना दांत दिखाने आया था।

उसने मुझे इयाम यानी तुम्हारे पिता के 'डेंटल प्रिंट' यानी दांतों की छाप भी दी। पर उससे मेरा क्या काम बनता। फोटो होती तो कुछ बात भी थी। अगर तुम्हारे पिता या जुपिटर सर्कस की कोई भी फोटो होती तो...



डेंटल प्रिंट! तुम्हारे पास इस वक्त वे प्रिंट हैं या नहीं?

हैं तो! पर उसका तुम क्या करोगे?

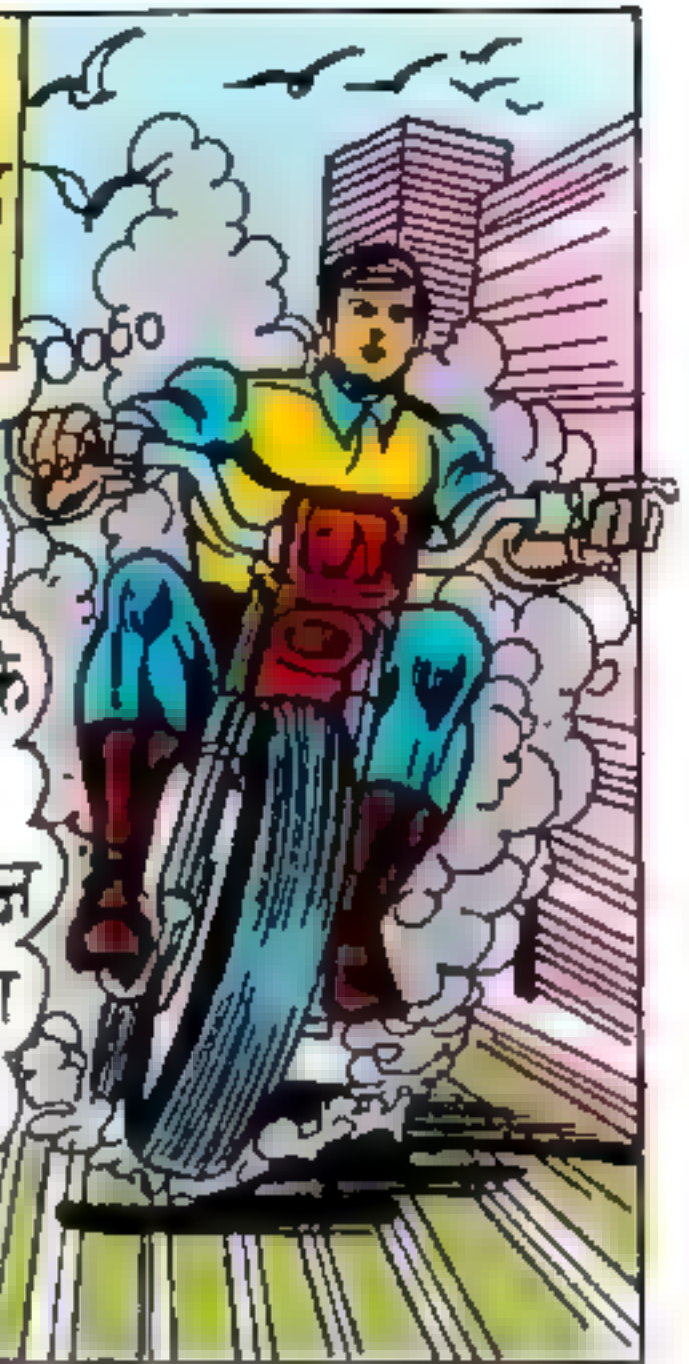


लो! ये रहे वे प्रिन्ट!

थैंक्यू वैशाली! अभी मुझे कुछ बहुत जरूरी काम है। तुमसे मैं बाद में मिलूंगा।

कमांडो हैडक्वार्टर की तरफ बढ़ते हुए ध्रुव का दिमाग बहुत तेजी से काम कर रहा था-

बड़ी किस्मत से यह सबूत हाथ लगा है। जैसे किसी आदमी के 'फिंगर प्रिंट्स' का मिलान करके उसको ढूंढ निकाला जा सकता है। वैसे ही 'टेंटल प्रिंट्स' का मिलान करके भी उसको पकड़ा जा सकता है! क्योंकि हर व्यक्ति के दांतों के निशान भी अलग-अलग होते हैं।



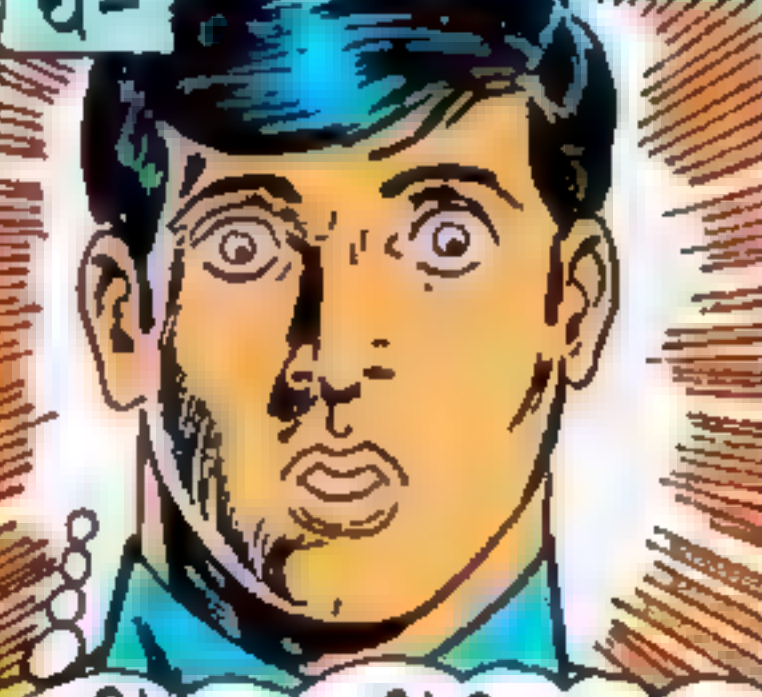
और फिर- आखिरकार वह बम फट ही गया, जो इतनी देर से सिर्फ सुलग रहा था-

सकदम परफेक्ट मैच है ध्रुव! किसके हैं यह दांतों के निशान? और तुमको कहाँ से मिले?

ध्रुव कोई जवाब न दे सका। क्योंकि उसके दिमाग में लगातार धमाके होते जा रहे थे-



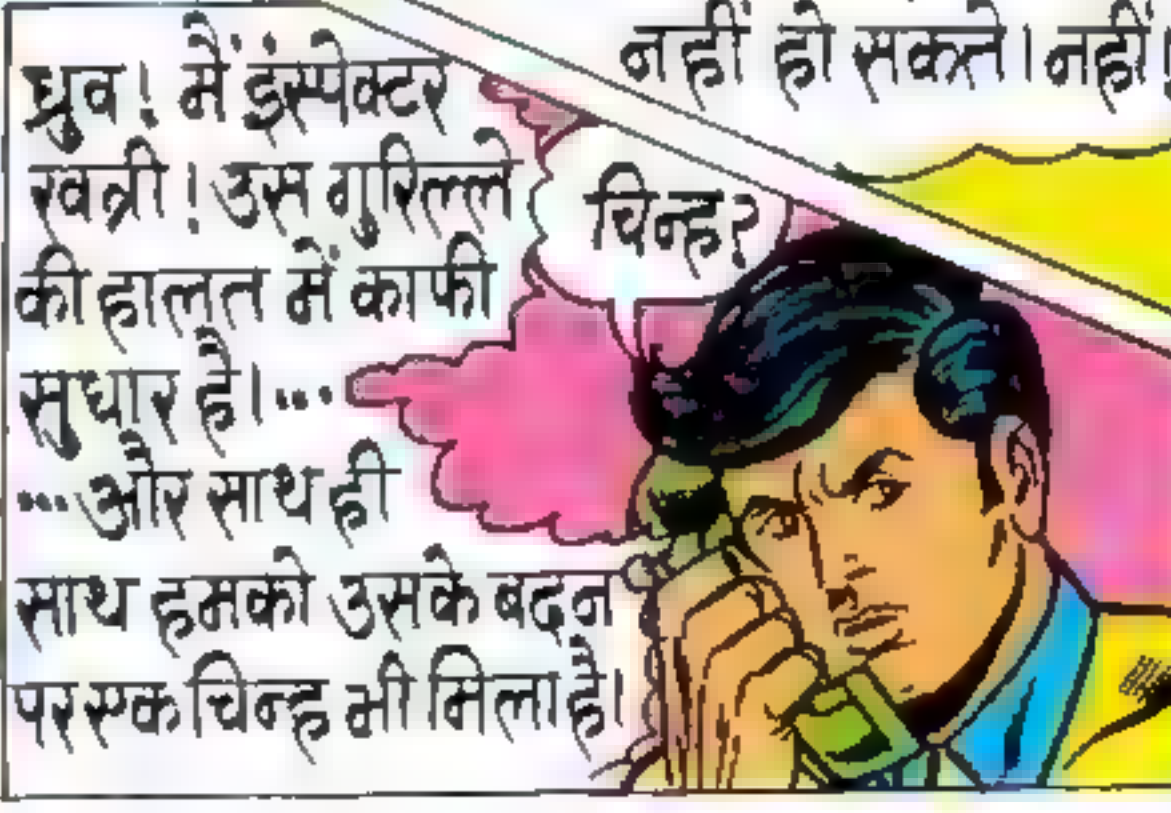
क्या पता चला करीम?



नहीं! यह नहीं हो सकता! मेरे पिता एक बगोड़े कातिल नहीं हो सकते। नहीं!

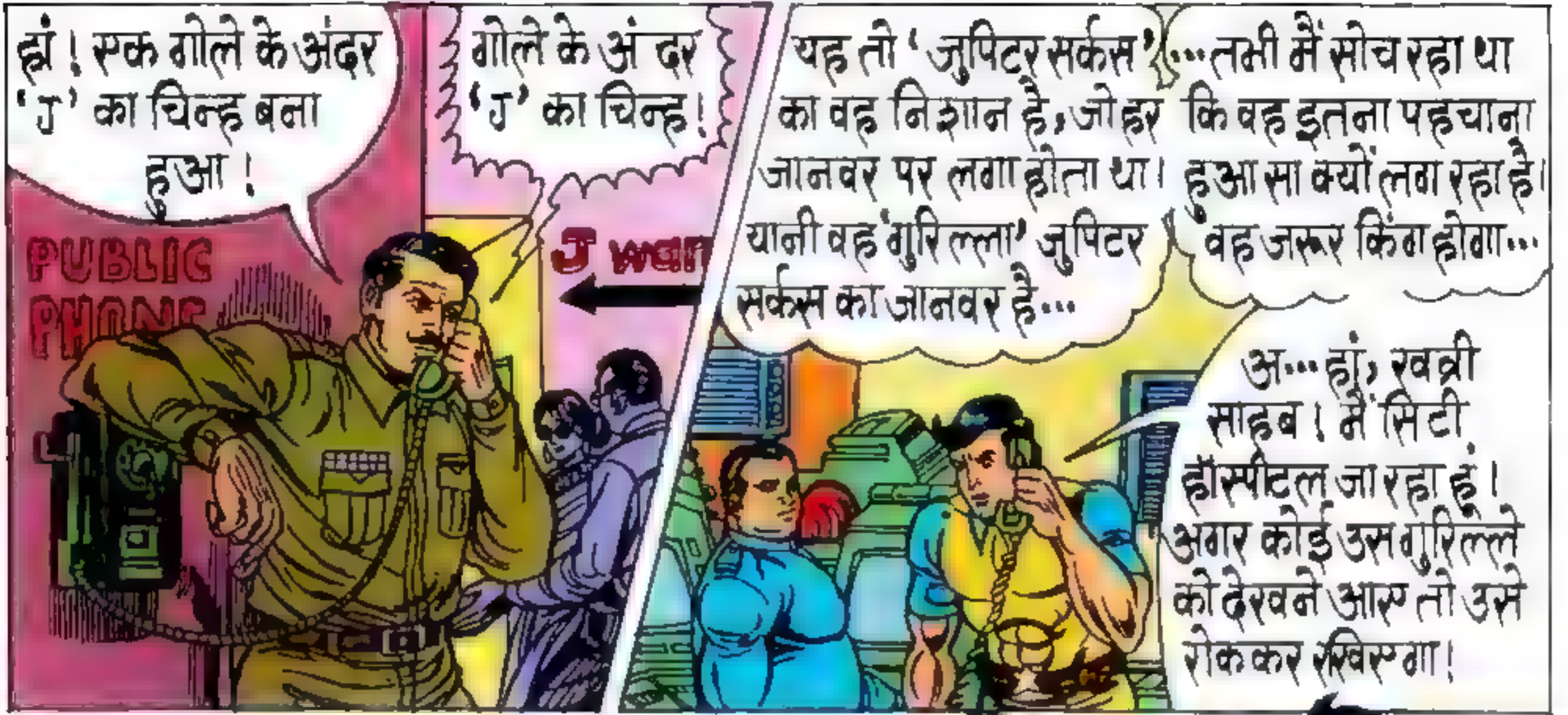


कहाँ रवी गस ध्रुव? तुम्हारे लिफ फोन हैं। लाल चौक थाने के इंस्पेक्टर का! सिटी हॉस्पिटल से!



ध्रुव! मैं इंस्पेक्टर खत्री! उस गुरिल्ले की हालत में काफी सुधार है।... और साथ ही साथ हमको उसके बदन पर एक चिन्ह भी मिला है।

चिन्ह?



हां! एक गोले के अंदर
'J' का चिन्ह बना
हुआ!

गोले के अंदर
'J' का चिन्ह!

यह तो 'जुपिटर सर्कस'... तभी मैं सोच रहा था
का वह निशान है, जो हर कि वह इतना पहचाना
जानवर पर लगा होता था। हुआ सा क्यों लगा रहा है।
यानी वह 'गुरिल्ला' जुपिटर सर्कस का जानवर है...
वह जरूर किंवा होगा...

अ... हां, खत्री
साहब! मैं सिटी
हॉस्पिटल जा रहा हूं।
अगर कोई उस गुरिल्ले
को देखने आए तो उसे
रोक कर रखिएगा!

इस पूरे घटनाक्रम में
जुपिटर सर्कस का नाम बार-
बार उभरकर सामने आ रहा
है। लेकिन इस नई जानकारी
से एक बात तो साफ हो गई है
कि उस गुरिल्ले की वॉटर फॉल
पर साथ लाने वाला जरूर कोई
जुपिटर सर्कस का ही आदमी
है।...

... परन्तु अगर वह हैट कोट-
धारी आदमी जुपिटर सर्कस का
ही था, तो मुझे देखकर
भागा क्यों?

शायद अस्पताल
में उससे मेरी दुबारा
मुलाकात हो जाए।

ध्रुव का अंधेरे का यह तीर
निशाने पर लगा था-

... और इससे पहले कि
कोई मुझे देख पाए मैं
वापस भी चला
जाऊंगा।

किंवा इसी कमरे में है। मैं
सामने से अंदर जाना नहीं चाहता...

... इसलिए इस रास्ते से
अंदर जाकर उसकी
हालत देख आऊंगा।

लेकिन 'जैकी' का यह खयाल गलत था-

क्योंकि उसकी तलाश करने वाली नजरें उसकी ढूँढ़ चुकी थीं-

बी-यर्ड! वह देखो! वह रहा। गुरिल्ले के कमरे में खिड़की से घुस रहा है!

तो फिर उसको ऊपर जाकर ही दाब लेते हैं...

सबसे पहले अस्पताल की सिक्योरिटी का इंतजाम करते हैं। मेरी दादी बनी मक्खियां ये काम बड़ी आसानी से कर देंगी!...

... क्योंकि जैसा कि तुम जानते ही हो, इनके डंकों को ऐसे जहर में बुकाया गया है जिसकी जरा सी मात्रा इंसान को लकवाग्रस्त कर देती है। और थोड़ी ज्यादा मात्रा उनको खत्म कर सकती है।

वैसे तो मैंने इन मधुमक्खियों को ध्रुव पर हमला करने के लिए ट्रेड किया था, लेकिन फिलहाल अगर कुछ मक्खियां इस अस्पताल में भगादड़ मचवा सकें तो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा!...

मधुमक्खियों के कुंड ने अस्पताल में सचमुच तहलका मचा दिया-

PATHOLOGY

और ऊपर-किंग के कमरे में-

टाय! टाय! (जैकी, लूका आ रहा है मक्खियां लेकर...)

... तुमको मारने!

मुझे मारने? ओह! दोनों खिड़की से मक्खियां आ रही हैं।

मैं खिड़कियों से बाहर नहीं जा सकता।

दरवाजे से ही बाहर
निकलना...

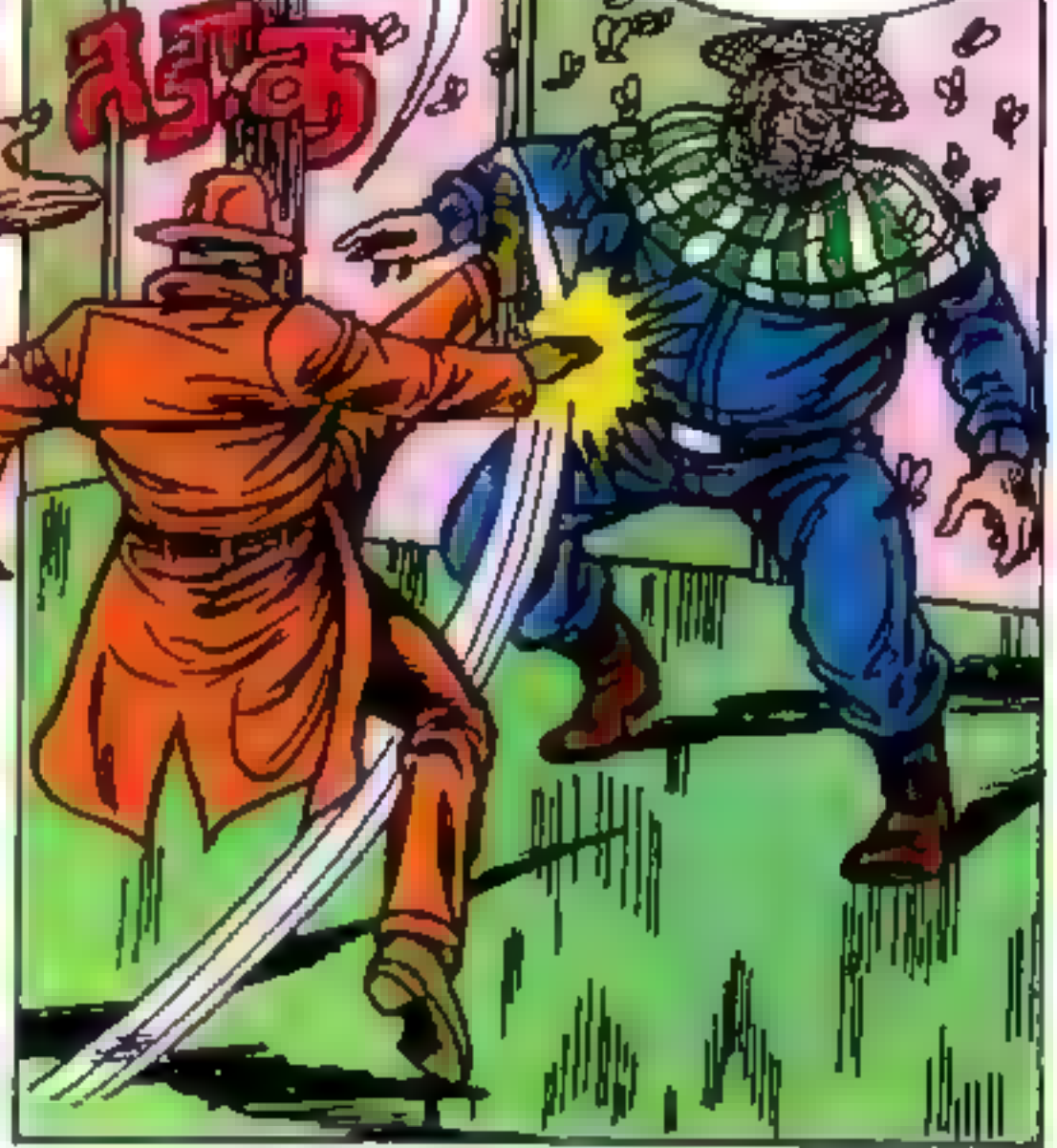
लेकिन दरवाजे से बाहर
निकलते ही जैकी का सामना
बी-चर्ड से हो गया-

मेरा सारा शरीर ढका... इसलिए तेरी
हुआ है बी-चर्ड! मक्खियों के डंकों
सिर्फ आंखों का जरा को मुक तक
सा हिस्सा खुला है... पहुंचने में समय
लगेगा!



आह! भाग रहा
था? पर अब तो बी-चर्ड
से बचकर भाग नहीं सकता।

मेरी मधुमक्खियों के
दस-बारह जहरीले डंक
तेरा काम तमाम कर देंगे!



ओहो! यह खयाल तो मेरे
दिमाग में भी आया था। इस-
लिए मैं यह 'डार्ट गन' भी साथ
लेता आया था। इसके नुकीले
सिरे तेरे शरीर में घुस भी सकते
हैं। और इन पर भी वही जहर
लगा है जो मधुमक्खियों के
डंक पर है।



डार्ट, शरीर में
घुसते ही जैकी चीख
मारकर गिर पड़ा-

आह! मेरे हाथ-
पैर सुन्न हो रहे हैं।
मुक पर लकवे का सा
असर हो रहा है।

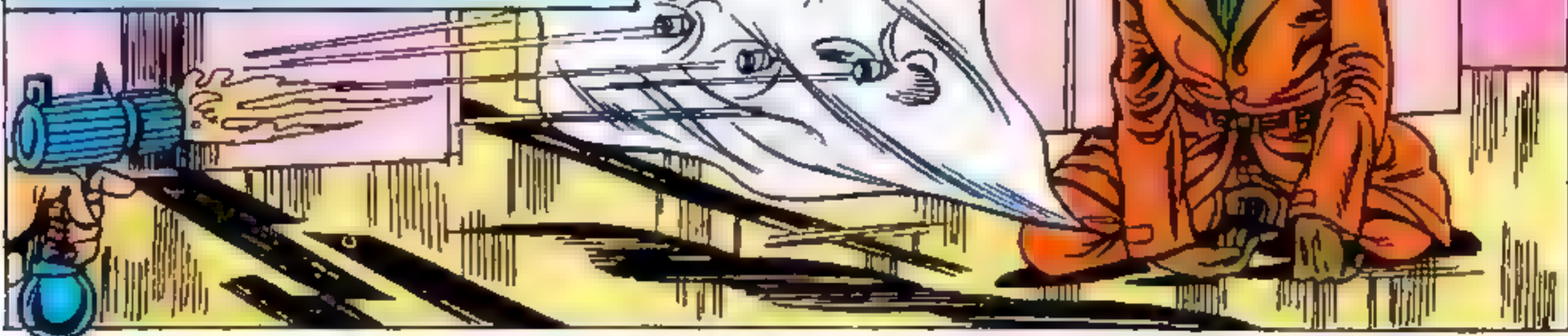
ठीक समझा तू! अब तू हिल
नहीं पाएगा, और मेरे डार्ट
आराम से तेरे प्राण हर लेंगे।



डार्ट, जैकी के शरीर
तक पहुंचने के लिए
चले तो जरूर...



लेकिन 'जैकी' के शरीर तक पहुंचे नहीं। एक चादर हवा में उड़ती हुई जैकी और डार्टों के बीच में आ गिरी-

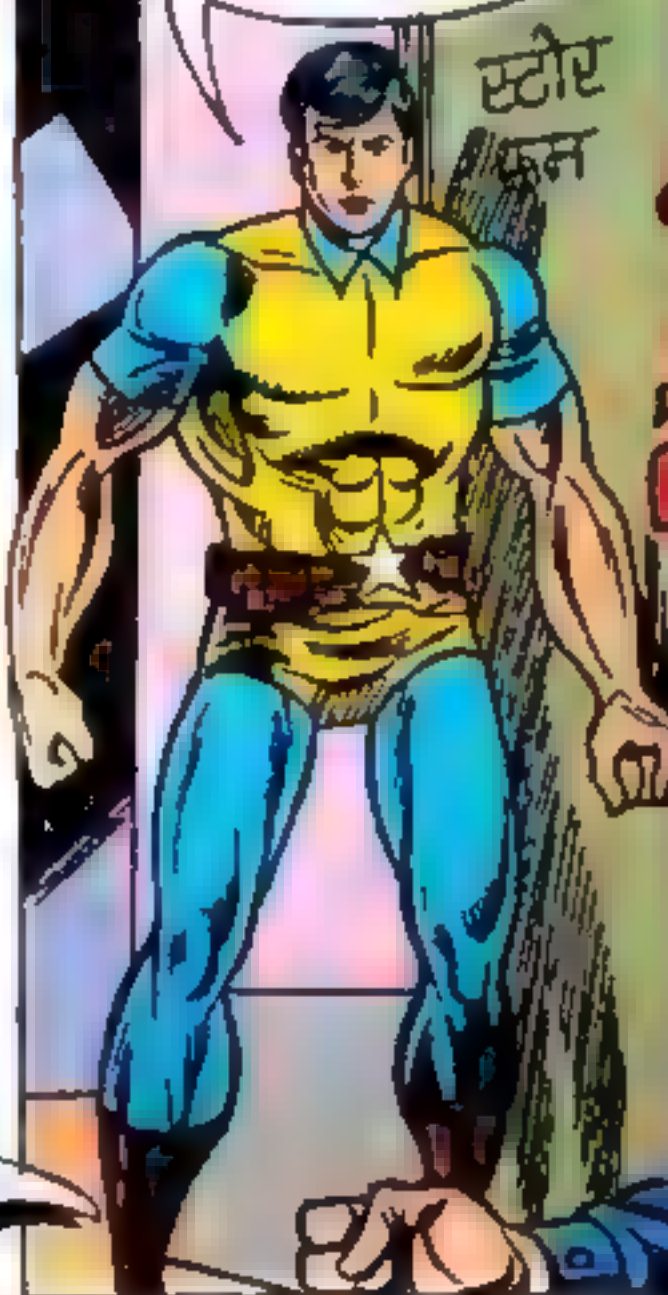


और अगले ही पल-एक मजबूत हाथ ने जैकी के लगभग लकड़ा-स्त शरीर को स्टोर रूम में रबीच लिया-



यह क्या? कौन... कौन है अन्दर?

मैं हूँ! और अब तुम बताओ कि तुम कौन हो?

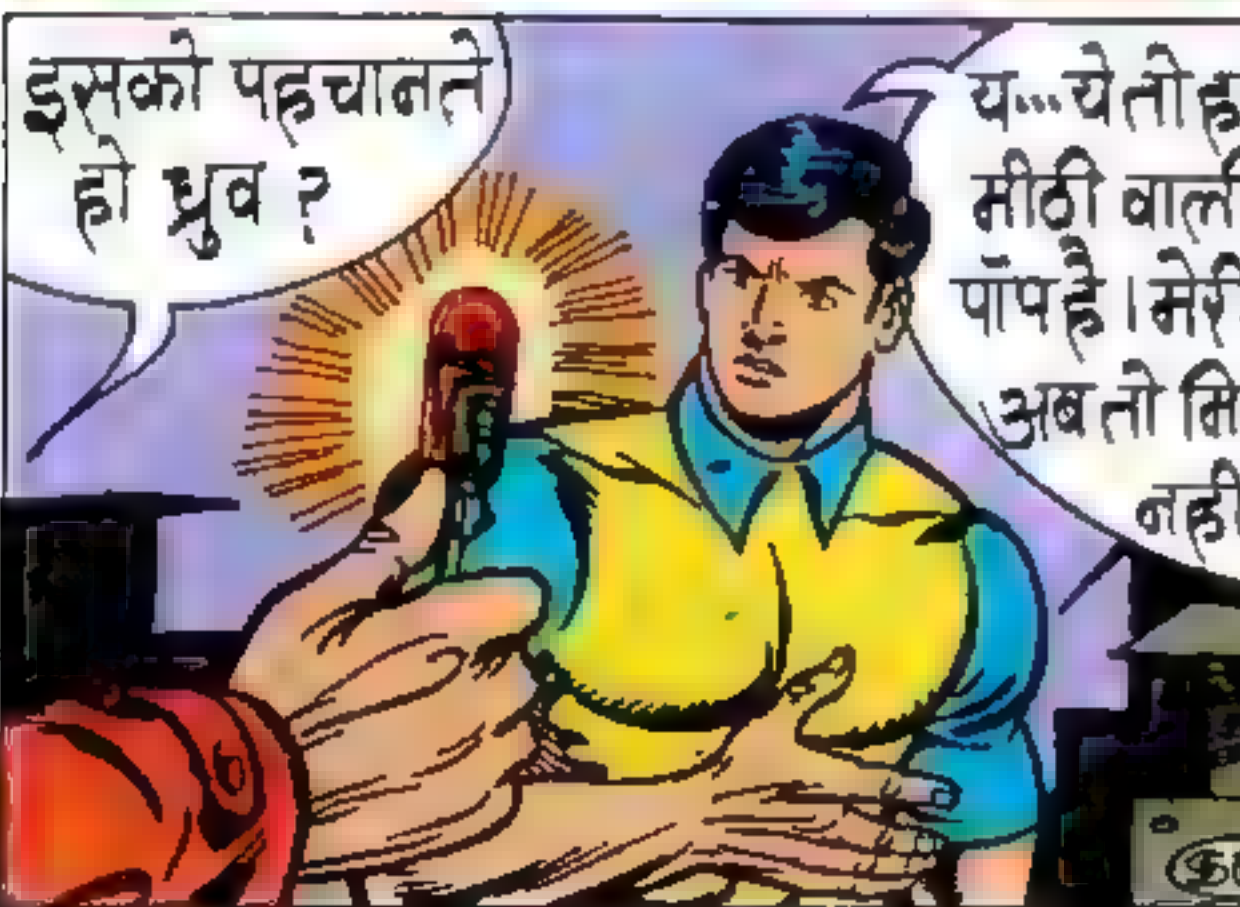
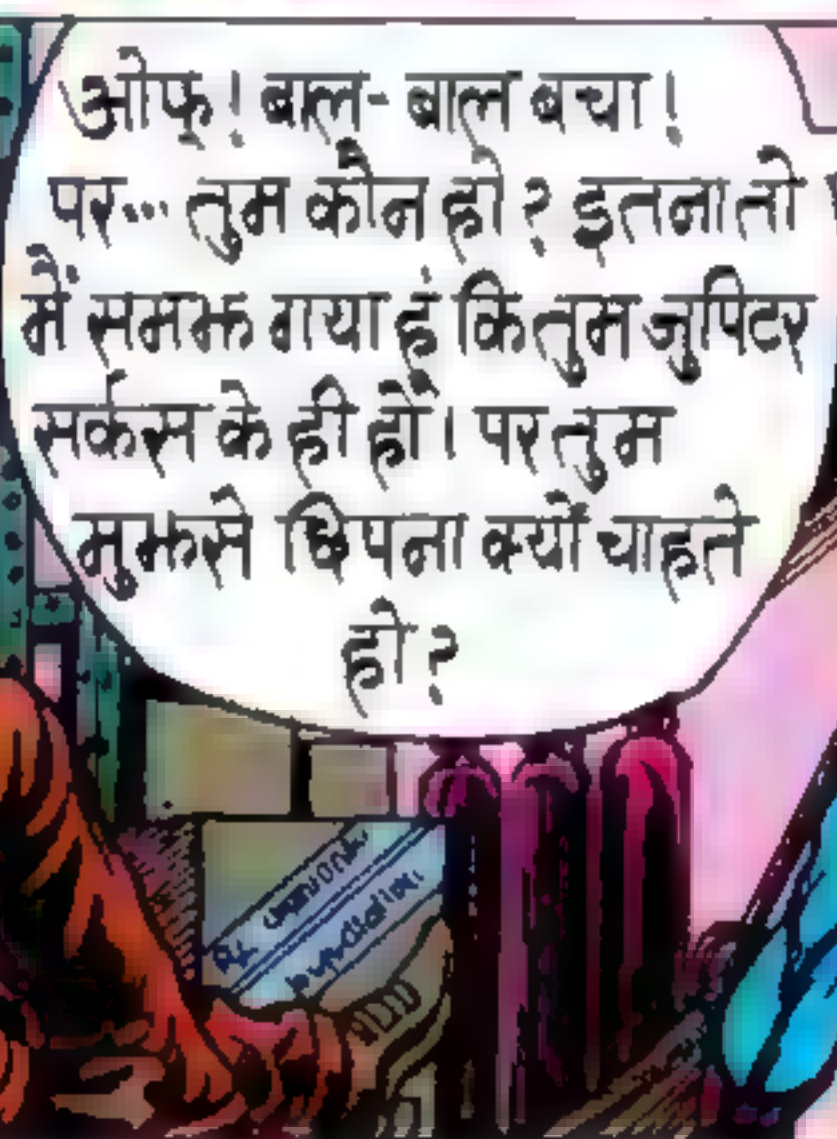
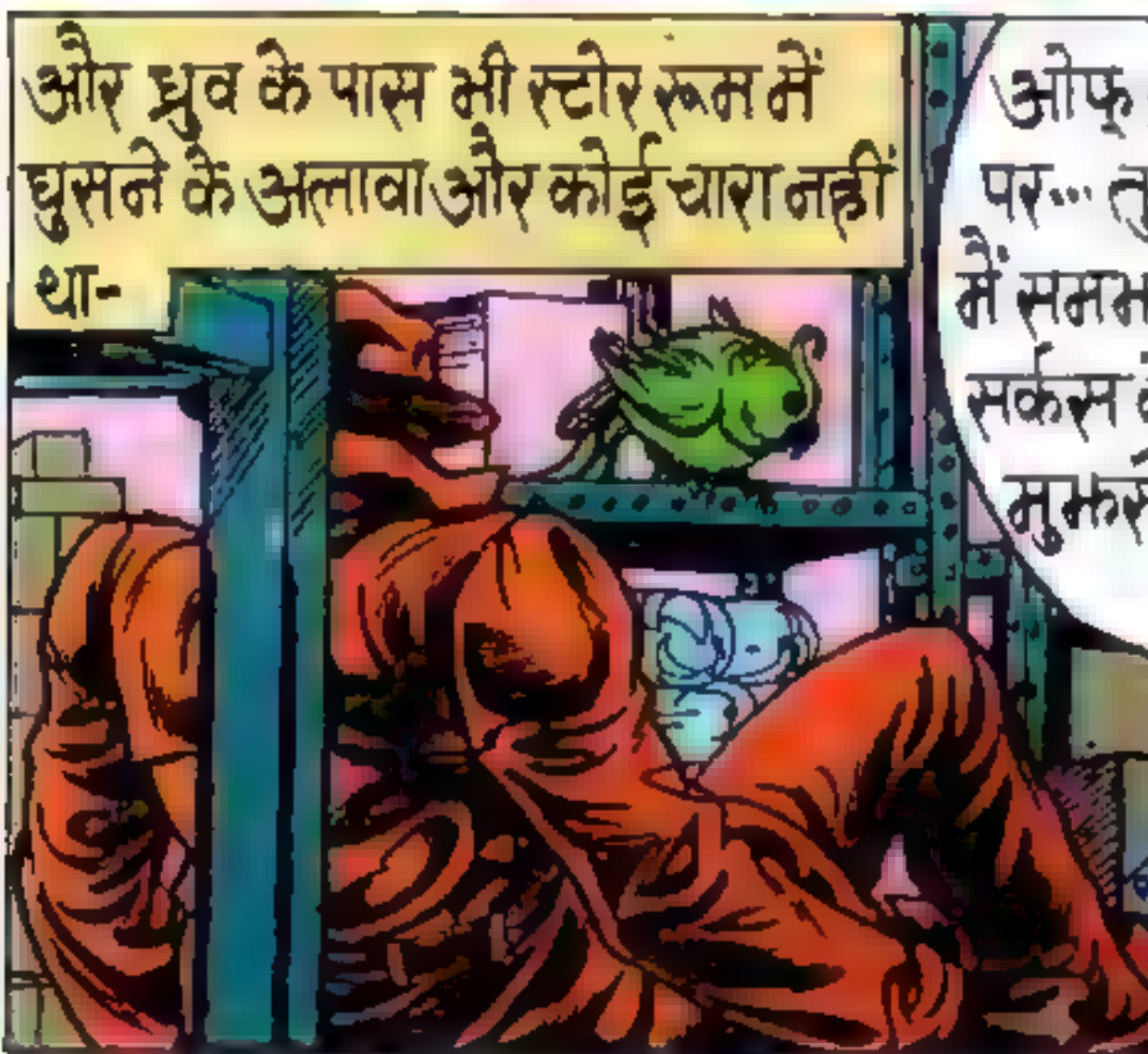


सुपर कमांडो ध्रुव! ... मैं? मैं तुम्हारे लिए ही लेकर आया था। और किस्मत देरवी कि तुम खुद यहीं आ गए।



अब मैं सिर्फ एक सीटी बजाऊंगा और पूरे अस्पताल में फैली मधु-मक्खियां सीधी यहीं पर आकर तुम पर दूट पड़ेंगी। क्योंकि इनकी तुम पर ही हमला करने के लिए संधाया गया है!







ये जिन्दा रहना भी कोई जिन्दगी है बेटे ! जुपिटर सर्कस के आग ने मेरी दुनिया ही जलाकर राख दी। रिक्तेदारों से भी बढ़कर मेरे सारे साथी कलाकार और बच्चों जैसे सारे प्यारे जानवर उसी आग में राख बन गए। बचता तो मैं भी नहीं ! लेकिन शायद मेरी जीवन रेखा की थोड़ी सी लकड़ी अभी बची हुई थी...



... इसी लिए तो जब मैं आग में घिर चुका था ! मदद के लिए चिल्ला रहा था और लपटों के झोर में और आग से डरकर अपना पिंजरा तोड़कर भागते हुए जानवरों की चीख पुकार में मेरी आवाज कोई नहीं सुन रहा था...

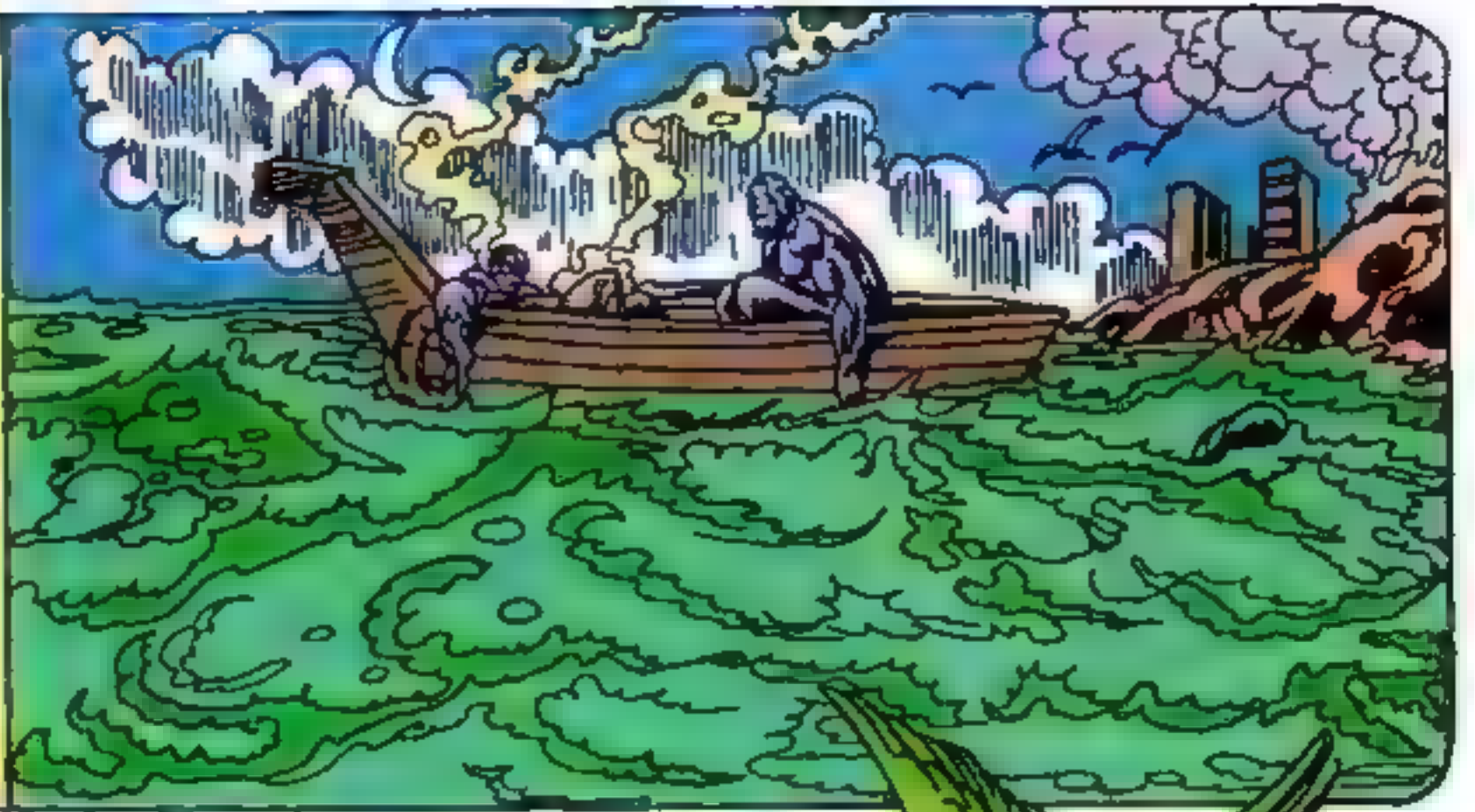
... उसी वक्त आग की लपटों की चीरता हुआ किंग मेरे पास तक आ पहुंचा...



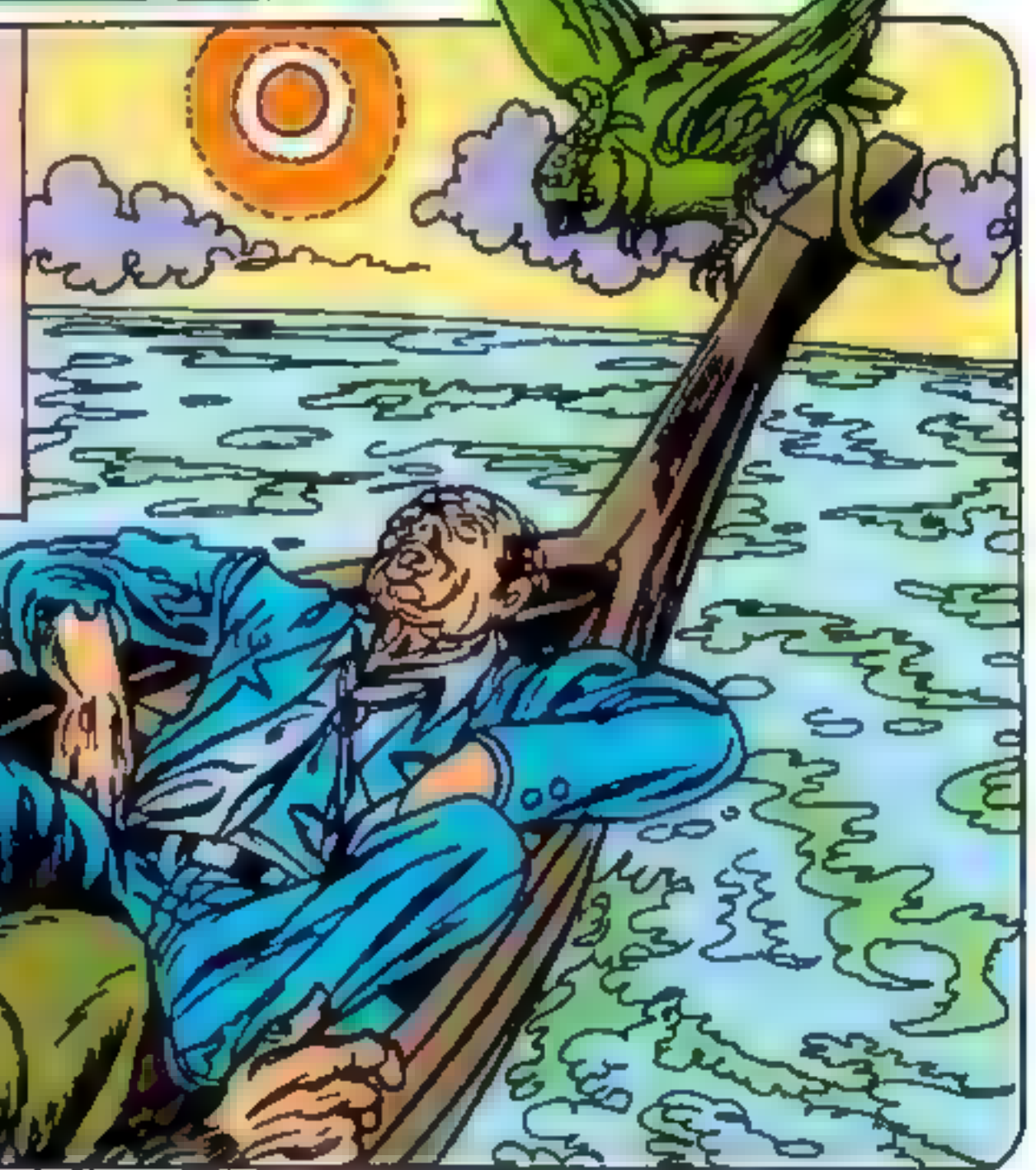
... और मुझे जलती आग से निकालकर समुद्र की तरफ ढोड़ पड़ा। शायद उसको मुझे आग से बचाने का यही सच रास्ता समझ में आया था-



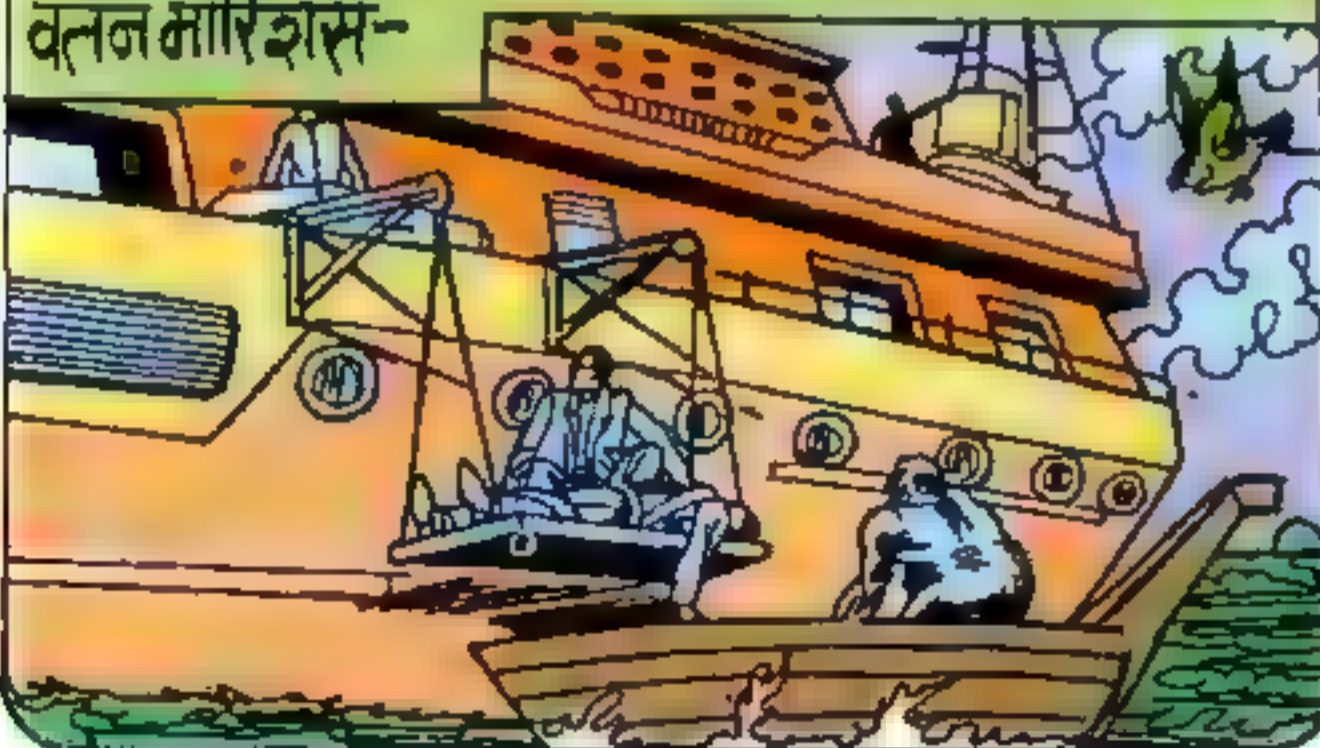
समुद्र तट पर मछुआरों की कुछ नावें बंधी हुई थीं। किंग ने उनमें से एक नौका को खोलकर उसमें मुके लिटा दिया और खुद भी उसी नाव में बैठ गया। तब तक मैं दर्द से बेहोश हो चुका था। और नावज्वार के कारण समुद्र में तैरती चली गई-



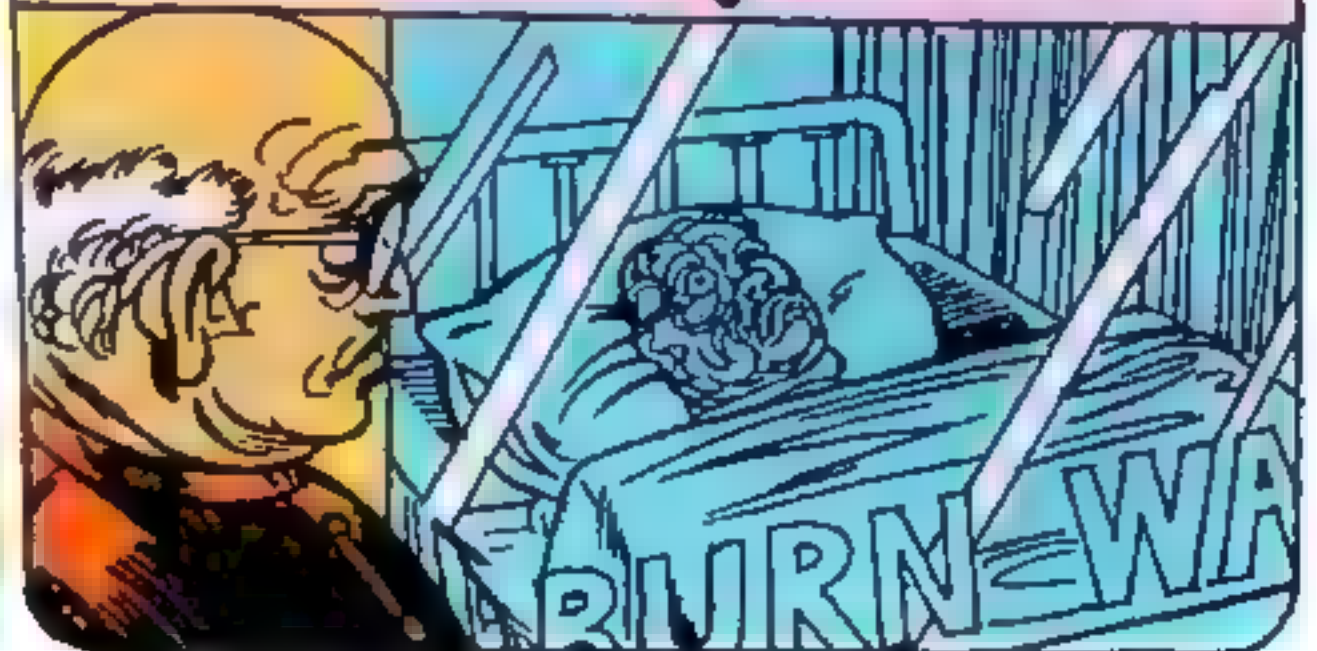
जब मुके होश आया तो पता नहीं कितना समय निकल चुका था। शायद दोपहर हो चुकी थी। लेकिन नाव में एक यात्री बढ़ गया था। काकातुआ भी अपने पिंजरे से आजाद होकर मुके दूँदता हुआ नाव पर आबैठा था। उस वक्त अगर काकातुआ न आता तो मैं जिन्दा नहीं बचता-



क्योंकि उस वक्त काकातुआ ने उड़कर पास से गुजरते एक जहाज को दूँद निकाला। किस्मत की बात यह थी कि वह जहाज मॉरिशस जा रहा था। मेरे वतन मॉरिशस-



मैं मॉरिशस का ही रहने वाला हूँ। कई दस्तावेजों पर मेरा स्थायी पता मॉरिशस का ही है। वहाँ पर मेरा भाई रहता है। इस तरह किस्मत ने मुके बचा भी लिया और मुके अपने घर तक पहुँचा भी दिया-



मेरे भाई की समाचार-साध्यों के जरिए से जुपिटर सर्कस की तबाही का सारा किस्सा और कारण तो मालूम हो गया था, लेकिन फिर भी उसकी यह शक बना रहा कि कहीं यह सब कांड मेरी हत्या के लिए ही न रचा गया हो। इसीलिए उसने किसी को भी मेरे जिन्दा बचने की सूचना नहीं दी...



... मेरी हालत बहुत खराब थी। मेरा पूरा दायां अंग बुरी तरह आग में कुलस गया था। मेरे बूढ़े शरीर को पूरी तरह से ठीक होने में दो साल से भी ज्यादा का समय लगा गया। और ताकत वापस आने में एक साल और... इस दौरान मुझे तुम्हारी खबर समाचारों के जरिए मिलती रही। तुम्हारा हर कारनामा मेरे सीने को और चौड़ा कर देता था। मैं तुमसे मिलने का प्रोग्राम बना ही रहा था-



कितनी, क्षितिज पर एक नया तूफान मंडराने लगा-

जब मेरे भाई ने मुझे वह सामान दिरवाया जो सर्कस के जले मलबे से निकला था। और जिसे भारतीय अधिकारियों ने मेरे स्थायी पते पर चानी मेरे भाई के पास भिजवा दिया था-



उसी सामान में था वह छोटा सा बक्सा, जो इयान के हाथों में उस वक्त था, जिस वक्त वह मुझे घायल अवस्था में मिला था-

और जिसे मैंने कभी खोलकर इसलिये नहीं देखा था क्योंकि उसके बारे में भूल चुका था।...



बक्सा? पिताजी का बक्सा? क्या था उस बक्से में? और... और पापा आपकी घायल अवस्था में कहां पर मिले थे? किसने घायल किया था उनकी?

लेकिन इससे पहले कि जैकब कोई जवाब दे पाता, बाहर से आती चीखों की आवाज ने ध्रुव का ध्यान अपनी तरफ खींच लिया-

ओह! मेरे छिप जाने के कारण मधुमक्खियों ने बाहर लोबों पर हमला करना शुरू कर दिया है। मुझे जाना होगा अंकल!...

... वरना मेरे कारण कई लोबों की जान खतरे में पड़ जा सकती है। इन मक्खियों को नष्ट करना होगा। लेकिन मैं इनको नष्ट कैसे...

मुझे आपसे थोड़ी सी मदद चाहिए अंकल जैकब। आपके दस्ताने हेट और ओवर कोट!

ले जाओ ध्रुव! वैसे भी मेरे हाथ पैरों में अभी इतनी ताकत बाक नहीं आ पाई है कि मैं अपने आप यहां से हिल भी सकूँ।

... वह अस्पताल... यहीं पर के बाहर बनी मक्खियों की कैंटीन!... ले जाना होगा!

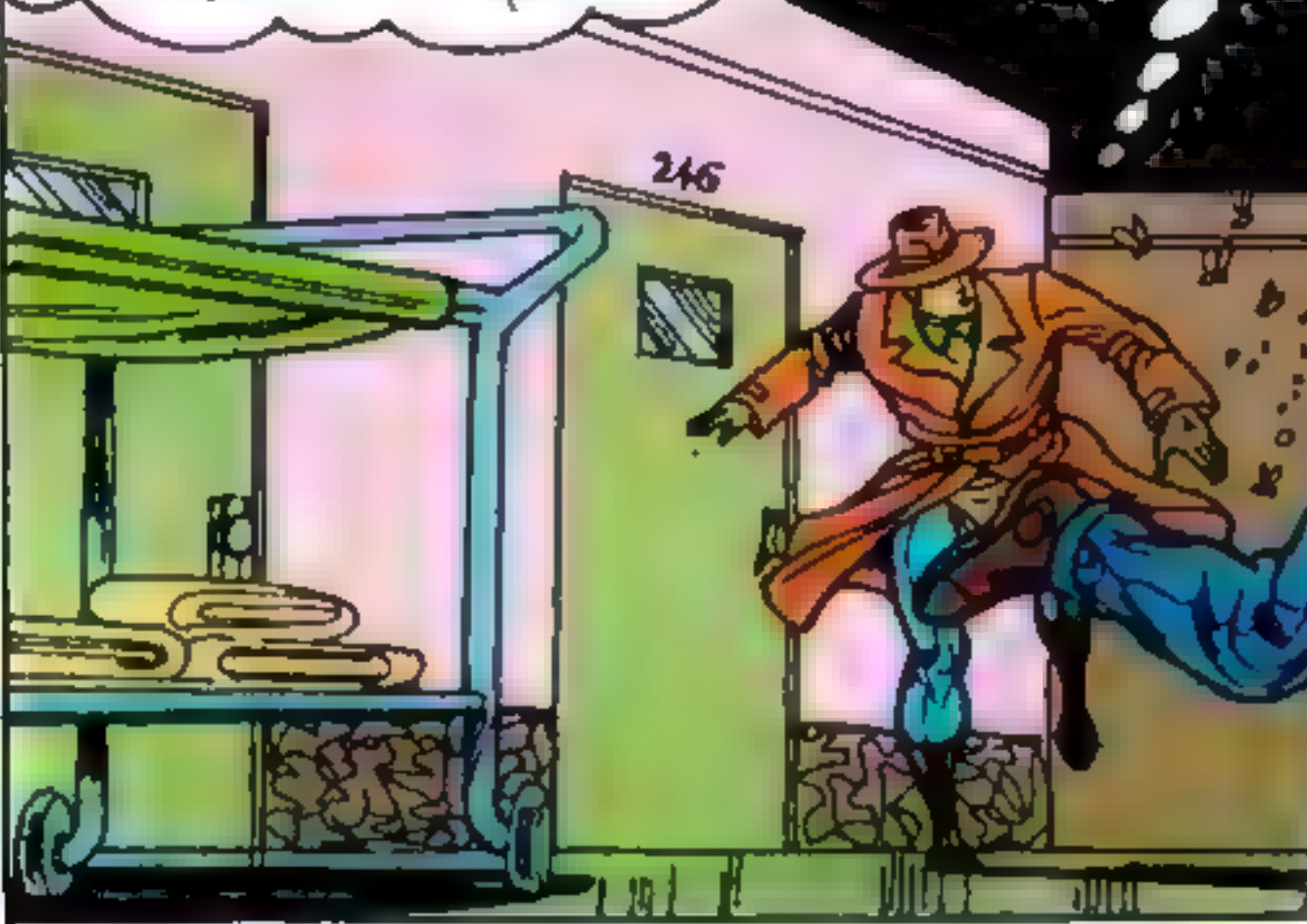
और जब ध्रुव स्टोर रूम से बाहर निकला तो वह भी मक्खियों के लिए तैयार था-

और मक्खियां भी उसके लिए तैयार थीं-

अब मेरा पहला काम आस-पास फैली मक्खियों को अपने पीछे लगाना है। और यह काम मुश्किल नहीं होना चाहिए। क्योंकि इन मक्खियों को मुझ पर हमला करने के लिए ही सधाया गया है।...

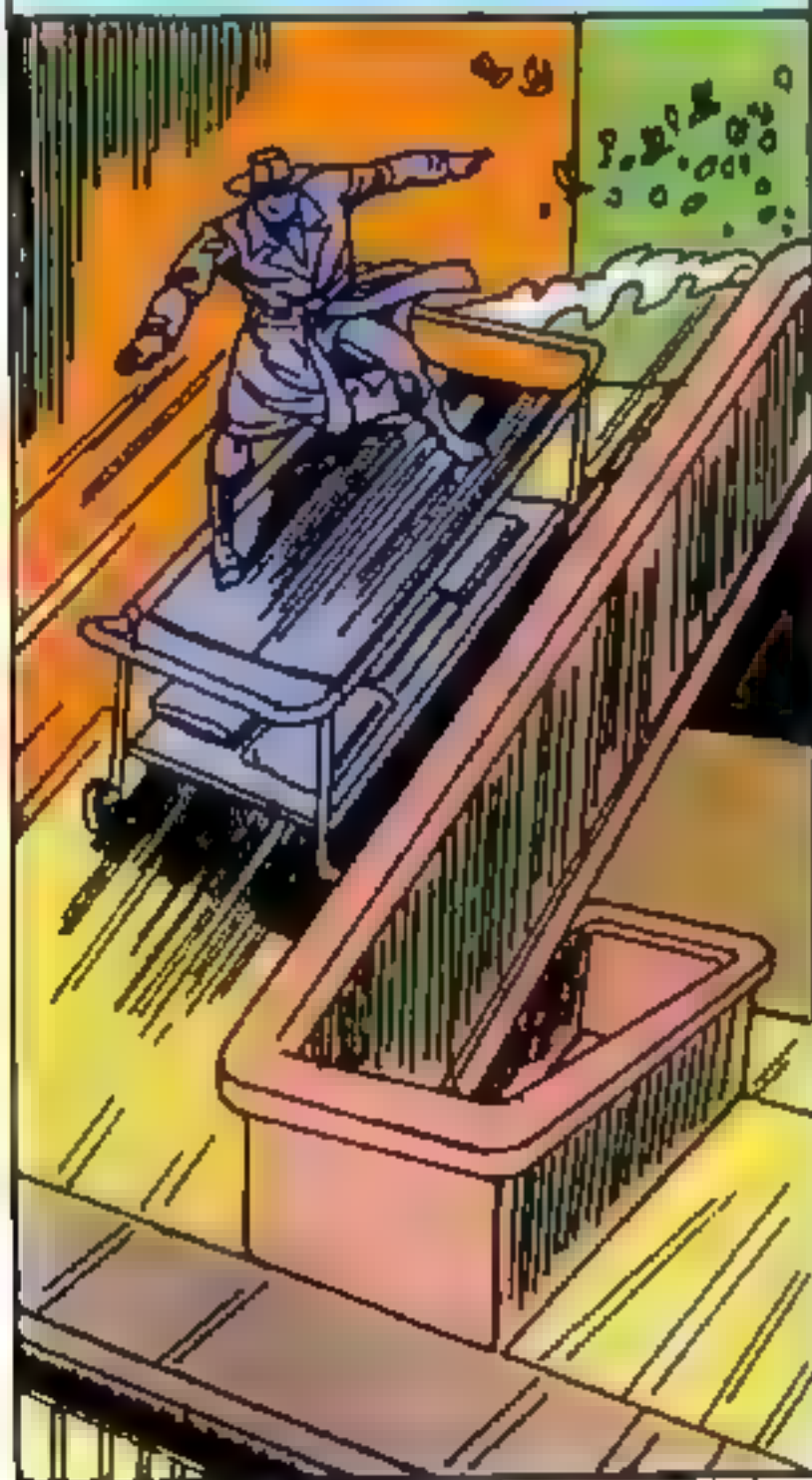
... मुश्किल काम तो इन मक्खियों को डंक मारने से रोकना है। इसमें ओवरकोट और हैट मेरी मदद तो करेंगी...

... लेकिन फिर भी मुझे इसरेस में मक्खियों से आगे ही रहना है!



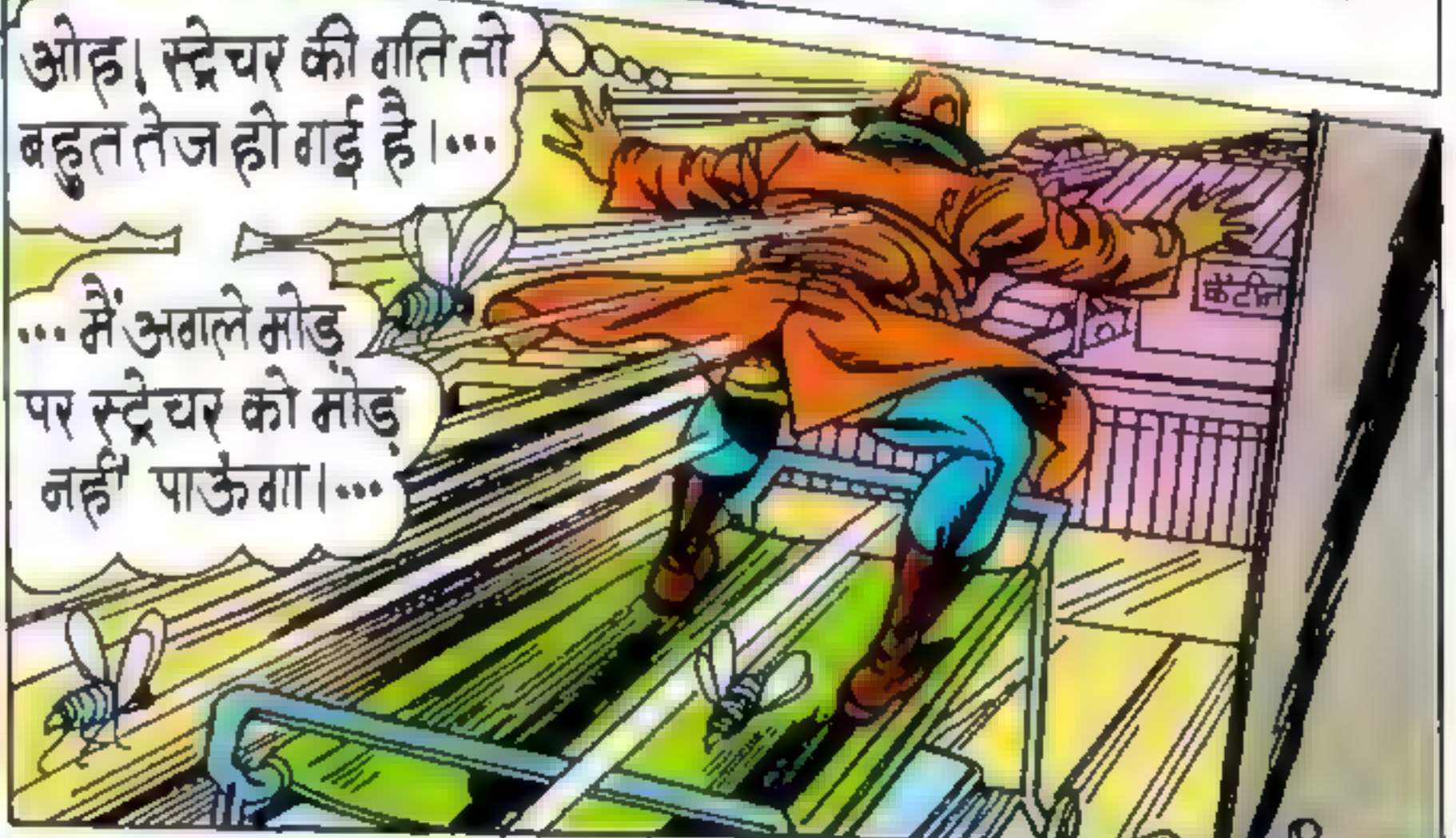
और इस काम के लिए इस स्ट्रेचर की मदद ली जा सकती है।

मरीजों को उतारने के लिए बने 'रेम्प' पर स्ट्रेचर तेजी से नीचे फिसलने लगा-



ओह! स्ट्रेचर की गति तो बहुत तेज हो गई है।...

... मैं अगले मोड़ पर स्ट्रेचर को मोड़ नहीं पाऊंगा।...



... स्ट्रेचर रेलिंग से टकराएगा और मैं हवा में उड़ता हुआ नीचे पहुंच जाऊंगा!



स्टारलाइन फेंक पाने का वक्त ही नहीं है। क्यों कि ऊंचाई काफी नहीं है!



... और इसकी मदद से आराम से नीचे उतरा जा सकता है ... मैं कैंटीन के सामने ही उतरा हूँ और फिलहाल सारी मक्खियाँ अभी थोड़ी पीछे रह गई हैं।...



... अब यहीं पर उन मक्खियों की चिता बनेगी। शहद का इन्तजाम न हो पर आवा इकट्ठा करने वाले तो धुआँ का इन्तजाम जरूर होगा।... करके मक्खियों को भगाते हैं...



... बाह! कैंटीन खाली है। सभी मक्खियाँ से डर कर भाग चुके हैं। मेरा काम काफी आसान हो गया!

अब 'स्ट्रेचर' से गिरी ये चादर ही मुझे बचा सकती है। इसके चारों कोनों को पकड़कर इसकी पैराशूट का सारा रूप दिया जा सकता है...

ध्रुव ने सबसे पहले कैंटीन के किचन में घुसकर गैस चूल्हों के बर्तनों की पूरा खोल दिया-



किचन में ज्वलनशील गैस तेजी से भरने लगी-



और मधुमक्खियों के किचन में आने तक ध्रुव खिड़कियाँ भी बन्द कर चुका था-

मुझे मक्खियों को किचन में ही रोक कर रखना है। इसलिये तब तक मुझे भी यहाँ रुकना होगा ...

... और इसमें पानी से भरा यह ड्रम मेरी मदद करेगा। इसमें घुसना पड़ेगा!



हाथ में गैसलाइटर लेकर ध्रुव पानी से भरे ड्रम में घुस गया-

कुछ ही सेकंडों में किचन मधुमक्खियों से पूरी तरह से भर गया था-



लगभग पचास सेकंड हो चुके हैं। अब तक किचन में कुकिंग गैस पूरी तरह से भर चुकी होगी, और सिलेंडर खाली हो गया होगा। यानी आग लगाने पर कोई विस्फोट नहीं होगा।...

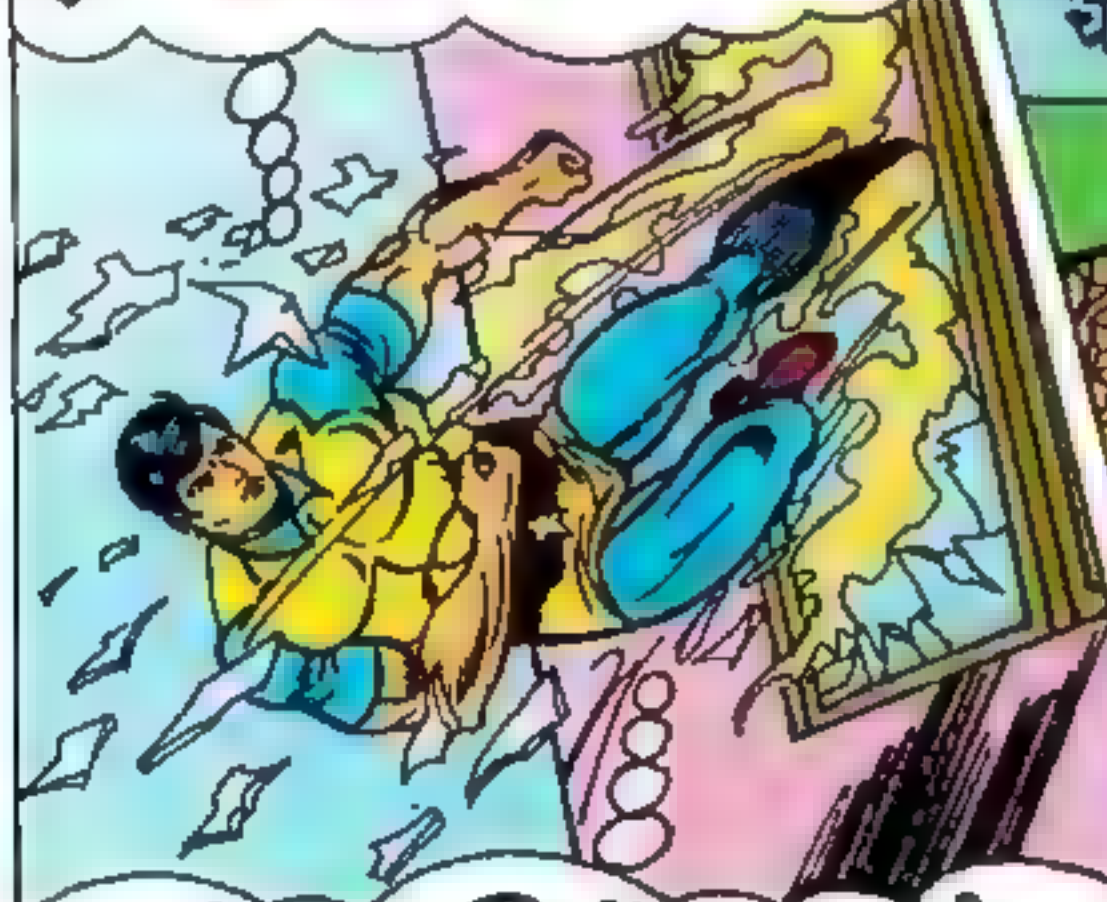
... अब आग लगाने का समय आ गया है। गैस लाइट जलाते ही चिंगारी फूटेगी...



... और पूरा किचन आग की लपटों से भर जाएगा। मक्खियों को मरने में एक पल से ज्यादा समय नहीं लगेगा...

... और इससे पहले कि आग की लपटें मेरे शरीर को आंच पहुंचा पाएं...

... मेरा गीला शरीर कांच तोड़ता हुआ, सुरक्षित बाहर आ गिरेगा!



चलो! मधुमक्खियों का आतंक तो खत्म हुआ। अब अंकल जैकब की खैरियत पूछी जाए। कहीं वह 'बी-यर्ड' होश में न आ गया हो...

लेकिन स्टोर रूम के बाहर पहुंचकर ध्रुव आश्चर्यचकित रह गया-



अरे! बी-यर्ड तो यहां से गायब है। इतनी जल्दी उसे होश कैसे आ गया?

... कहीं उसने असहाय अंकल जैकब को...

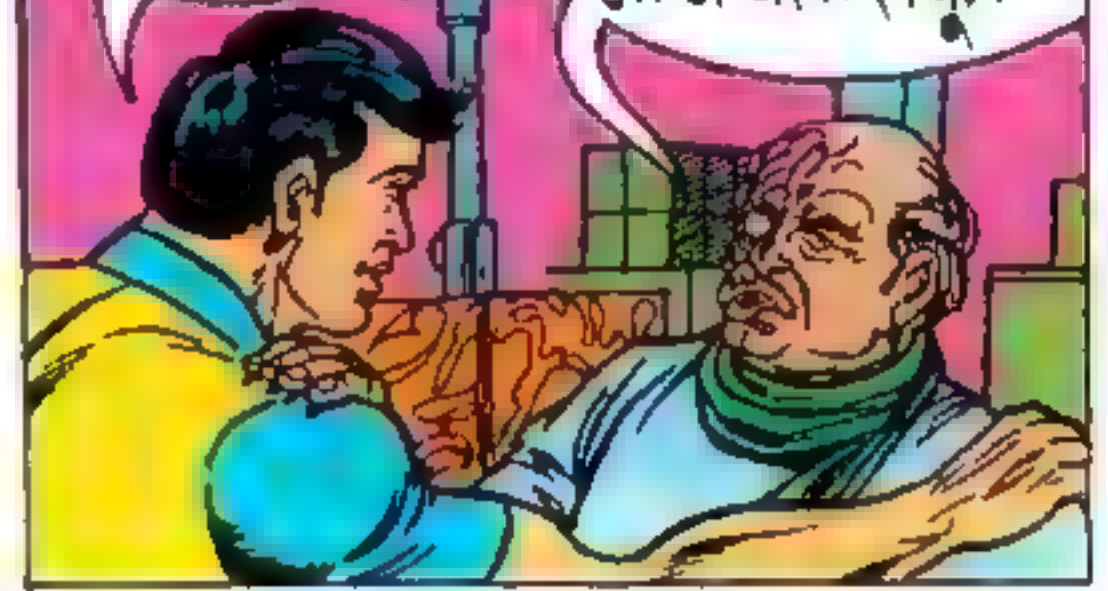
... लेकिन स्टोर रूम में घुसते ही धुव की जान में जान आ गई-

ओह! आप ठीक हैं अंकल! मैं तो समझा कि उस बी-यर्ड ने होश में आकर आपको...



... स्वेर छोड़िए। आइए मैं आपको यहां से ले चलता हूं। अब खतरा खत्म हो चुका है।

नहीं धुव! खतरा अभी भी मौजूद है। और यह सब मुझे मारने के लिए है ताकि मैं तुमको कुछ भी न बता सकूँ।



अभी तक तो मैं तुमसे इसलिए छिप रहा था कि कहीं अपने पिता इयाम के बारे में सचचाई जानकर तुमको आघात नहीं पहुंचे। और मैं लूका को भी यही बताने से रोकना चाहता था। पर अब अगर मैं तुमको कुछ भी बताऊँ बगैर मर गया तो फिर सचचाई तुमको कहीं से भी पता नहीं चल पाएगी।



पिताजी के बारे में सचचाई?

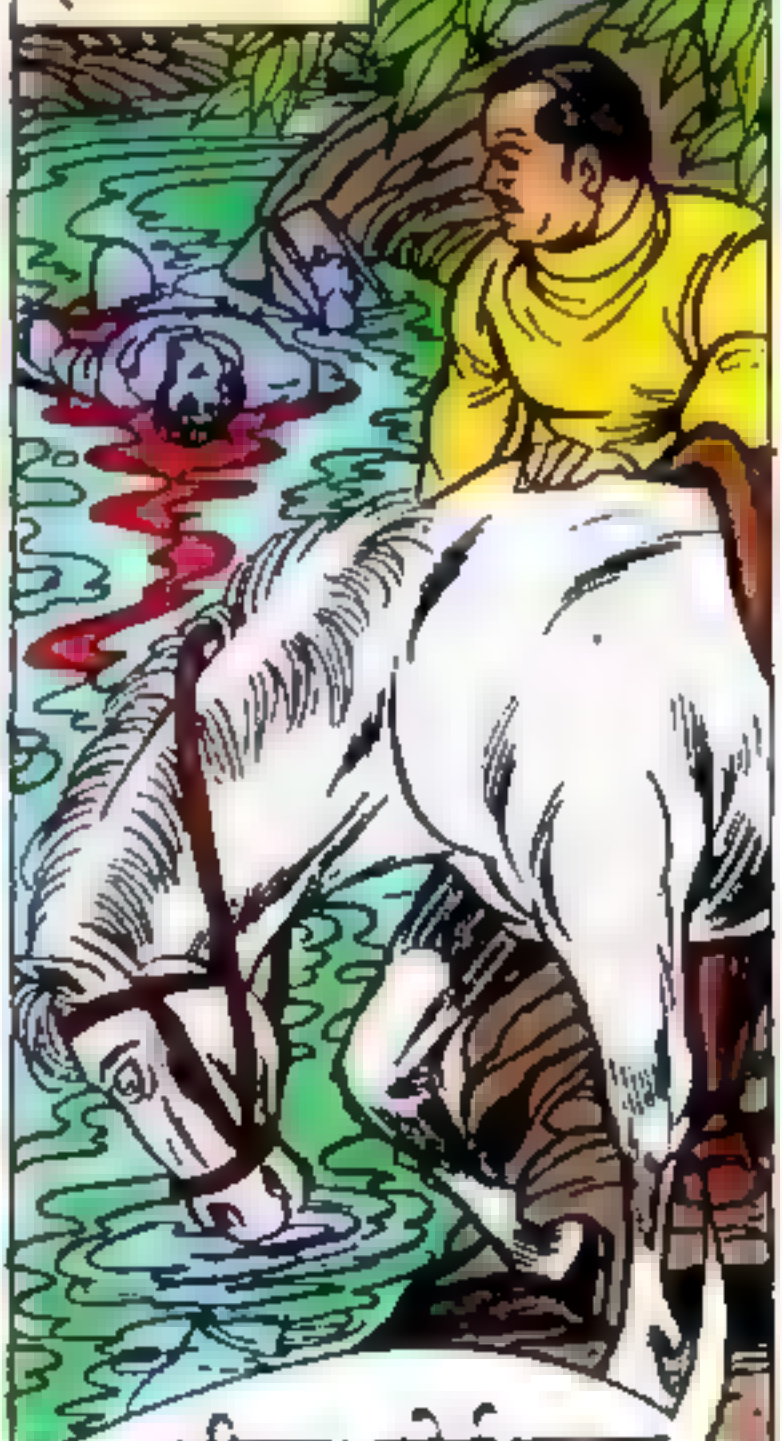
आप... आप जानते थे? क्या उनका नाम रघुवंशी था? इयाम नहीं!

सुनो। मैं तुमको सारी बात सिलसिले से सुनाता हूं... पच्चीस साल पहले की बात है। उस वक्त जुपिटर सर्कस के दो कई देशों में होते थे... और उस बार हमारा सर्कस फ्रांस के एक शहर लियोन में चल रहा था...



मेरा एक बहुत प्यारा घोड़ा था, सीजर। हर सुबह उस पर बैठकर मैं सैर के लिए जाता था। दोनों की वर्जिज हो जाती थी...

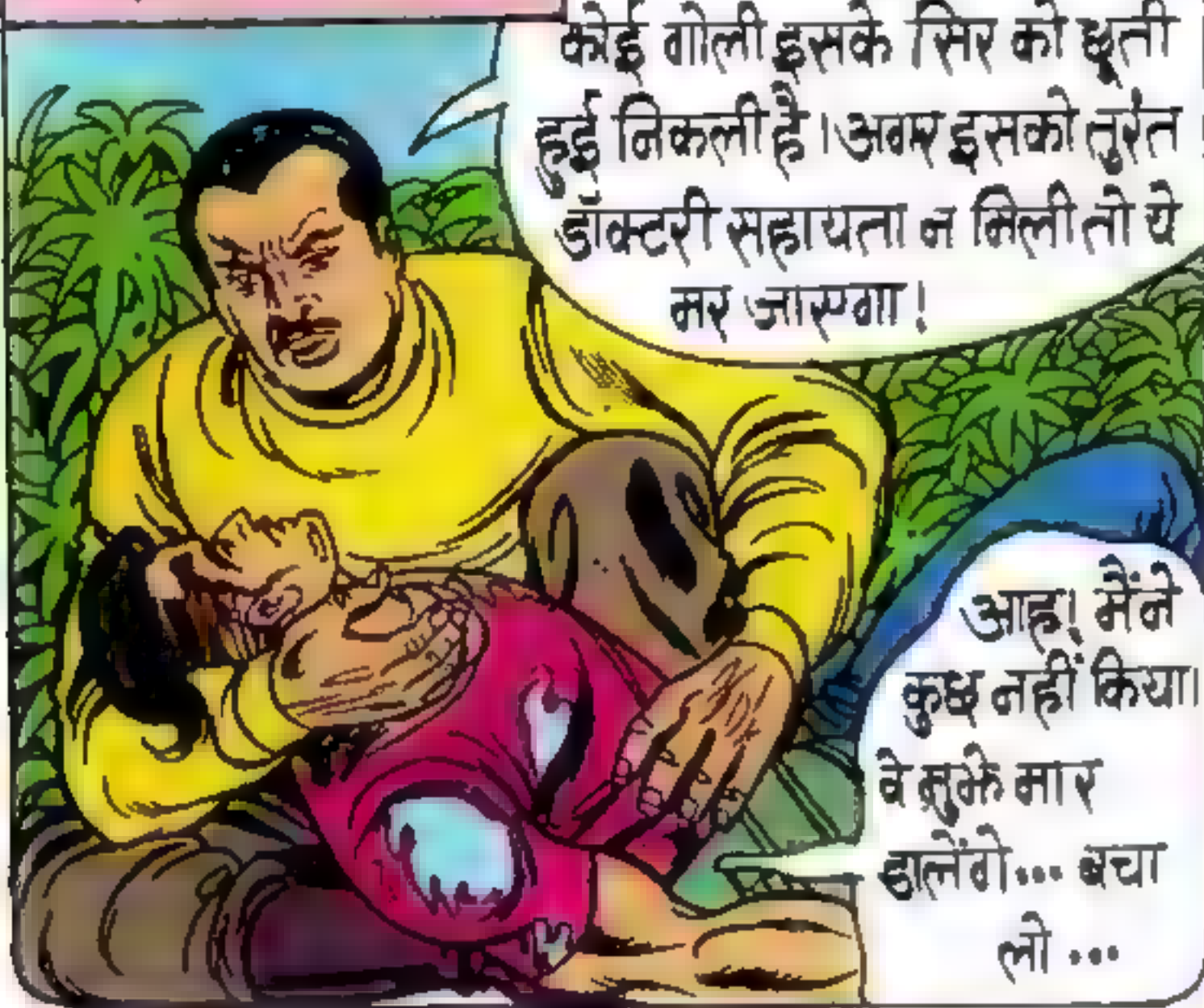
उस दिन सुबह जब मैं सीजर को नदी से पानी पिला रहा था एकदम नदी का पानी लाल होने लगा-



सीजर! कोई घायल बहता हुआ इधर ही आ रहा है। जिन्दा है या मर गया है?

मैंने उस व्यक्ति को नदी से बाहर खींच लिया-

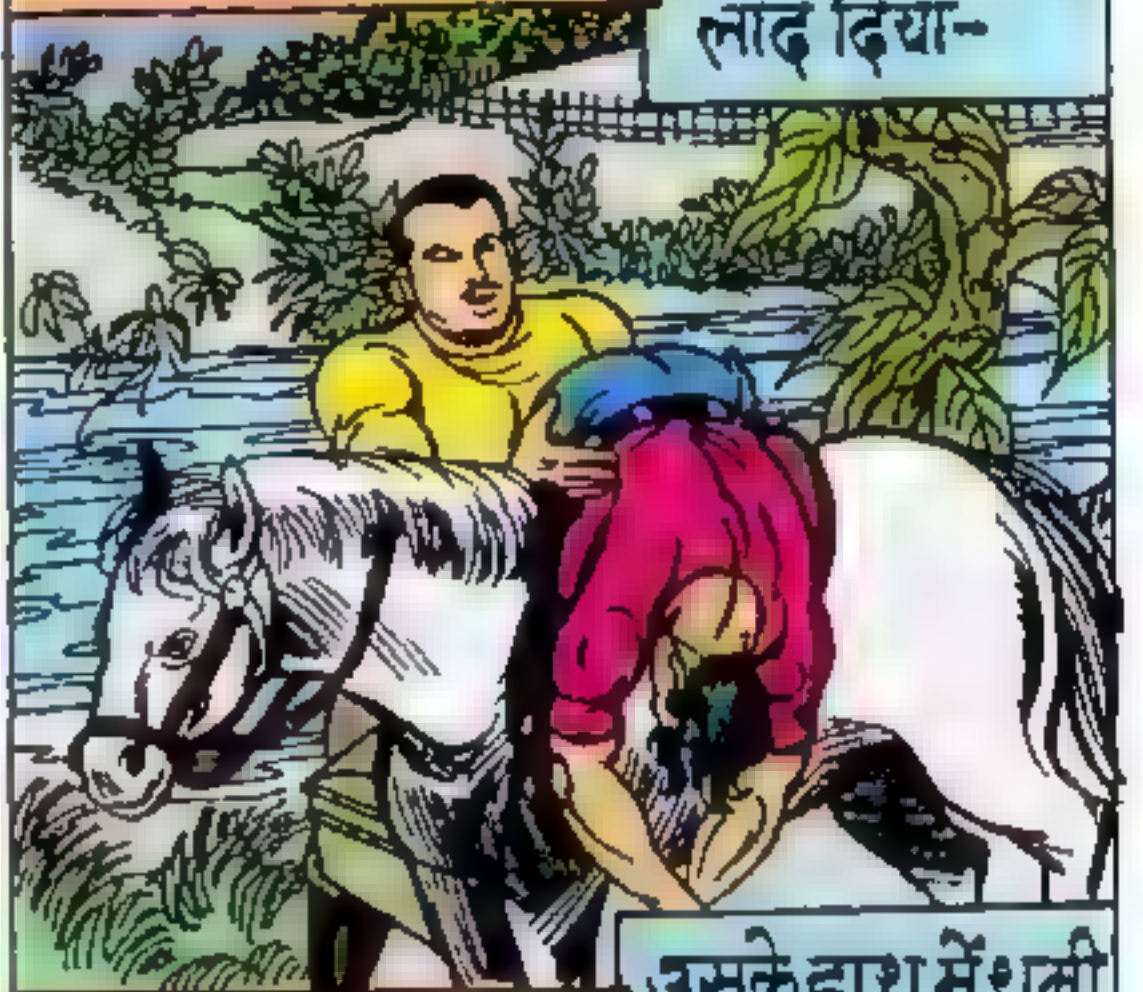
ये तो जिन्दा है। और यह तो भारतीय लग रहा है। लेकिन कोई गोली इसके सिर को छूती हुई निकली है। अगर इसकी तुरंत डॉक्टरी सहायता न मिली तो ये मर जाएगा!



आह! मैंने कुछ नहीं किया। वे मुझे मार डालेंगे... बचा लो...

इतना बोलते-बोलते वह जवान बेहोश हो गया-

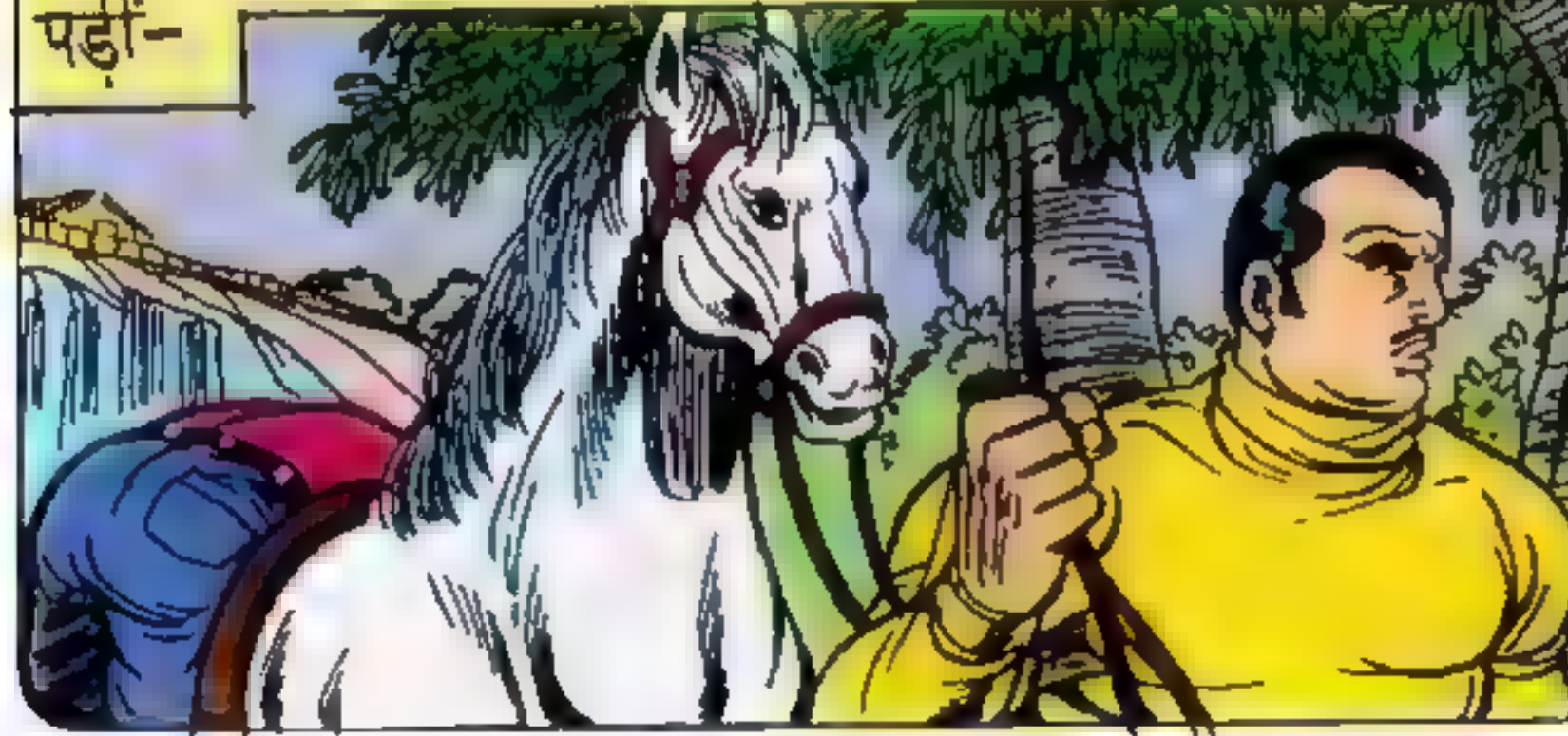
मैंने उसकी तुरन्त सीजर पर लाद दिया-



ताकि मैं उसकी डॉक्टरी सहायता पहुंचाकर उसकी जान बचा सकूं-

उसके हाथ में थमी सब्दूचकी भी मैंने सीजर पर ही बांध दी-

मैं उसको लेकर वहां से चलने ही वाला था कि तभी कड़ियों के पीछे से मुझे कुछ लोगों के बातें करने की आवाजें सुनाई पड़ीं-



तुमने ही तो कहा था कि वह हमको दिखे या पुलिस को, जिसे पहले दिखे, वही उसे गोली से उड़ा दे!

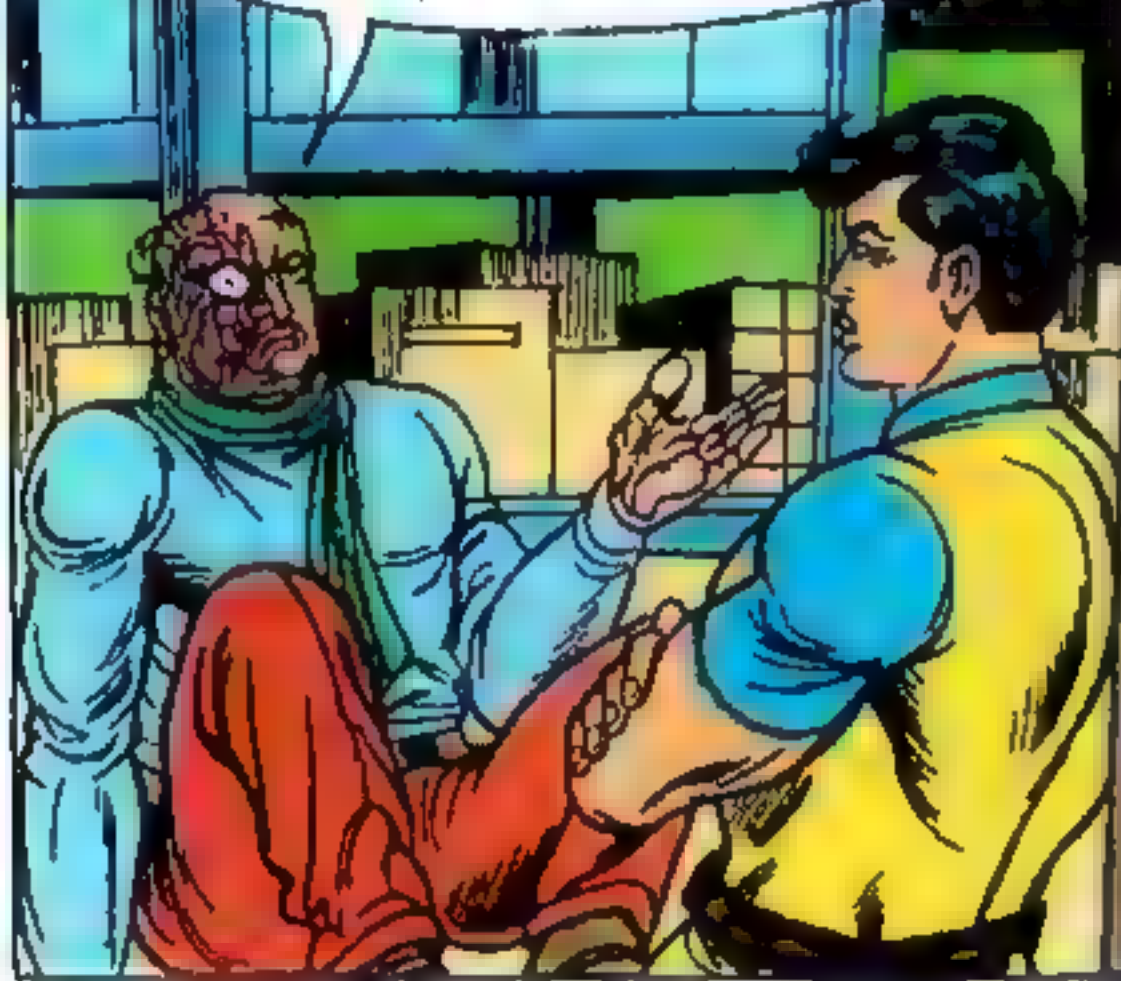
उस समय मुझे यह नहीं पता था कि तुम्हारा निशाना इतना कच्चा है...

... अब अगर वह बच गया तो सतर्क हो जाएगा! और उसको पकड़ना और मुश्किल हो जाएगा!

एक पुलिस इंस्पेक्टर कुछ अपराधी टाइप लोगों से बातें कर रहा था। बातचीत फ्रेंच में हो रही थी, लेकिन फ्रेंच भाषा मुझे आती है। इसलिए मैं उनकी बातें समझ रहा था-



मुझे आभास हो गया कि इस घायल भारतीय युवक के खिलाफ अपराधी और पुलिस ने मिलकर कोई षड्यंत्र रचा है। और अगर यह युवक इनके हाथों में आ गया तो तुरन्त मार डाला जाएगा। अब मेरे सामने एक समस्या खड़ी हो रही थी।...

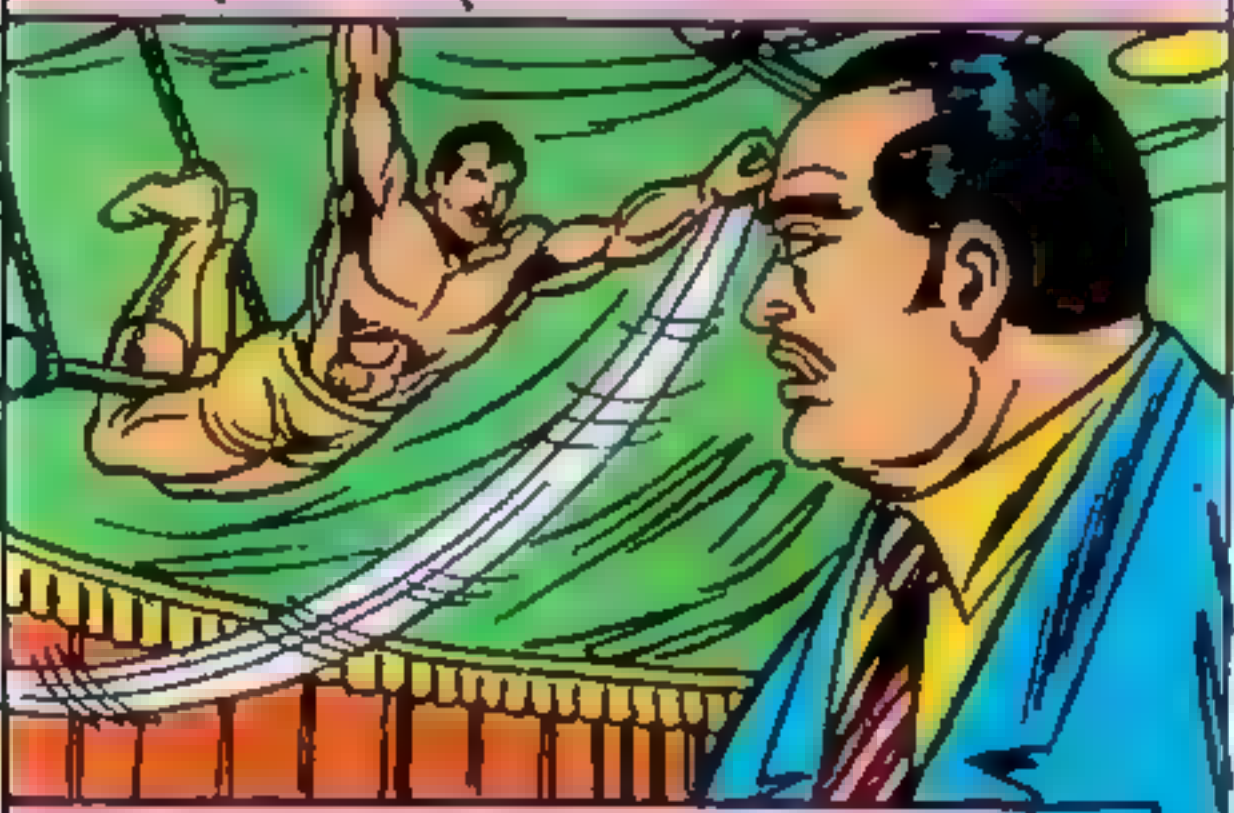


... क्योंकि उसी शाम, ज़ुपिटर सर्कस को फ्रांस के जहाज द्वारा भारत रवाना हो जाना था। उस युवक को फ्रांस में छोड़ जाने का अर्थ था, उसकी इतिहास भूल। मैंने उसको भारत ले जाने का फैसला कर लिया। ताकि जब वह ठीक हो जाए तो मुझे अपनी कहानी सुना सके। और फिर मैं उसी के अनुसार काम कर सकूँ।



लेकिन वह दिन कभी नहीं आया-

क्योंकि अपने जहाज में छिपाकर मैं उस युवक को भारत तक ले आया था, और समय के साथ-साथ उसका घाव भी ठीक हो गया। पर सिर में गोली लगाने के कारण उसकी याददाश्त जाती रही थी। वह अपना असली नाम मुझे कभी नहीं बता पाया। उसको मैंने एक नया नाम दिया- इयाम और वह एक महान कलाबाज बन गया-



वह जिया भी ज़ुपिटर सर्कस के लिए और मरा भी ज़ुपिटर सर्कस के लिए-

इस दौरान कई सारी परेशानियों के कारण उस बक्से के बारे में मैं एकदम भूल गया जो इयाम के हाथों में था। और यही बक्सा भारतीय अधिकारियों ने मॉरिशस मेरे भाई के पास भेजा था-



क्या था, उस बक्से में अंकल?

उस बक्से में कुछ कपड़े थे। थोड़े फ्रांसीसी पैसे यानी फ्रैंक और एक फोटो!

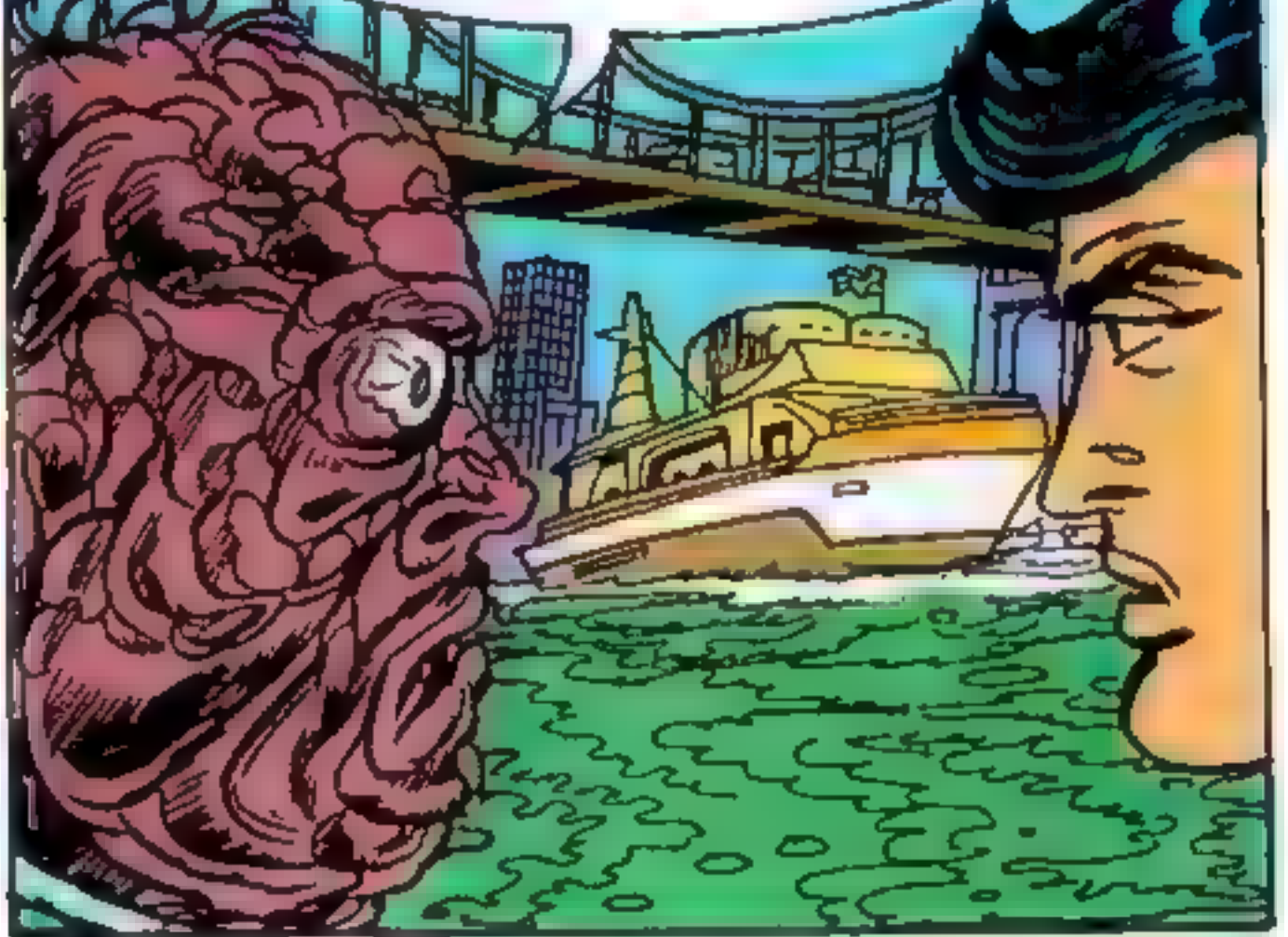


फोटो?

हां! एक फोटो! जिसमें 'इयाम' एक लगभग 30 वर्ष के आदमी और 25 वर्ष की महिला के साथ खड़ा हुआ था। आगे व्हील चेयर पर एक पचास साल का आदमी भी बैठा हुआ था। पीछे बैकग्राउंड में एक विशाल और भव्य घर भी था।...



... मैं समझ गया कि ये जरूर इयाम के संबंधी होंगी। पच्चीस वर्ष पहले हुई घटना मेरे दिमाग में एक बार फिर कुलबुलाने लगी। साथ ही साथ इयाम के संबंधियों को यह बताने की कोई इच्छा भी हुई कि इयाम के एक बेटा भी है... मैं तुरन्त 'ल्योन' के लिए खाना ही भेजा... एक खरीदी हुई शिप पर!



वहां पर इयाम के साथ हुरु हादसे की ध्यान में रखते हुए मैं किंग और काका-तुआ को भी साथ में ले गया। काकातुआ को मैंने फ्रांस में ही खरीदा था। क्योंकि वह अंग्रेजी के साथ-साथ फ्रांसीसी भी समझ लेता था। उससे मुझे काफी मदद मिलने की उम्मीद थी।...



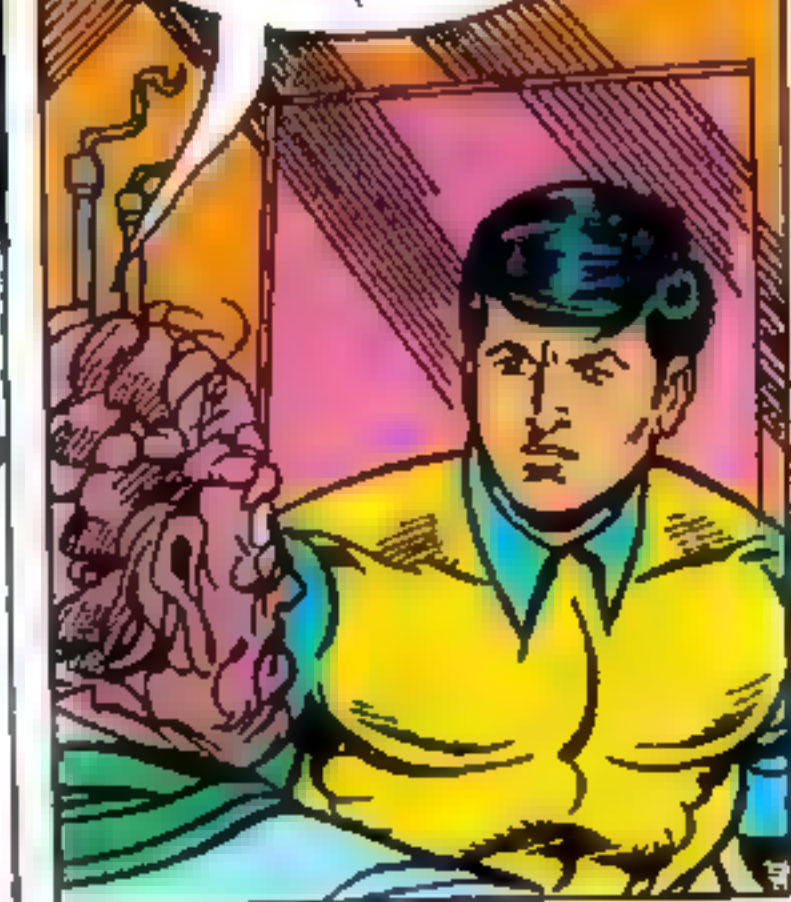
... मेरे पास इयाम के संबंधियों की ढूंढने के लिए सिर्फ एक सूत्र था...

... वह आलीशान मकान! ल्योन पहुंचकर उस मकान को ढूंढने में मुझे कोई दिक्कत नहीं हुई...



... लेकिन इससे पहले कि मैं उस एस्टेट नुमा मकान में घुसता, मेरी नजर उन्हीं दोनों व्यक्तियों पर पड़ी, जो पुलिस के साथ पिस्तौल लिए इयाम का पीछा कर रहे थे। इतने सालों बाद भी मैं उनको पहचान गया।...

... उनको एस्टेट के अन्दर खुले आम घूमते देखकर मेरा माथा ठनक गया। मैंने भी कुछ कहने से पहले सुनने की की ठान ली, और काकातुआ की सारी बातें सुनने के लिए एस्टेट के अन्दर भेज दिया...



... और उसी से मुझे पता चला
उस योजना का, जो तुमको मारने
के लिए बनाई जा रही थी।

कैसी योजना ?
और मुझे मारने
के लिए क्यों ?

बस ! जितना बोलना
था, वह तुमको चुका
बूढ़े ! ... और मुझे तैरे
बारे में जितना जानना था
वह मैं जान चुका !

अब तु कभी
नहीं बोलेंगा !

लूका ! यानी वही
नकाबपोश ! पर... पर
यह स्टोररूम में छिपा
कर रहा था ? और...
यह लूका आखिर है
कौन ?

लूका !

इससे पहले कि जैकब कोई जवाब दे पाता, लूका
के एक ही अमानवीय शक्ति से भरे वार ने उसके
होशोहवास छीन लिए-

अंकल जैकब !

तूने अंकल जैकब पर हाथ उठाया? इसका हर्जाना तुमको अपना मुंह तुड़वाकर चुकाना होगा!

इतनी हिन्दी तो मैं भी समझ लेता हूँ कि तेरी धमकी का मतलब समझ लूँ।...

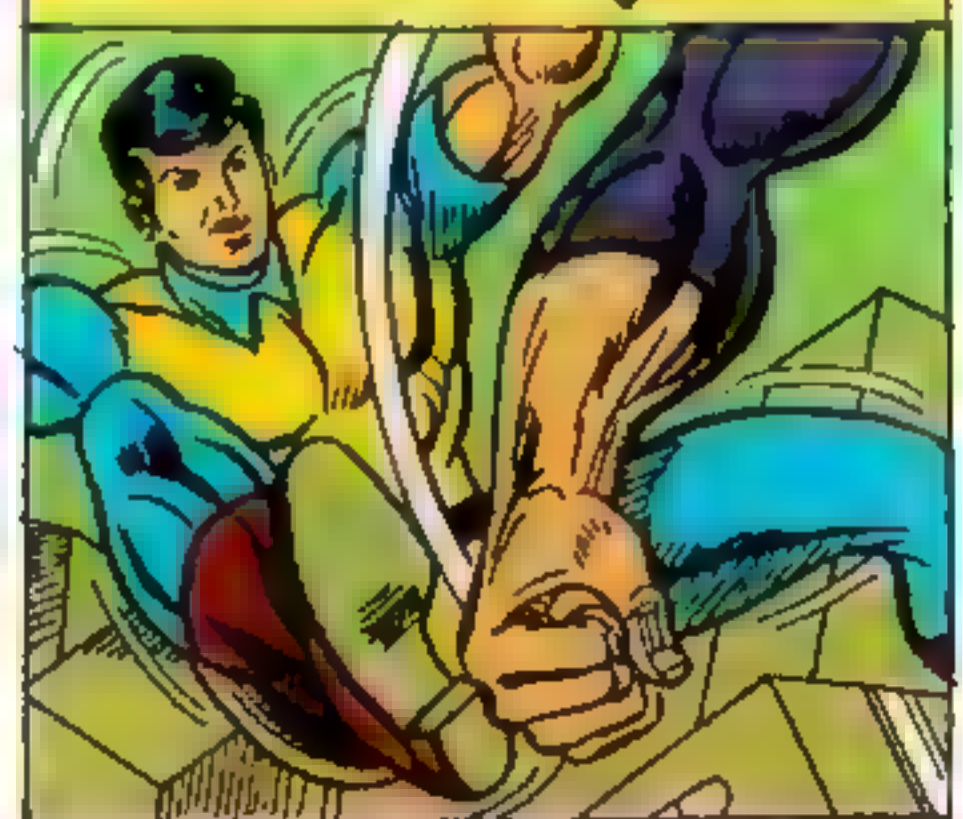
...लेकिन मैं यहां पर अपना मुंह तुड़वाने नहीं, तेरा मुंह बन्द करने आया हूँ।



ध्रुव को लूका की अमानवीय शक्ति का पूरा अन्दाजा था-

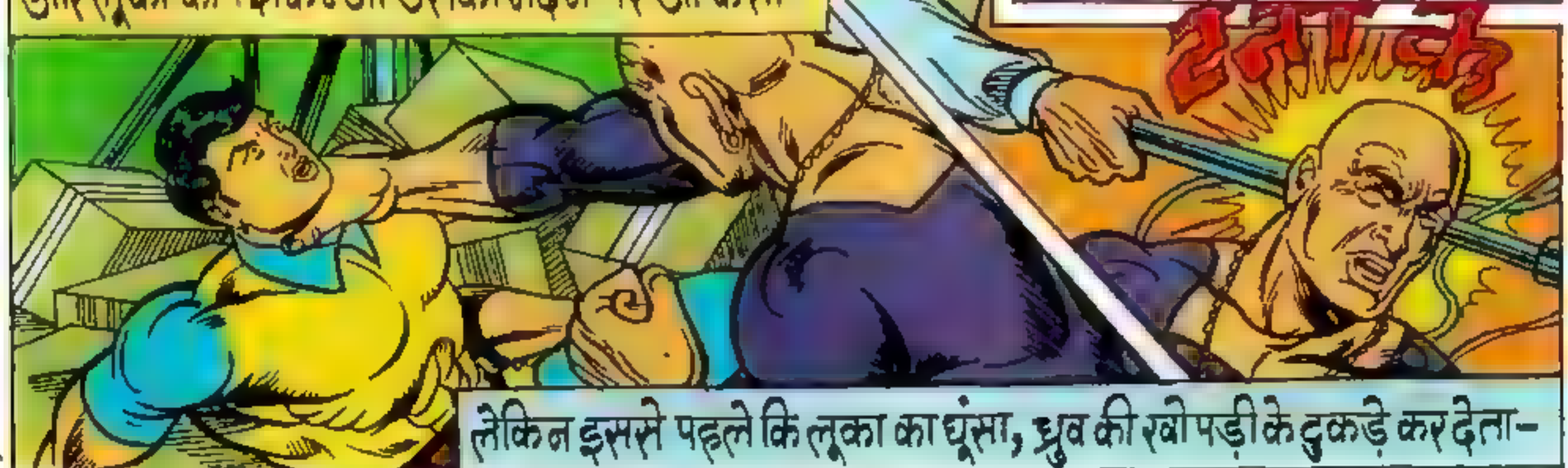
इसने गुरिल्ले किंग तक की पीट-पीटकर घायल कर दिया था। मुझे इसके वारों से बचना होगा, वरना मेरे लिए तो इसके रक-दो बार ही बहुत होंगे!

ध्रुव, लूका के वारों से बच तो रहा था, लेकिन सामानों से भरे स्टोररूम में बचने के लिए जगह बहुत कम थी-



और लूका का शिकंजा उसकी गर्दन पर आ कसा-

ध्रुव रक कार्टन से टकराकर गिरा-



लेकिन इससे पहले कि लूका का घूंसा, ध्रुव की रबो पड़ी के दुकड़े कर देता-

जैकब के चार ने लूका के हाथ रोक लिए-



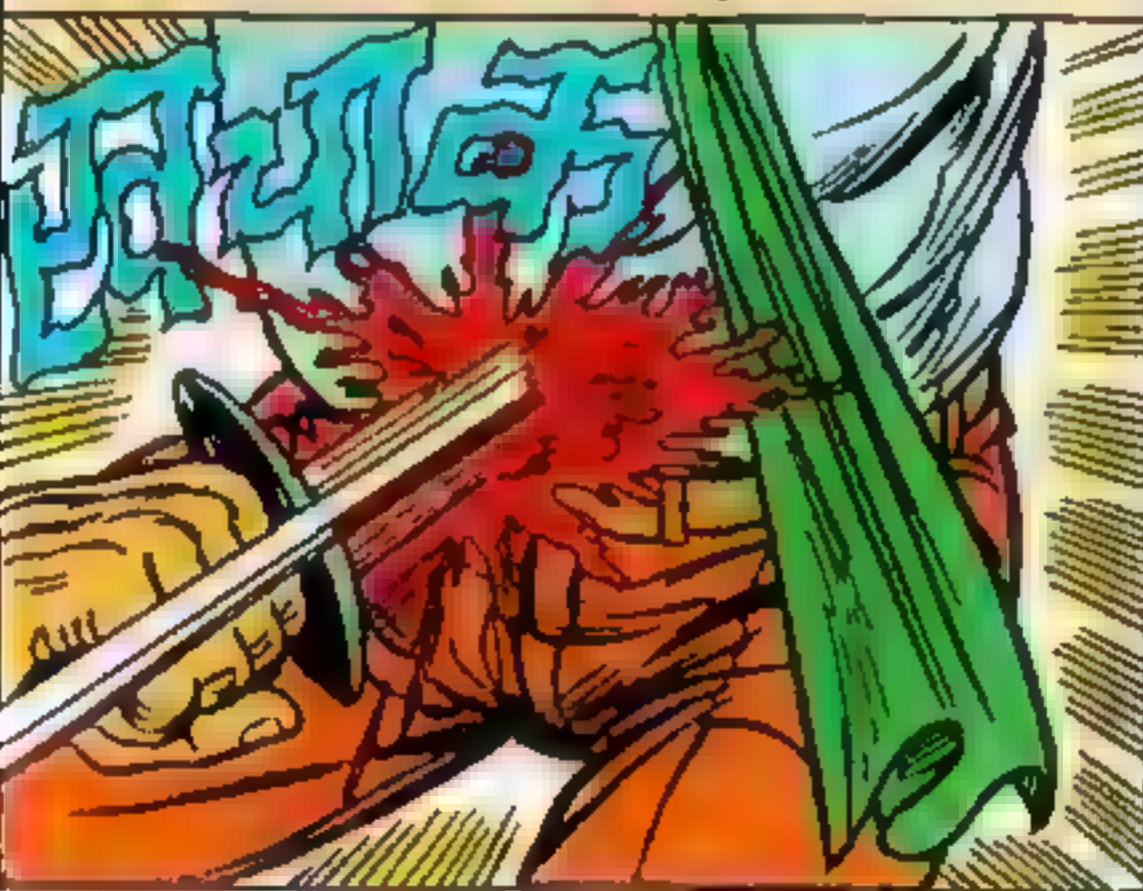
ओह! बड़ी सरवत जान है तु बूढ़े। बड़ी जल्दी होश में आ गया!



लेकिन मैं तुम दोनों को एक साथ संभाल सकता हूँ।

लूका के हाथ में एक लम्बा खंजर चमक उठा-

और जैकब के कुछ समझ पाने से पहले ही खंजर उसके पेट में धंस चुका था-



इस दृश्य ने, ध्रुव से उसके सोचने-समझने की ताकत छीन ली-



आहह!

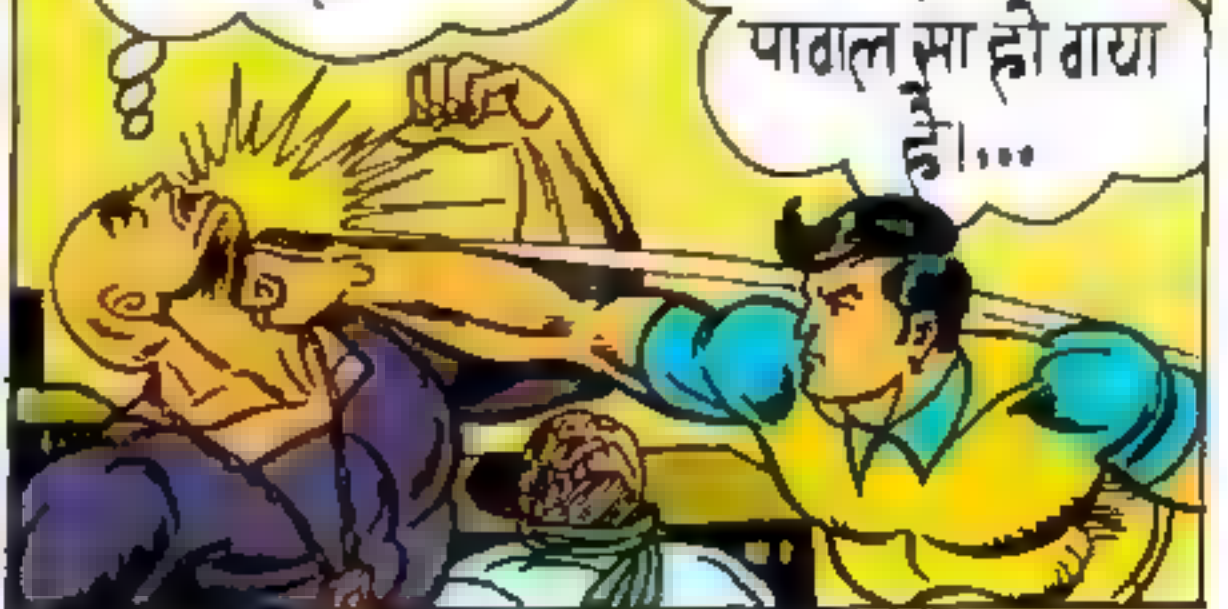
अब तु हत्यारा बन गया है लूका! और हत्यारों को ध्रुव कभी नहीं छोड़ता...

अब ध्रुव, लूका पर भारी पड़ रहा था-



लूका की कैप्सूल खाने के कारण आई अमानवीय शक्ति भी उसकी कोई मदद नहीं कर पा रही थी-

ओह! इस वक्त इसकी मारने की बात तो दूर, मैं अपनी जान ही बचा लूँ तो काफी होगा।...



... इससे दुबारा निपट लूंगा। यह जैकब को घायल देरवकर पाताल सा हो गया है।...

फिलहाल यहां से भाग निकलना ही इस समस्या का एकमात्र हल है।

लूका उसी रीझनदान के रास्ते बाहर निकल गया, जिससे वह अंदर आया था-

ध्रुव, लूका के पीछे नहीं जा सका। क्योंकि उसकी जैकब का हाल देखना था-

घबराइए मत अंकल! चाकू मैंने निकाल दिया है। आप अस्पताल में ही हैं। मदद मिलने में देर नहीं लगेगी।

लेकिन इससे पहले कि ध्रुव मदद के लिए किसी को बुला पाता, स्टीर का दरवाजा अपने-आप खुल गया-

यहां क्या गड़बड़...?

य... यह क्या...?

...तु... तुमने इस आदमी को मार डाला ध्रुव?

मैंने इस आदमी को मारा नहीं बचाया है और इसकी तुरन्त खून की जरूरत है।...

...मुझे सवाल करने के बजाय इसकी डॉक्टर तक पहुंचाओ!

वह तो हम करेंगे ही! लेकिन हाथ में खून सना चाकू, फर्श पर रक्त घायल बूढ़ा और कमरे में किसी और का न होना, यह सारे सबूत तुम्हारे खिलाफ हैं। आई एम सॉरी, पर मुझे तुमको हिरासत में लेना होगा।

कमिशनर राजन को भी सिटी
हॉस्पिटल पहुंचने में देर नहीं लगी-

... और मेरे हाथ में
चाकू देकर इंस्पेक्टर ने
मुझे ही मुजरिम समझ
लिया पापा!

हुम! तो ये है सारी
कहानी! इस पूरी कहानी
में मुझे एक ही बात समझ
नहीं आई। अगर लूका ने
जैकब को मारा है तो इसके
पीछे उसका मकसद क्या
था?

मुझे नहीं
पता!

उसके पास मकसद हो
या न हो, पर तुम्हारे पास
जैकब को खत्म करने के
लिए एक बहुत बड़ा मकसद
है ध्रुव!...

... जैकब ने जुपिटर सर्कस के बीमे में
तुमको बेनेफीशियरी बनाया था।
यानी अगर जैकब नहीं रहता तो बीमे
का पैसा तुमको मिलता। और ऐसा
हुआ भी। जैकब की मरामानकर
बीमे का सारा पैसा तुमको मिला।

और अब जब जैकब
जिन्दा होकर वापस आ
गया तो जाहिर था कि उस
पैसे का पहला हकदार
वही था। तुमने इस डर से
जैकब को मार डाला कि
कहीं वह तुमसे करोड़ों
की सम्पत्ति वापस न
मांग ले!

यह झूठ है पापा! मुझे
आश्चर्य है कि आप मेरी बात
का यकीन नहीं कर रहे हैं!

जो मैं आज कह रहा हूँ, वही कल
सरकारी वकील अदालत में कहेगा!
और इस वक्त मैं तुम्हारा पापा नहीं
पुलिस कमिशनर हूँ!

पुलिस सुबूतों पर चलती है!
अगर तुम लूका के स्टोर रूम में
होने का सुबूत दे सको तो
शायद मैं तुम्हारी बात को सच
मान लूँ।

कैसा सुबूत मांगा रहे हैं, कमिश्नर साहब ?

कुछ नहीं डॉक्टर ! आप बताइए कैसी तबियत है उस घायल बूढ़े की ?

... कमरे में अन्दर आते वक़्त आपलोगों की बातें मेरे कान में पड़ ही गईं ! ध्रुव का तिल नहीं हो सकता ! अभी कुछ ही देर पहले इसने अपनी जान पर खेलकर कई लोगों को मधुमक्खियों से बचाया है ... और इसकी बे-गुनाही का सुबूत मैं लेकर आया हूँ !

कुछ कहा नहीं जा सकता ! खून काफी बह चुका था ! यूसुफ़ कीजिए कि अभी भी वह जिन्दगी और मौत के बीच में झूल रहा है ! पर माफ़ कीजिएगा...

उस घायल व्यक्ति के बारे हाथ के नारून के नीचे हमको एक त्वचा का टुकड़ा मिला था ! जिसकी जाहिर है उसने शायद तभी नोचा होगा, जब उसकी चाकू लगा...

... वह त्वचा उस बूढ़े की नहीं थी ! लेकिन हमने उस त्वचा से डी.एन.ए. प्रिंट निकालकर उसकी ध्रुव के खून के डी.एन.ए. प्रिंट से मैच किया था...

... और दोनों डी.एन.ए. प्रिंट मैच नहीं हुए ! यानी वह त्वचा का टुकड़ा, ध्रुव और उस बूढ़े के अलावा किसी तीसरे व्यक्ति का है, जो उस वक़्त स्टोर रूम में मौजूद था !

ओ थैंक गॉड !

... हालांकि डी.एन.ए. प्रिंट की पूरी मैचिंग में हफ्तों लगे हैं, लेकिन शुरुआती मैचिंग से एक बात यह स्पष्ट होती है...

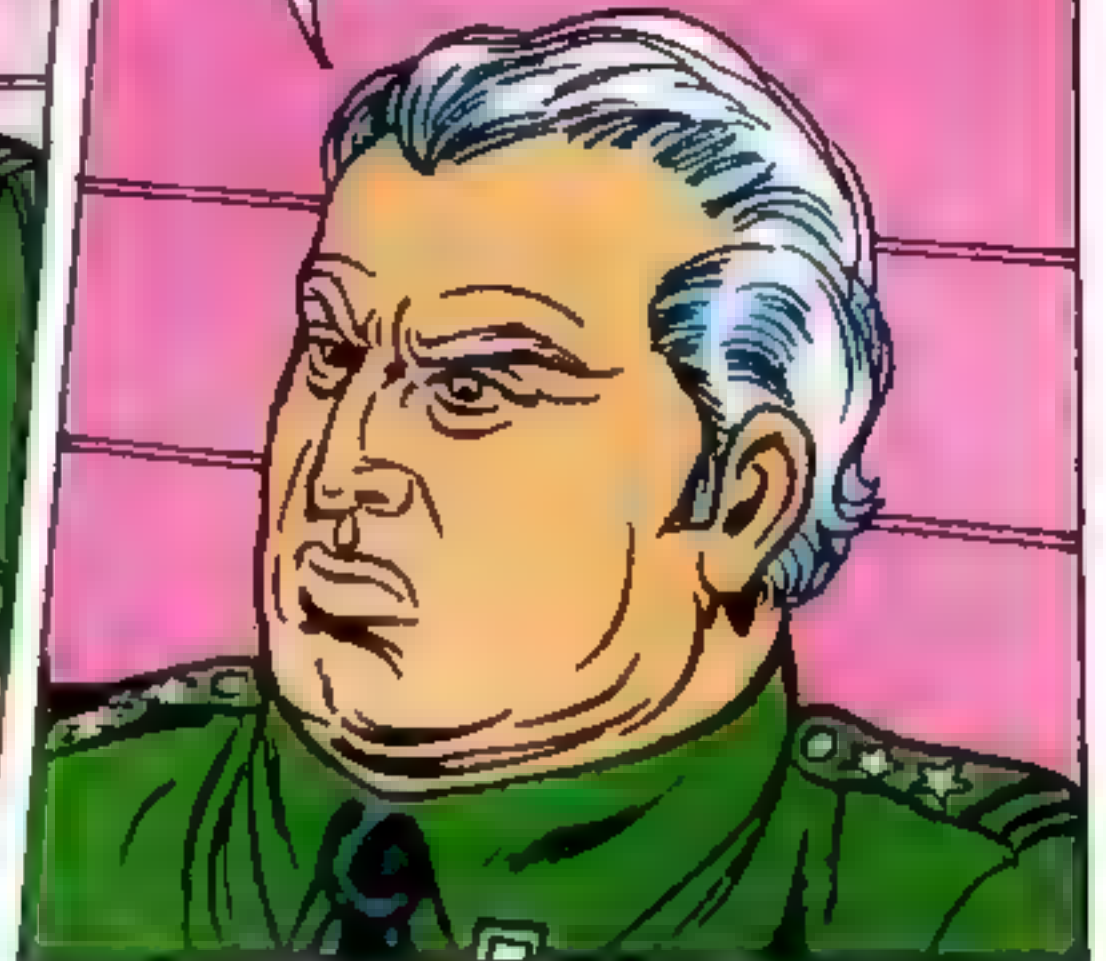
... कि वे दोनों प्रिंट अलग होते हुए भी एक दूसरे से काफी मिलते-जुलते हैं ! और ऐसा तभी होता है जब दोनों डी.एन.ए. वाले आपस में रिश्तेदार हों ! यानी एक ही वंश के हों !

पर एक आश्चर्यजनक बात और पता चली है...

यानी...लूका मेरा रिश्ते-
दार है। नहीं!... यह नहीं
हो सकता। कभी नहीं!

हम! मामला और चक्करदार होता
जा रहा है। अगर लूका ध्रुव का
रिश्तेदार है तो उसने ध्रुव को
मारने की कोशिश क्यों की?...

... और रघुवंशी पर एक हत्या का
आरोप होने के बावजूद भी उस पर
कातिलाना हमला क्यों किया गया?
उसको अगर पुलिस पकड़ लेती तो
उसको वैसे ही फांसी या लम्बी कैद
हो जाती।...



कहीं पर कोई गहरी साजिश
रची जा रही है पापा! इसी साजिश
में मेरे पिता की खूनी बनाया गया,
और फिर मुझे मारने की कोशिशों
की गईं।...

... इस साजिश ने कई
सवालियों की पैदा कर
दिया है। और अगर
उनका जवाब पाना
है तो मुझे जाना ही
होगा... 'फ्रांस'! ...

... और उसके इतर
ल्योन में या तो मिलेंगे
मुझे सारे जवाब...

... और या
मिलेगी... मौत!

क्या आप अपने बच्चों को एक अच्छी बाल मासिक पत्रिका देना चाहते हैं? जिसमें हों:-

चुलबुली कहानियां

हास्य चित्रकथाएं

ज्ञानवर्धक जानकारीयां

विज्ञान कथाएं

सिर चकराने वाली पहेलियां

अनोखी प्रतियोगिताएं

आदर्श व्यक्तियों से परिचय

इन सबके लिए है एक ही बाल मासिक पत्रिका

फैंग



बाल मासिक पत्रिका फैंग की वार्षिक सदस्यता ऑफर

वार्षिक सदस्यता लीजिए और कीजिए 75/- की बचत

- बाल मासिक फैंग एक वर्ष तक हर महीने डाक द्वारा घर बैठे प्राप्त कीजिए।
- पहली फैंग के साथ नागराज नावल्लीज का एक आकर्षक पर्स प्राप्त कीजिए।
- निम्नलिखित फार्म भरकर डाक द्वारा हमें भेज दीजिए।

12 फैंग का वार्षिक मूल्य	: 120/-
पर्स का मूल्य	: 30/-
डाक खर्च	: 25/-
कुल जोड़	: 175/-
आपको देने हैं सिर्फ	: 100/-
बचत	: 75/-

जी हां, मैं फैंग की वार्षिक सदस्यता चाहता / चाहती हूँ और सदस्यता के लिए डिमांड ड्राफ्ट अथवा मनीऑर्डर 100/- (एक वर्ष) का राजा पॉकेट बुक्स के लिए भेज रहा / रही हूँ।

मेरा विवरण :

नाम: जन्मतिथि:

पता:

पिन्: फोन: हस्ताक्षर:

राजा पॉकेट बुक्स 330/1 बुराड़ी, दिल्ली-110084

मेरी गोद में नागद्वीप का
नया सम्राट है, नागराज! विसर्पी
के पिता मणिराज का पुत्र!

और इसका
आधा पिता मैं हूँ।...
इसलिए अब नागपाशा
नागद्वीप का सम्राट है
भतीजे।

और नागद्वीप
के राजदंड की मंत्र
शक्ति से अब मैं
तुझे दूंगा...



अगस्त 2000
में उपलब्ध

पृष्ठ संख्या: 64
मूल्य: 18/-

मृत्युदंड

पिता की मौत के वर्षों बाद पैदा हुआ
एक बालक सम्राट और उसका
आधा पिता बन बैठा नागपाशा।

राज कॉमिक्स पेश करते हैं नागद्वीप के राज परिवार
के इन रहस्यों को खोलता हुआ एक विचित्र विशेषांक

तू पेरिस में अपने अतीत को
ढूँढ़ता हुआ आया है न।...

... तू अपने बाप के कातिलों को
ढूँढ़ने आया है न? आज 'जिग्सा'
तुझे एफिल टॉवर से गिराकर तेरे बाप
के पास ही पहुंचा देगा...

...और अपना अतीत
ढूँढ़ने के बजाए तू खुद
बनकर रह जाएगा
एक...

अतीत

मरेगा, बचेगा या जिंदा लाश बनकर रह जाएगा सुपर कमांडो ध्रुव? जवाब देगा अतीत।
सुपर कमांडो ध्रुव का सुपर विस्फोटक विशेषांक!

आवाज का बादशाह ध्वनिराज फिर आया
और साथ में ध्रुव की मौत को लाया...

मेरी लोरी तुझे
तब तक सुलाए रखेगी
ध्रुव, जब तक तू हमेशा के लिए
सो नहीं जाता।

इसके बाद तेरे
कान हमेशा सिर्फ एक
ही आवाज सुनेंगे। मौत
की आवाज यानी...



मूल्य:
20/-

by अनुपम
NARESH.



काल ध्वनि

अक्टूबर 2000
में उपलब्ध

राज कॉमिक्स पेश करते हैं एक चीखता हुआ कॉमिक
विशेषांक, जो आपके दिमाग के पर्दे फाड़ देगा।